Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Thursday, 20 February 2025 ● Year : 03 ● Issue : 38 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जिसके पास अपने दिन का दो-तिहाई समय अपने लिए नहीं है, वह गुलाम है। चाहे वह कोई भी हो- राजनेता, व्यापारी, अधिकारी या विद्वान।

-नीत्शे

Shraddha Kapoor
Rajkumar Rao...

स्पेशल कोर्ट ने तीन दिनों की दी रिमांड, राज उगलवाएगी केंद्रीय जांच एजेंसी

एनआरएचएम घोटाले में प्रमोद सिंह अरेस्ट

एजेंसी की ओर से प्रमोद सिंह को उपस्थित होने के लिए दिए गए थे 12 समन

नेशनल रूरल हेल्थ मिशन में 9 करोड़ रुपये से अधिक का किया गया है स्कैम

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने नेशनल रूरल हेल्थ मिशन (एनआरएचएम) घोटाले में धनबाद के आरोपी प्रमोद सिंह को ईडी ने अरेस्ट कर लिया। एनआरएचएम में हुए जिस घोटाला मामले में ईडी ने प्रमोद कुमार सिंह को गिरफ्तार किया है, वह 9 करोड़ से अधिक रुपये का है। जानकारी के अनुसार, एजेंसी की ओर से प्रमोद को 12 समन दिया जा चुका था। लेकिन, वह एजेंसी के समक्ष प्रस्तुत नहीं हुआ। इसके बाद ईडी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। प्रमोद कुमार को गिरफ्तार करने के बाद ईडी की टीम ने उसे रांची पीएमएलए (प्रीवेन्शन आफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट) की विशेष अदालत में पेश किया। ईडी ने कोर्ट से प्रमोद को सात दिनों की रिमांड पर लेकर पूछताछ की इजाजत मांगी। लेकिन, कोर्ट ने सिर्फ तीन दिनों की रिमांड की मंजूरी दी।

छापेमारी में बरामद हुए थे 2.17 लाख नकद

मामले को लेकर ईडी ने 13 अगस्त 2024 को प्रमोद सिंह के धनबाद के सरायढेला स्थित ठिकाने पर छापेमारी की थी।वहां से तीन महंगी गाड़ियां और 2.17 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई, जिसे ईडी ने जब्त कर ली थी। इसके अलावा बैंक खाते में जमा चार लाख रुपये की राशि भी जब्त कर ली गई थी। एजेंसी ने प्रमोद सिंह के ड्राइवर अजीत सिंह के भूली स्थित आवास की भी तलाशी ली थी।

● ईडी ने 1.63 करोड़ की संपत्ति को अस्थायी रूप से किया था जब्त

ब्लॉक अकाउंट मैनेजर पद पर था नियुक्त

ईडी ने धनबाद के कोयला कारोबारी प्रमोद सिंह की 1.63 करोड़ रुपए की संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त किया था। ईडी ने दो सितंबर 2024 को जानकारी देते हुए बताया था कि प्रमोद कुमार सिंह और उनके परिवार से संबंधित 1.63 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को जब्त किया गया है। प्रमोद कुमार सिंह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लॉक अकाउंट मैनेजर के पद पर संविदा के आधार पर कार्यरत थे।

घोटाला सामने आने के बाद हुआ था बर्खास्त

ईडी की जांच में पता चला है कि प्रमोद कुमार सिंह और स्वर्गीय शशि भूषण प्रसाद, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, जिन्हें एनआरएचएम फंड निकालने और खर्च करने के लिए संयुक्त रूप से अधिकृत किया गया था। इन सभी ने अपने आधिकारिक पद का दुरुपयोग किया और जिला स्वास्थ्य सोसाइटी द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, झरिया सह जोड़ापोखर को आवंटित 9.39 करोड़ रुपये की सरकारी राशि का गबन किया।

रेखा गुप्ता होंगी दिल्ली की नई मुख्यमंत्री, आज ग्रहण करेंगी शपथ

NEW DELHI : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की विधायक रेखा गुप्ता दिल्ली की नई मुख्यमंत्री होंगी। दिल्ली प्रदेश भाजपा कार्यालय में केंद्रीय पर्यवेक्षकों की मौजूदगी में वह सर्वसम्मति से विधायक दल की नेता चुन ली गईं। गुरुवार को 12 बजे वह शपथ लेंगी। गुप्ता दिल्ली की शालीमार बाग विधानसभा सीट से पहली बार विधायक बनी हैं। उनका जन्म हरियाणा में हुआ था और वह अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़ी रही हैं। विधायक दल की बैठक में पार्टी के सभी 48 विधायक मौजूद थे। विधायक दल की बैठक के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने घोषणा की कि रेखा गुप्ता को सर्वसम्मति से विधायक दल की नेता चुना गया है। भाजपा संसदीय बोर्ड ने प्रसाद और राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़ को केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया था।

सीईसी-ईसी की नियुक्ति के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित

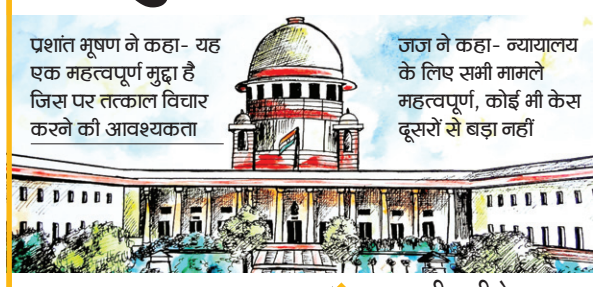

- समय की कमी के कारण इस मामले को अब होली की छुट्टी के बाद किया जाएगा सूचीबद्ध
- केंद्र सरकार ने 17 फरवरी को निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को नियुक्त किया था अगला मुख्य निर्वाचन आयुक्त

NEW DELHI @ PTI : बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने 2023 के कानून के तहत मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और निर्वाचन आयुक्तों (ईसी) की नियुक्तियों के खिलाफ याचिकाओं पर सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने संकेत दिया कि समय की कमी के कारण मामले को होली के त्योहार की छुट्टी के बाद सूचीबद्ध किया जाएगा। हालांकि, मामले की सुनवाई के लिए कोई तारीख तय नहीं की गई। याचिकाकर्ता एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की ओर से पेश हुए वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा है जिस पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मामले में एक छोटा कानूनी सवाल शामिल है कि क्या प्रधानमंत्री, विपक्ष के नेता और भारत के प्रधान न्यायाधीश की समिति के माध्यम से सीईसी और ईसी की नियुक्ति के लिए 2023 के संविधान पीठ के फैसले का पालन किया जाना चाहिए या 2023 के कानून का पालन किया जाना चाहिए, जिसमें प्रधान न्यायाधीश को समिति से बाहर रखा गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने दोपहर करीब 3 बजे भूषण से कहा कि वह विशेष पीठ में बैठेंगे और होली की छुट्टी से पहले अदालत के पास कई मामले सूचीबद्ध हैं। भूषण ने मामले को आने वाले सप्ताह में किसी भी दिन सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया और आश्वासन दिया कि याचिकाकताओं को प्रस्तुतियां देने में एक घंटे से अधिक समय नहीं लगेगा। याचिकाकर्ता जया ठाकुर की ओर से पेश हुए अधिवक्ता वरुण ठाकुर ने भी मामले की तत्काल सुनवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि यह लोकतंत्र के अस्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

ज्ञानेश कुमार और विवेक जोशी ने ग्रहण किया पदभार

बुधवार को ज्ञानेश कुमार ने 26वें मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) के रूप में पदभार ग्रहण किया, जबकि विवेक जोशी ने निर्वाचन आयुक्त के रूप में कार्यभार संभाला। बता दें कि ज्ञानेश कुमार मार्च 2024 से निर्वाचन आयुक्त के पद पर कार्यरत थे और सोमवार को उन्हें मुख्य निर्वाचन आयुक्त के रूप में पदोन्नत किया गया। राजीव कुमार के मंगलवार को सेवानिवृत्त होने के एक दिन बाद ज्ञानेश कुमार को निर्वाचन आयोग के प्रमुख का पदभार सौंपा गया। सुखबीर सिंह संधू एक अन्य निर्वाचन आयुक्त हैं। हरियाणा काडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के पूर्व अधिकारी विवेक जोशी को सोमवार को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया। कुमार ने कार्यभार संभालने के बाद मतदाताओं को दिए अपने संदेश में कहा, राष्ट्र निर्माण के लिए पहला कदम मतदान है।

SHARE

सेंसेक्स	:	75,939.18
निफ्टी	:	22,932.90

SARAFA

सोना	:	8,215
चांदी	:	108.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

23 साल से फरार झारखंड का नक्सली कमांडर अरेस्ट

MUMBAI : यवतमाल जिले के लकड़गंज इलाके से पुलिस ने झारखंड और छत्तीसगढ़ के एक भगोड़े नक्सली कमांडर को गिरफ्तार किया है। वह फर्जी आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस के आधार पर पिछले 23 वर्षों से यवतमाल में ट्रक चालक के रूप में रह रहा था। पुलिस पिछले दो महीने से उस पर कड़ी नजर रख रही थी। यवतमाल जिले के पुलिस अधीक्षक कुमार चिंता ने बुधवार को पत्रकारों को बताया कि उनकी टीम को गोपनीय जानकारी मिली थी कि तुलसी उर्फ दिलीप महतो फर्जी आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस जैसे दस्तावेज के आधार पर पिछले 23 वर्षों से यवतमाल में ट्रक चालक के रूप में रह रहा था। पुलिस पिछले दो महीने से तुलसी पर कड़ी नजर रख रही थी। तुलसी 1993 में झारखंड में नक्सली समूह में भर्ती हुआ था। 1997 में उसे 'भितिया दलम' का डिविजनल कमांडर नियुक्त किया गया।

महाकुंभ के कारण चार राज्यों की 46 ट्रेनें कैंसिल

NEW DELHI : प्रयागराज महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं। 38 दिनों में कुल 55.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई है। रेलवे ने महाकुंभ के चलते विभिन्न राज्यों से प्रयागराज जाने वाली 46 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। राजस्थान से 10, हरियाणा से 4, मप्र होकर जाने वाली 16 और बिहार से जाने वाली 16 ट्रेनें कैंसिल कर दी हैं। इसके अलावा कई ट्रेनों के रूट भी बदले गए हैं। जयपुर, जोधपुर, अजमेर और बीकानेर से चलने वाली 10 ट्रेनें रद्द की गई हैं। एक ट्रेन के रूट में भी बदला है। रेलवे कई ट्रेनों के रैक का उपयोग महाकुंभ स्पेशल ट्रेनों के संचालन में कर रहा है। इससे उनकी कैंसिलेशन अवधि बढ़ा दी गई है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण ने बताया- महाकुंभ के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए ट्रेनों को कैंसिल किया गया है। इससे जयपुर समेत राजस्थान के अन्य शहरों से प्रयागराज और पूर्वी भारत जाने वाले यात्रियों को परेशानी होगी।

मधुबन थाना क्षेत्र में छह और बगोदर में दो लोगों की हुई है मौत

दर्दनाक : गिरिडीह में दो सड़क हादसे, 8 लोगों की गई जान

स्कॉर्पियो ने बाइक में मारी टक्कर और इसके बाद पेड़ से जा टकराई

- बाइक सवार को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो चालक का बिगड़ा बैलेंस
- जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर पहुंची पुलिस
- शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गिरिडीह
- बगोदर के हादसे में एक व्यक्ति घायल, हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा इलाज

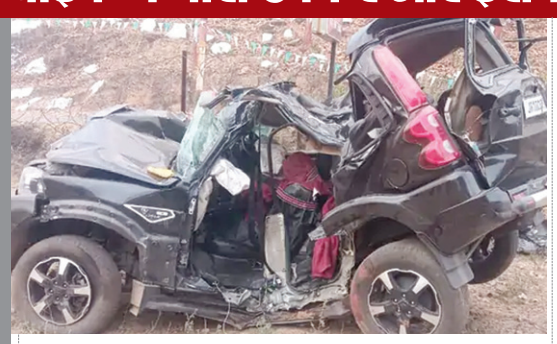

PHOTON NEWS GIRIDIH : जिले में दो अलग-अलग सड़क हादसों ने आठ लोगों की जान ले ली। एक व्यक्ति घायल है। उसका इलाज हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मधुबन थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात छह लोगों की और बगोदर थाना क्षेत्र में बुधवार तड़के दो लोगों की अलग-अलग हादसों में मौत हो गई। मृतकों में सोमेश चंद्रा,उम्र 40 दरियापुर थाना मुफ्फसिल, मुंगेर जिला, गोपाल कुमार उम्र 26 वर्ष, पता दरियापुर थाना मुफ्फसिल जिला मुंगेर, गुलाब कुमार, उम्र 28 वर्ष पता जोगीडीह, थाना निमियाघाट, बबलू कुमार टुडू 26 वर्ष, हुसैनी मियां, उम्र 55 वर्ष और फूलचंद महतो उम्र 33 वर्ष जोगीडीह निमियाघाट शामिल हैं। पहली घटना जिले के मधुबन थाना क्षेत्र में स्थित पुलिस पिकेट के पास की है। जहां एक बाइक और स्कॉर्पियो हुई टक्कर में दोनों वाहनों में सवार 6 की मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, मधुबन थाना क्षेत्र के पुलिस के पास विपरीत दिशा से आ रहे बाइक सवार को बचाने के चक्कर में स्कॉर्पियो चालक का संतुलन बिगड़ गया और उसने बाइक सवार दो युवको को टक्कर मारते हुए एक पेड़ से टकरा गई।

कार में सवार था बैंक मैनेजर

जानकारी के अनुसार, 6 लोगों में बाइक पर सवार मधुबन थाना क्षेत्र के लेडवाटांड का 27 वर्षीय बबलू टुडू एवं धावाटांड़ निवासी हुसैनी मियां 55 वर्ष भी शामिल हैं। वह अपने रिश्तेदार को पारसनाथ रेलवे स्टेशन से छोड़कर घर वापस आ रहा था। स्कॉर्पियो पर सवार 2 लोग निमियाघाट थाना क्षेत्र के रहने वाला हैं। 2 व्यक्ति मुंगेर के बताए जा रहे हैं।

बगोदर में अनियंत्रित बाइक बिजली के खंभे से टकराई, इसमें दो मौत

दूसरी घटना गिरिडीह के बगोदर में बुधवार की सुबह हुई। यह दुर्घटना अटका-मुंडरो रोड स्थित बिहारो के पास हुई। इसमें बाइक सवार दो लोगों मौत हो गई। एक का इलाज हजारीबाग के सदर अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में स्थानीय लोगों ने बताया कि रात्रि 12 बजे मुंडरो से एक बाइक पर सवार होकर तीन युवक अपने घर बिहारो आ रहा थे। इस दौरान उनकी बाइक बुधवार की बिल्कुल सुबह बिहारो के समीप असंतुलित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से घायलों को इलाज के लिए बगोदर ट्रामा सेंटर ले जाया गया। इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई। इसके बाद गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को हजारीबाग के सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान एक और युवक की मौत हो गई।

रास नहीं आ रहा है तो पलामू से ले लीजिए विदा

वित्त मंत्री ने अधिकारियों को सुना दी खरी-खोटी

PHOTON NEWS PLAMU : बुधवार को राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने खुले मंच से अधिकारियों को खरी-खोटी भी सुनाई और पलामू के विकास के लिए मन से काम करने की विनती भी की। साफ कहा कि रास नहीं आ रहा तो पलामू से विदा ले लीजिए महोदय, 45 वर्ष से राजनीति में हूं, मुझे मत सिखाइए। पलामू जिला के लिए कुछ बेहतर कीजिए। जिले के शिवाजी मैदान में राधाकृष्ण किशोर प्रमंडलस्तरीय

कृषि मेला को संबोधित करने के लिए खड़े हुए थे। संबोधन से पहले वित्त मंत्री ने पलामू के पशुपालन पदाधिकारी से विभाग के लक्ष्य और उपलब्धि के बारे में जानकारी मांगी थी। लेकिन, उन्हें जानकारी उपलब्ध नहीं करवाई गई। इसके बाद ही मंत्री ने उक्त टिप्पणी की।

नेपाल के 50 लाख लोगों ने किया स्नान

PRAYAGRAJ : मां जानकी के मायके नेपाल में महाकुंभ को लेकर जबरदस्त उल्लास देखा जा रहा है। महाकुंभ नगर में आयोजित दुनिया के सबसे बड़े सांस्कृतिक समागम में अब तक नेपाल से आए 50 लाख से अधिक लोगों ने संगम में आस्था की डुबकी लगाई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महाकुम्भ का आयोजन अद्वितीय भव्यता के साथ किया जा रहा है। जिससे नेपाल समेत दुनियाभर के श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। यहां बड़े हनुमान जी के लिए विशेष रूप से भगवान राम की ससुराल से पवित्र अक्षत व अन्य सामान लेकर लोग आ रहे हैं और यहां से गंगा जल और संगम की माटी अपने साथ नेपाल भी ले जा रहे हैं।

पश्चिमी विक्षोभ के कारण दिखाई पड़ रहा असर, विभाग का अलर्ट जारी

आज कई जिलों में वज्रपात के साथ होगी बारिश

कल भी कई इलाकों में वर्षा होने की जताई गई है संभावना

- कोल्हान प्रमंडल के 3 जिलों- पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां के लिए ऑरेंज अलर्ट
- खूंटी, रांची, बोकारो और रामगढ़ के लिए येलो अलर्ट

"PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट ले रहा है। मंगलवार से न्यूनतम तापमान में आई गिरावट का रुख बुधवार को भी जारी रहा। मौसम विभाग की ओर से बताया गया है कि यह पश्चिमी विक्षोभ का असर है। मंगलवार के समान बुधवार को भी राजधानी रांची समेत कई जिलों में आकाश में बादल छाए रहे। मौसम विभाग की मानें तो 20 फरवरी को कई जिलों में वज्रपात, गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश हो सकती है। इसके लिए येलो अलर्ट भी जारी कर दिया गया है। 22 फरवरी को भी कई इलाकों में वर्षा होने की संभावना जताई गई है। 20 फरवरी को जिन जिलों में बारिश की संभावना है, उनमें लोहरदगा, रामगढ़, बोकारो, धनबाद, गुमला, रांची, खूंटी, सराकेला-खरसावां, सिमडेगा, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम जिला शामिल हैं।

तेज गति से चलेंगी हवाएं

मौसम विभाग के अनुसार, समुद्र तल पर बने पश्चिमी विक्षोभ के असर से झारखंड का मौसम बदला है। कोल्हान प्रमंडल के 3 जिलों (पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां) के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। खूंटी, रांची, बोकारो और रामगढ़ के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। बताया गया है कि पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सरायकेला-खरसावां जिले में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगी।

न्यू रिसर्च गंदी वायु में सांस लेने पर बढ़ जाती है ध्यान भंग की समस्या

सोचने-समझने की क्षमता लगातार कमजोर कर रही प्रदूषित हवा

दूसरों के साथ बेहतर व्यवहार व बातचीत को भी कठिन बना रहा वायु प्रदूषण

बर्मिंघम व मैनचेस्टर विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया है विशेष अध्ययन

- इस वजह से ध्यान केंद्रित रखना और भावनाओं पर नियंत्रण करना हो जाता है मुश्किल
- हवा में उपलब्ध पार्टिकुलेट मैटर 2.5 स्वास्थ्य को सबसे अधिक पहुंचाता है नुकसान

एयर पॉल्यूशन से आत्मनियंत्रण में कठिनाई, दिमागी संतुलन पर भी पड़ता है प्रभाव

- इस अवस्था में दिमागी भटकाव से रोजमर्रा के कामों पर पड़ता है गहरा असर
- अंतरराष्ट्रीय जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित की गई है विस्तृत जानकारी

सामान्य स्मरण शक्ति पर भी प्रभाव

न्यू स्टडी में यह विस्तार से बताया गया है कि वर्किंग मेमोरी मस्तिष्क में एक छोटे नोटपैड की तरह होती है, जो कुछ समय के लिए जानकारी को याद रखने और उसका उपयोग करने में मदद करती है। यह एक साथ कई काम करने के लिए महत्वपूर्ण है। हमारा दिमाग हमें हर दिन सोचने और निर्णय करने में मदद करता है। उदाहरण के लिए खरीदारी करते समय यह आपको अपनी सूची पर ध्यान केंद्रित करने, अन्य वस्तुओं को अनदेखा करने में मदद करता है।

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : मानव जीवन के लिए ही नहीं, बल्कि अन्य प्राणियों के लिए भी संतुलित और स्वच्छ हवा जरूरी है। जब हवा में ऑक्सीजन, नाइट्रोजन, हाइड्रोजन, कार्बन डाइऑक्साइड तथा धूल के के कणों की मात्रा संतुलित होती है, तो सांस लेना सहज है। हवा के प्रदूषित होने का मतलब यह है कि इसमें कार्बन डाइऑक्साइड और धूल के कणों की मात्रा बढ़ गई है। ऐसी स्थिति मानव जीवन की सेहत के लिए ही नहीं खतरनाक है, बल्कि इस वजह से लगातार सोचने-समझने की शक्ति भी कमजोर होती जा रही है। हाल में हुए रिसर्च में इस तथ्य का खुलासा हुआ है। रिसर्च में यह स्पष्ट किया गया है कि प्रदूषित हवा में थोड़े समय के लिए भी सांस लेने से न सिर्फ सोचने-समझने की क्षमता प्रभावित होती है, बल्कि इससे ध्यान केंद्रित करना और भावनाओं पर नियंत्रण भी कठिन होता है। ऐसे में दिमागी भटकाव से रोजमर्रा के कामों पर गहरा प्रभाव पड़ता है। बर्मिंघम व मैनचेस्टर विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं के एक अध्ययन के मुताबिक, वायु प्रदूषण भावनाओं की समझ, काम पर ध्यान व दूसरों के साथ बेहतर व्यवहार व बातचीत को मुश्किल बना सकता है।

अडानी मामले में अमेरिका ने भारत से मांगी मदद

NEW DELHI : अडानी के खिलाफ धोखाधड़ी और रिश्वत से जुड़े मामले में अमेरिका ने भारत सरकार से मदद मांगी है। अमेरिका के सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में बताया कि रिश्वतखोरी मामले में गौतम अडानी और सागर अडानी को नोटिस देने के लिए कोशिश की जा रही है। एसईसी ने कोर्ट में बताया कि उद्योगपति गौतम अडानी और उनके भतीजे सागर अडानी भारत में मौजूद हैं। उन्हें नोटिस देने के लिए भारतीय अधिकारियों से मदद मांगी है। इसके लिए भारत के कानून मंत्रालय से संपर्क किया जा रहा है। दरअसल, बिजनेसमैन गौतम अडानी समेत 8 लोगों पर आरोप है कि उन्होंने भारत में रिन्युएबल एनर्जी प्रोजेक्ट को धोखाधड़ी से हासिल किया। ये प्रोजेक्ट पाने के लिए उन्होंने 2 हजार करोड़ रुपए रिश्वत देने का प्लान बनाया था। इस मामले में 24 अक्टूबर 2024 को न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में केस दर्ज हुआ था।

वायु सेना के लिए 36 राफेल फाइटर जेट हासिल

हवा में ही ईंधन भरने की तकनीक से लैस होंगे विमान

AGENCY NEW DELHI : भारतीय वायु सेना के 36 राफेल फाइटर जेट में से 10 विमान जल्द ही हवा में ही ईंधन भरने की तकनीक से लैस हो जाएंगे। इस तकनीक के हासिल होने पर विमानों की रेंज भी बढ़ जाएगी और उन्हें ज्यादा दूर तक तैनात किया जा सकेगा। ईंधन भरने की क्षमता के लिए वायु सेना को ग्राउंड-आधारित उपकरण और सॉफ्टवेयर अपग्रेड प्राप्त होंगे। भारतीय नौसेना भी फ्रांस से 26 राफेल मरीन जेट खरीद रही है, जो हवा से जमीन पर और हवा से हवा में हमला करने में भी सक्षम हैं। भारत ने वायु सेना के लिए

फ्रांस से 36 राफेल फाइटर जेट हासिल किए हैं, जिनके लिए अंबाला एयरबेस पर और पश्चिम बंगाल के हाशिमारा एयरबेस पर दो स्क्वाड्रन बनाई गई हैं। एलएसी पर चीन से तनातनी के बीच भारत ने राफेल लड़ाकू विमानों को लद्दाख के फ्रंट-लाइन एयरबेस पर तैनात किया गया है।

BRIEF NEWS

अफीम के विरुद्ध विशेष अभियान चलाने का निर्देश

KHUNTI : समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त लोकेश मिश्रा के निर्देश पर बुधवार को वन प्रमंडल पदाधिकारी दिलीप कुमार यादव की अध्यक्षता में एनकॉर्ड (नार्को कॉ आर्डिनेशन सेंटर) की बैठक हुई। बैठक में मादक पदार्थों के नियंत्रण के लिए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। बैठक में पुलिस विभाग और एनकॉर्ड से संबंधित अधिकारियों द्वारा अफीम की खेती के मामले में की गई एफआइआर और अन्य कार्रवाई की जानकारी ली गई। प्रस्तुत प्रतिवेदनों के सभी बिंदुओं की वन प्रमंडल पदाधिकारी ने समीक्षा की। वन प्रमंडल पदाधिकारी ने जिले में विशेष अभियान चलाते हुए अफीम की खेती को नष्ट करने का निर्देश दिया। आवश्यकता अनुसार अतिरिक्त ट्रैक्टर, पुलिस के जवान, चौकीदार और अन्य संसाधन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिले की सीमाओं एवं विद्यालयों के आसपास के क्षेत्रों में विशेष निगरानी और कार्रवाई करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही विद्यालयों में जागरूकता अभियान चलाने को लेकर जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया।

पर्यटन मंत्री ने किया इटखोरी महोत्सव का उद्घाटन

CHATRA : चतरा जिले के इटखोरी में तीन दिवसीय राजकीय इटखोरी महोत्सव का बुधवार को राज्य के पर्यटन, कला व संस्कृति मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू ने दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। समारोह में राज्य के पूर्व मंत्री सत्यानंद भोगता, जिला परिषद अध्यक्ष ममता देवी, उपाध्यक्ष बिरजू तिवारी, झारखंड दिगंबर जैन न्यास बोर्ड के अध्यक्ष ताराचंद जैन, बोधगया मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य सचिव नांगजेय दोरजी समेत अन्य शामिल हुए। समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि इटखोरी तीन धर्मों की संगम स्थली है। माता भद्रकाली की प्रसिद्धि दूर दूर तक है। आने वाले साल में सरकार राजकीय महोत्सव का व्यापक प्रचार-प्रसार करेगी। यह राज्य का सबसे बड़ा महोत्सव बनेगा। तीनों धर्मों के राज गुरूओं को आमंत्रित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में विकास के लिए राज्य सरकार कृत संकल्पित है।

पंचायत कर्मियों का रोस्टर तैयार किया जाए : डीडीसी

HAZARIBAG : जिले के विभिन्न प्रखंडों में चल रही विकासात्मक कार्यों व कल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा के उद्देश्य से बुधवार को उपविकास आयुक्त इश्तियाक अहमद ने टाटीझरिया व दारू प्रखंड का भ्रमण किया। उपविकास आयुक्त की अध्यक्षता में सभी विभागों के प्रखंड कर्मी के साथ प्रखंड स्तरीय समीक्षा बैठक भी हुई। डीडीसी ने पंचायत भवन को सुदृढ़ करने के लिए पंचायत में कर्मियों का रोस्टर तैयार करने को कहा। पंचायत भवन में प्रज्ञा केंद्र संचालक सहित सभी पंचायत स्तरीय कर्मियों का नाम, मोबाइल नंबर लिखने को कहा।

नक्सलियों की साजिश नाकाम, सुरक्षा बलों ने बरामद किए कई विस्फोटक

गिरिडीह के खुखरा जंगल में जिला पुलिस व सीआरपीएफ ने की संयुक्त कार्रवाई

AGENCY GIRIDIH : गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ की 154 बटालियन ने नक्सलियों की एक बड़ी विध्वंसक योजना को समय रहते विफल कर दिया। बुधवार को खुखरा थाना क्षेत्र के गार्दी और मर्मी के जंगलों में संयुक्त सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद किए।

गुप्त सूचना के आधार पर एएसपी अभियान सुरजीत कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में चार बंडल कोडेक्स वायर, पांच डेटोनेटर, 20 किलो विस्फोटक पाउडर, डेढ़ किलो नेल आयरन, 111 जिलेटिन स्टिक, हेक्सा ब्लेड और 200 लीटर सैंटोक्स बरामद किया गया।

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते पुलिस व सीआरपीएफ के अधिकारी ● फोटोन न्यूज

इसकी पुष्टि सीआरपीएफ 154 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी और एएसपी अभियान सुरजीत कुमार ने की । अधिकारियों ने बताया कि सीआरपीएफ की 154 बटालियन के कमांडेंट और पुलिस अधीक्षक गिरिडीह को सूचना मिली थी कि नक्सली साहेबराम मांझी और पवन लंगड़ा उर्फ पवन मांझी का दस्ता गार्दी और मर्मी में देखा गया है। इस आधार पर टीम का गठन किया गया। टीम में द्वितीय कमान अधिकारी दलजीत सिंह भाटी, एएसपी ऑपरेशन सुरजीत, सहायक कमांडेंट विजय सिंह मीना, इंस्पेक्टर ओमप्रकाश वर्मा, बलवंत सिंह के साथ सीआरपीएफ व पुलिस के जवान शामिल थे। टीम ने जांच शुरू कर पूरे जंगल की तलाशी ली कई घंटों तक ऑपरेशन चलाया। इस दौरान नक्सली भाग निकले, लेकिन टीम ने उनके द्वारा छिपाए गए विस्फोटक बरामद कर लिए। एएसपी ऑपरेशन सुरजीत ने बताया कि टीम अभी भी इलाके में छापेमारी कर रही है।

मोती पालन क्लस्टर में मूल्य संवर्धन पर हुई कार्यशाला

HAZARIBAG : भारत सरकार के मत्स्य पालन विभाग एवं झारखंड सरकार के कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग) के संयुक्त प्रयास से राष्ट्रीय मत्स्य पालन पोस्ट हार्वेस्ट प्रौद्योगिकी और प्रशिक्षण संस्थान एवं राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड के सहयोग से बुधवार को मोती पालन क्लस्टर में मूल्य संवर्धन पर कार्यशाला हुई। सूचना भवन, पुराने डीसी कार्यालय, जिला बोर्ड चौक, हजारीबाग में उपायुक्त नैन्सी सहाय के मार्गदर्शन में हुई कार्यशाला में मोती पालन के आर्थिक एवं व्यावसायिक संभावनाओं पर विशेष चर्चा हुई। जिले में मोती पालन को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, किसानों को इस क्षेत्र में हर संभव सहायता प्रदान करने की बात रखी गई। डॉ. एचएन द्विवेदी, निदेशक, कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (मत्स्य प्रभाग), झारखंड सरकार ने अपने संबोधन में कहा कि मोती पालन से किसानों की आमदनी में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है और यह झारखंड की अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण योगदान देगा।

अवैध कोयला उठाव को लेकर दो गुटों में मारपीट, चार राउंड चली गोली

PHOTON NEWS DHANBAD : निरसा थाना क्षेत्र के गोपीनाथपुर गांव स्थित लतीफबाबू पुल के समीप मंगलवार की रात करीब डेढ़ बजे अवैध कोयला उठाव को लेकर दो गुटों के बीच मारपीट हुई। इसमें एक युवक घायल हो गया। वहीं कोयला तस्करों ने अपना वर्चस्व कायम करने के लिए चार राउंड गोली चलाकर दहशत फैलाई।

मिली जानकारी के अनुसार, लतीफ बाबू पुल के दोनों ओर स्थित दो भट्ठों में अवैध कोयला का कारोबार धड़ल्ले से जारी है। दोनों भट्ठों के गुर्गे अपने-अपने भट्ठों में कोयला खपाने व वर्चस्व कायम करने के लिए एक-दूसरे से भिड़ गए। दोनों गुटों के गुर्गों ने हरवे-हथियार से लैस होकर एक दूसरे पर हमला कर दिया। इस

प्रतीकात्मक तस्वीर

मारपीट में जामदही का रहने वाला नुपुर नामक युवक घायल हो गया है। वहीं एक गुट की ओर से चार राउंड गोली चलाकर दहशत फैला दी गई। गोली चलने पर दोनों गुटों में भगदड़ मच गई।

ज्ञात हो कि इन दिनों गोपीनाथपुर के खुदिया नदी व पलासिया के जंगलों में तस्करों द्वारा अवैध कोयला उत्खनन धड़ल्ले से जारी है। दर्जनों अवैध कुंआनुमा मुहाने खोलकर कोयला उत्खनन किया जा रहा है। रात भर दर्जनों ट्रैक्टर से दोनों भट्ठों में कोयला लाया जा रहा है। एक भट्ठा निरसा थाना क्षेत्र में है, तो दूसरा पंचेत ओपी क्षेत्र में पड़ता है।

10 वर्षीय बाल श्रमिक को कराया गया मुक्त

HAZARIBAG : श्रम अधीक्षक अनिल कुमार रंजन के नेतृत्व में बुधवार को बाल श्रम उन्मूलन को लेकर हजारीबाग शहर के दर्जनों होटल, रेस्तरा व विभिन्न प्रतिष्ठानों में छापेमारी की गई। इस दौरान मुफ़्फसिल थाना क्षेत्र के लालपुर चौक के सुरेंद्र होटल से 10 वर्षीय बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया। श्रम अधीक्षक ने बताया कि 14 वर्ष से कम उम्र के बालक से काम लेना कानूनी अपराध है। अगर कोई नियोजक ऐसा करता है, तो उसे 6 माह से 2 वर्ष तक का कारावास या 20,000 से 50,000 रुपये तक जुमार्ना या दोनों हो सकता है। बालक के विद्यालय में नामांकन एवं उसके परिवार के पुनर्वास की कार्रवाई की जाएगी। इस अभियान में श्रम अधीक्षक के साथ ज़िला बाल संरक्षण पदाधिकारी संजय प्रसाद व चाइल्ड हेल्पलाइन से सागर कुमार राणा भी शामिल थे।

तीन चोर गिरफ्तार, जंगल से 22 मोटरसाइकिल बरामद

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते एसपी अनुदीप सिंह ● फोटोन न्यूज

KODERMA : जिले की मरकच्चो पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर डोमचांच थाना क्षेत्र के कुसाहन जंगल से एक झोपड़ी नुमा घर से चोरी की गई 22 मोटरसाइकिलों को बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपितों के नाम डोमचांच थाना क्षेत्र के बेहराडीह निवासी रोहित कुमार स्वर्णकार, बगरीडीह निवासी मौला अंसारी तथा नावाडीह निवासी प्रकाश मेहता हैं। बुधवार को पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह ने मरकच्चो थाना में प्रेस वार्ता कर बताया कि उन्हें गुप्त सूचना प्राप्त मिली थी कि कुछ वाहन चोर जिला में भ्रमणशील हैं। इसके बाद गिरफ्तारी के लिए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी क्रम में दो बाइक सवार लोगों को मरकच्चो थाना क्षेत्र से चेकिंग के दौरान पकड़ा और उनकी मोटरसाइकिल को जब्त कर लिया। पुछताछ में दोनों ने स्वीकार किया कि ये मोटरसाइकिल चोरी की है एवं ये दोनों मोटरसाइकिल चोरी का काम करते हैं।

दलहन एवं तिलहन की खेती के लिए जाना जाएगा पलामू : राधाकृष्ण किशोर

डाल्टेनगंज में प्रमंडलस्तरीय किसान मेला सह प्रदर्शनी का किया गया आयोजन

AGENCY PALAMU : जिला मुख्यालय डाल्टेनगंज के शिवाजी मैदान में प्रमंडल स्तरीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन बुधवार को किया गया। कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन अभिकरण (आत्मा) की ओर से आयोजित इस किसान मेले का उदघाटन राज्य की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेता तिर्की एवं वित्त, वाणिज्यकर, योजना एवं विकास व संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने दीप प्रज्जवलित कर किया। मेला में 40 स्टॉल लगाये गये, जहां विभागों की योजनाओं की जानकारी दी गई। मेला में 16 किसानों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया गया। मंत्री ने सभी स्टॉल का

कृषि मेला में लाभुक को परिसंपत्ति वितरित करते मंत्री ● फोटोन न्यूज

निरीक्षण कर वहां प्रदर्शित कृषि उत्पाद एवं कृषियंत्रों का अवलोकन किया। मौके पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट की चर्चा करते हुए कहा कि पलामू जिले में दलहन एवं तिलहन फसल को बड़े पैमाने पर बढावा देने के लिए स्टोरेज और प्रोसेसिंग यूनिट की स्थापना की जायेगी। किसान कोल्ड स्टोरेज के अभाव में तिलहन फसल को स्टोर करके नहीं रख पाते। स्टोरेज और प्रोसेसिंग यूनिट काम करने पर पलामू तिलहन के लिए जाना जायेगा। इसके लिए उपायुक्त के माध्यम से प्रस्ताव मांगा गया है। मंत्री ने कहा कि प्रमंडल स्तरीय किसान मेला-सह-प्रदर्शनी का आयोजन करने का उद्देश्य किसानों को राज्य सरकार की सभी योजनाओं से अवगत कराना है। पलामू में यह तीसरा आयोजन है। किसानों को समय के साथ कृषि के तौर-तरीकों को बदलना होगा। सब आधुनिकरण हो रहा है। किसानों को कृषि कार्य मजदूर की तरह नहीं व्यवसाय के रूप में करना होगा। पारंपरिक व्यवस्थाओं को बदलना होगा। धान-गेहूं की जगह संतरा, ड्रैगन फ्रूट आदि फल-सब्जियां आदि नगदी फसलों का उत्पादन करना होगा। मौके पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि पलामू प्रमंडल की अर्थव्यवस्था कृषि पर निर्भर है।

22 दिनों से लापता हर्ष की क्षत-विक्षत मिली लाश, सड़क जाम

PALAMU : पलामू जिले के नावाजयपुर थाना क्षेत्र के महुलिया से 22 दिनों से लापता हर्ष कुमार पिता अभिमन्यु प्रसाद का क्षत विक्षत शव बरामद हुआ है। बच्चे के घर से एक किलोमीटर दूर हदहदवा नाला के पहाड़ी के पास से बरामद किया गया। पैर का हिस्सा एवं कपड़े से शव की पहचान की गयी। पैर का हिस्सा एवं खोपड़ी केवल मिली है। मौके से एक टांगी भी मिली है। धड़ से कमर का हिस्सा गायब है। जैकेट, पेंट एवं पैर से बच्चे की पहचान की गयी। सूचना मिलने पर एसएसएल की टीम मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया। पोस्टमार्टम के लिए रांची रिम्स ले जाया जाएगा। क्षत विक्षत शव मिलने की सूचना पर परिजन एवं ग्रामीण आक्रोशित हो गए हैं एवं पाटन-पदमा मुख्य पथ को जाम कर दिया है। बुधवार को गांव की एक महिला हदहदवा नाला के पहाड़ी की तरह गयी थी। उसने एक बच्चे का शव क्षत विक्षत देखा। इसकी जानकारी गांव के लोगों को दी। सूचना मिलने पर परिजन मौके पर पहुंचे एवं जैकेट, पेंट एवं पैर से बच्चे की पहचान की। शव की शिनाख्त होते ही परिजन चितकार मारकर रोने बिलखने लगे।

कस्तूरबा विद्यालय की एकाउंटेंट ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

AGENCY PALAMU : पलामू जिले के पाटन स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की एकाउंटेंट प्रियंका कुमारी (28) बुधवार को अपने क्वार्टर में फांसी के फंदे से झूलती मिलीं। पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें फंदे से उतारकर अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वार्डन कृष्णा कुमारी ने एमआरएमसीएच में बुधवार को बताया कि मैं जब क्लास लेकर ऑफिस में गई तो गार्ड विनोद फोन लेकर के आया और कहा कि एकाउंटेंट मैडम के हस्बैंड का बार-बार कॉल आ रहा है बात करने को लेकर। विद्यालय में मैडम नहीं मिली। क्वार्टर की तरफ गए तो वहां देखा कि अंदर से गेट बंद है। बार-बार धक्का देने के बाद भी गेट नहीं खुला। गांव के ही मिस्त्री साधु राम को बुलाया। खिड़की के ग्रिल

अस्पताल में जांच करते डॉक्टर ● फोटोन न्यूज

के रॉड को काटा गया एवं अंदर रूम में गए तो देखा किया प्रियंका दुपट्टे के सहारे फंदे पर लटकी हुई थी। पाटन पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस के पहुंचने के बाद दुपट्टे को चाकू से काटकर प्रियंका को नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया गया। वार्डन ने बताया कि 1 अगस्त 2024 को एकाउंटेंट प्रियंका ने विद्यालय में अपना योगदान दिया था। स्टार्टिंग में स्कूल के क्वार्टर में ही रहा करती थी। उसके बाद डालटनगंज से ही आना जाना करती थी। लंबे समय से कस्तूरबा में एकाउंटेंट थी एवं चैनपुर से पाटन स्थानान्तरण के बाद आई थी। बुधवार को लगभग 11 बजे के बाद स्कूल आई थी और 12.15 में फांसी लगाने की जानकारी मिली। दरवाजे को खोलने में 1 घंटे लगा। मिस्त्री साधु राम ने बताया कि जब वह खिड़की से अंदर गया तब मोबाइल चालू था। पुलिस ने मोबाइल को जब्त कर लिया है। अंतिम बार किससे बात हुई, यह पता लगाया जा रहा है।

मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने एसएलआरएम प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया उद्घाटन, दिया भरोसा- राज्य सरकार करेगी हरसंभव मदद

सॉलिड-लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट करने वाला पहला जिला होगा लातेहार : मंत्री

PHOTON NEWS LATEHAR: टाउन हॉल, लातेहार में स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) के तहत 10 दिवसीय आवासीय जलसहिया-मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू हुआ। इस अवसर पर झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता, उत्पाद एवं मद्य निषेध विभाग के मंत्री योगेंद्र प्रसाद, विभाग के प्रधान सचिव मस्तराम मीणा, स्वच्छ भारत मिशन की डायरेक्टर डॉ. नेहा अरोड़ा तथा भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक व सलाहकार सी. श्रीनिवासन भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्घाटन मंत्री योगेंद्र प्रसाद, डायरेक्टर डॉ. नेहा अरोड़ा, परियोजना निदेशक सी. श्रीनिवासन व उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि लातेहार झारखंड का पहला जिला होगा, जहां सॉलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। मंत्री ने यह भी घोषणा की कि वे 45-50 दिनों के भीतर लातेहार दोबारा आएंगे और इस कार्यक्रम की प्रगति देखेंगे।

मंत्री को पेंटिंग भेंट करते उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ● फोटोन न्यूज

अपशिष्ट पृथक्करण सबसे आवश्यक : श्रीनिवासन

प्रशिक्षण कार्यक्रम में पर्यावरण विशेषज्ञ सी. श्रीनिवासन ने अपशिष्ट प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि उद्यान अपशिष्ट, मछली बाजार अपशिष्ट, सब्जी अपशिष्ट आदि का प्राथमिक पृथक्करण स्रोत पर और द्वितीयक पृथक्करण एसएलआरएम केंद्रों पर किया जाता है, जबकि तृतीय पृथक्करण एक सामान्य केंद्र पर होता है।

लातेहार प्रस्तुत कर रहा उदाहरण : डॉ. नेहा अरोड़ा

कार्यशाला को संबोधित करते हुए स्वच्छ भारत मिशन की निदेशक डॉ. नेहा अरोड़ा ने कहा कि लातेहार जिला पूरे राज्य के लिए एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। उन्होंने कहा कि लातेहार, एक विकसित पर्यटन स्थल के रूप में पहचाना जाता है और ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन आज की आवश्यकता बन गई है। इससे लातेहार जिला स्वच्छ और सुंदर बनेगा। डॉ. अरोड़ा ने विश्वास जताया कि अगले एक वर्ष में लातेहार स्वच्छता के सभी मानदंडों को पूरा कर 5-स्टार जिला के रूप में विकसित होगा। उन्होंने इस प्रशिक्षण कार्यक्रम को इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

230 जलसहिया व 60 SHG महिलाओं को मिल रहा प्रशिक्षण

10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के सभी पंचायतों से 230 जलसहिया एवं नगर पंचायत की 60 रत्न महिलाओं को प्रशिक्षित किया जा रहा है। ये प्रशिक्षु मास्टर ट्रेनर के रूप में अपने-अपने क्षेत्रों में अन्य लोगों को भी प्रशिक्षित करेंगे, जिससे यह कार्यक्रम जमीनी स्तर तक प्रभावी रूप से लागू हो सके।

जिले को शून्य अपशिष्ट बनाने का लक्ष्य : उपायुक्त

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता ने जिले को शून्य-अपशिष्ट बनाने के लक्ष्य पर बल दिया। कहा कि इस अभियान के तहत जिले को एक स्वच्छ, हरा-भरा और कचरा मुक्त क्षेत्र बनाने का प्रयास किया जा रहा है। कचरे के उचित प्रबंधन से पर्यावरण प्रदूषण की समस्या को नियंत्रित किया जा सकता है, जिससे जिले में स्वच्छता के साथ-साथ सतत विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

कचरा प्रबंधन में तकनीक अनिवार्य : मीणा

प्रधान सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग मस्तराम मीणा ने कहा कि आज के समय में पर्यावरण संरक्षण के लिए ठोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन की तकनीकों को अपनाना अनिवार्य है। उन्होंने हरित एवं स्वच्छ झारखंड के लक्ष्य को साकार करने के लिए कचरा प्रबंधन की आधुनिक प्रक्रिया अपनाने पर बल दिया।

इनकी भी रही उपस्थिति

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव, डिप्टी डायरेक्टर पीटीआर ब्रजेश कांत जेना, उपविकास आयुक्त सुरजीत कुमार सिंह, परियोजना निदेशक आईटीडीए प्रवीण कुमार गागराई, अपर समाहर्ता रामा रविदास, जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अलका हेम्ब्रम, उपनिर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, कार्यपालक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता दीपक महतो, गोपनीय पदाधिकारी श्रेयांस सहित अन्य उपस्थित थे।

दो युवकों की हत्या जंगल में मिले शव

PALAMU : पलामू जिले के मनातू थाना क्षेत्र में दो युवकों की हत्या कर दी गई। उनके शव रजखेता जंगल के अमलाटोली से बरामद किए गए। दोनों के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं। एक युवक की पहचान इसी थाना क्षेत्र के चुनका निवासी दिनेश यादव के रूप में हुई है। दूसरे की पहचान के लिए जांच तेज की गयी है। घटनास्थल से राइफल का टूटा हुआ एक बट मिला है। पुलिस के अनुसार गांव की एक महिला लकड़ी लेने के लिए जंगल में गयी थी। उसने दोनों युवकों के शव देखकर गांववालों को जानकारी दी। बाद में सूचना मिली तो घटनास्थल पर जाकर जांच की गयी। मौके से राइफल बंदूक का टूटा हुआ एक बट मिला है। एक युवक के पीठ पर बैग टंगा हुआ मिला है। फिलहाल जांच की जा रही है। जिले की एसपी रीष्मा रमेशन ने बताया कि एक की पहचान हो गई है, जबकि दूसरे की पहचान नहीं हो पाई है।

BRIEF NEWS

23 को होगी राजद विधायक दल की बैठक

RANCHI : प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के विधायक दल की बैठक 23 फरवरी को होगी। यह बैठक हरमू बाईपास रोड स्थित पार्टी के प्रदेश मुख्यालय में शाम चार बजे से होगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि राजद विधायक दल की अध्यक्षता राजद विधायक दल के नेता सुरेश पासवान करेंगे। उन्होंने बताया कि बैठक में राज्य सरकार के कामकाज, राज्य में संगठन के विस्तार और इसकी मजबूती समेत अन्य कई मुद्दों पर चर्चा होगी। बैठक में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक संजय कुमार सिंह यादव, मंत्री संजय प्रसाद यादव और विधायक नरेश सिंह समेत पार्टी के अन्य वरीय नेता उपस्थित रहेंगे।

मैराथन बैठक करने 21 को रांची आएंगे कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी

RANCHI : झारखंड कांग्रेस के नवनियुक्त प्रभारी के. राजू पांच दिवसीय प्रवास कार्यक्रम के तहत 21 फरवरी को राजधानी रांची पहुंचेंगे। वह दोपहर दो बजे से रांची स्थित प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन के सशक्तिकरण पर विचार-विमर्श करेंगे। इसके बाद वे 22 फरवरी को रांची से चाईबासा के लिए प्रस्थान करेंगे, जहां सुबह 11 बजे चाईबासा, सरायकेला, पूर्वी सिंहभूम जिला कांग्रेस कमिटी के जिलाध्यक्ष, प्रखंड अध्यक्ष और मंडल अध्यक्षों के साथ बैठक कर संगठन की ताजा स्थिति से अवगत होंगे।

खतियान विसंगति से परेशान चिक बड़ाइक समाज, समाधान की मांग

RANCHI : बुधवार को चिक बड़ाइक समन्वय समिति के एक शिष्टमंडल ने राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से राजभवन में मुलाकात की और खतियान में नाम दर्जीकरण की विसंगति को लेकर अपनी समस्या रखी। शिष्टमंडल ने राज्यपाल को बताया कि कहीं चिक, कहीं बड़ाइक और कहीं चिक बड़ाइक दर्ज है, जबकि ये तीनों एक ही समुदाय से संबंधित हैं। उन्होंने कहा कि चिक बड़ाइक को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल किया गया है, लेकिन इस भ्रम की वजह से खतियान में समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, जिससे भूमि सुरक्षा प्रभावित हो रही है।समिति ने राज्यपाल से इस विसंगति को दूर करने और जरूरी पहल करने का अनुरोध किया।

टेक्निकल छात्र संघ ने की प्रौद्योगिकी विवि के प्रभारी कुलसचिव से मुलाकात

RANCHI : बुधवार को टेक्निकल छात्र संघ का एक प्रतिनिधिमंडल अभिषेक बनर्जी की अध्यक्षता में झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलसचिव निशांत कुमार से मिला। इस दौरान विश्वविद्यालय के करिकुलम डायरेक्टर स्नेह भी मौजूद थे। प्रतिनिधिमंडल ने प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में छह माह विलंब से चल रही एमबीए, एमटेक, बीटेक की परीक्षाओं के बारे में अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि विश्वविद्यालय में कोई काम नहीं हो रहा है। बीटेक छठे सेमेस्टर की परीक्षा अगस्त में ही हुई है, लेकिन अब तक रिजल्ट नहीं आया है। उन्होंने कहा कि दो दिनों पूर्व सातवें सेमेस्टर की परीक्षा का फॉर्म भरने की तिथि घोषित कर दी गई है।

होली पर कवि सम्मेलन हास्य, व्यंग्य और वीर रस की होगी बौछार

RANCHI : राजधानी रांची में हर साल होली के अवसर पर हास्य कवि सम्मेलन का आयोजन करने वाली समिति इस वर्ष भी काव्य रसिकों के लिए विशेष आयोजन कर रही है। 12 मार्च को रात 9 बजे हरमू रोड स्थित मारवाड़ी भवन में हास्य, व्यंग्य, श्रृंगार और वीर रस की कविताओं का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में समिति के मुख्य संयोजक सुरेश चंद्र अग्रवाल ने बताया कि इस कवि सम्मेलन में प्रसिद्ध कवि जानी बैरागी, सुनील पाल, भुवन मोहिनी, रमेश मुस्कान, गौरव चौहान और शशिकांत यादव सहित कई कवि रात भर लोगों को अपने हास्य व्यंग, वीर रस तथा श्रृंगार रस की कविताओं से गुदगुदाएंगे।

AFFIDAVIT

मैं मनती देवी, पति चन्द्र शेखर आजाद, निवासी राम नगर साउथ रेलवे कॉलोनी चुटिया, थाना–चुटिया, जिला – रांची,झारखंड, घोषणा करती हूं कि मेरा आधार नंबर 7033 9850 2479 में मेरा नाम श्रीमतीदेवी पति चन्द्रशेखर पासवान, पता–लवाईच धनरुआ, पटना बिहार का उल्लेख है जो कि गलत है। मेरा सही नाम मनती देवी पति चन्द्रशेखर आजाद, पता–ऊपर में उल्लेखित है। शपथ पत्र नं. 03875, दिनांक 04/10/24 सभी कार्यों के लिए।

190 करोड़ के माइंस घोटाले का मामला, ईडी ने भी की थी एफआईआर

सीबीआई कोर्ट में उषा मार्टिन के एमडी राजीव झंवर ने किया सरेंडर

- उषा मार्टिन पर घाटकुरी माइंस से लीज से अधिक आयरन ओर खनन करने का है आरोप
- पासपोर्ट जमा करने और 50-50 हजार के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर मिली बेल
- ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए प्रस्तुत याचिका को हाईकोर्ट ने कर दिया था खारिज

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को सीबीआई की विशेष अदालत में मनी लॉन्ड्रिंग और माइंस घोटाले के आरोपी उषा मार्टिन के एमडी राजीव झंवर सरेंडर कर दिया। ईसके बाद कोर्ट ने उन्हें पासपोर्ट जमा करने और 50-50 हजार के दो निजी मुचलके भरने की शर्त पर बेल की सुविधा प्रदान कर दी। इससे पहले राजीव झंवर ने ट्रायल कोर्ट में व्यक्तिगत पेशी से छूट के लिए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी, जिसे हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था। दरअसल प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई ने उषा मार्टिन के खिलाफ 190 करोड़ रुपये से जुड़े आयरन ओर केस में चार्जशीट दायर की है। उषा मार्टिन ग्रुप और उसके अधिकारियों के खिलाफ आयरन ओर की खदान में गड़बड़ी करने को लेकर शुरूआत में सीबीआई ने केस दर्ज किया था। इसे टेकओवर करते हुए दो अक्तूबर 2021 को ईडी ने भी प्राथमिकी दर्ज की थी। यह केस घाटकुरी माइंस में लीज से ज्यादा आयरन ओर के खनन से जुड़ा है। इसी मामले में उषा मार्टिन के जीएम प्रमोद कुमार फतेपुरिया समेत अन्य लोग आरोपी हैं।

11 फरवरी को कोर्ट ने इस मामले में आरोपी को ठहराया था दोषी

नाबालिग साली से दुष्कर्म करने वाले जीजा को 20 साल कैद की मिली सजा, 10 हजार का जुर्माना

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को पॉक्सो मामले के विशेष न्यायाधीश आसिफ इकबाल की अदालत ने नाबालिग साली से रेप करने के मामले में दोषी करार जीजा अनिल एक्का को 20 साल कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने उस पर 10 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। जुमार्ना नहीं देने पर अतिरिक्त 6 माह जेल काटनी होगी। दोषी जीजा पर साल 2019 में यह केस दर्ज करवाया गया था। अब उसे जिंदगी के अगले 20 साल जेल में काटने होंगे। रांची की पॉक्सो मामले के न्यायाधीश ने साली से रेप करने के आरोप में 11 फरवरी को दोषी करार दिया था। पीड़िता 6 बहनों में सबसे छोटी थी। जबकि, दुष्कर्म का दोषी अनिल एक्का पीड़िता की बड़ी बहन का पति है। घटना को लेकर साल 2019 में चान्हो थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इसमें कहा गया है कि 28 जून 2019 को अभियुक्त ने पीड़िता को नामांकन कराने के लिए स्कूल लेकर गया। लौटने के दौरान बाइक खराब होने की बात बोलकर नाबालिग को पैदल ही खेत के रास्ते घर ले जाने लगा था। सुनसान जगह देखकर शराब के नशे में धुत जीजा ने उसके साथ दुष्कर्म की घटना का अंजाम दिया था। नाबालिग ने घटना की जानकारी अपनी बुआ को दी। इसके बाद मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। मामले में सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष की ओर से ठोस गवाही दर्ज कराई गई थी। इस मामले में पीड़िता को न्याय मिल गया। कोर्ट ने दोषी जीजा को 20 साल की सजा सुना दी है।

साल 2019 में चान्हो थाना में दर्ज कराई गई थी नामजद प्राथमिकी

हार्ड एक्शन लेने की तैयारी में निगम, 73 बड़े बकाएदारों को 3 दिनों का अल्टीमेटम

PHOTON NEWS RANCHI : रांची नगर निगम ने राजस्व वसूली अभियान को तेज करते हुए 73 बड़े बकाएदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की योजना बनाई है। ये बकाएदार अब तक नगर निगम द्वारा दिए गए कई नोटिसों के बावजूद अपने होल्डिंग टैक्स का भुगतान नहीं कर रहे हैं। इन बकाएदारों पर कुल 2.33 करोड़ का बकाया है, जो नगर निगम के राजस्व को प्रभावित कर रहा है। बता दें कि पहले भी नगर निगम द्वारा 100 प्रमुख बकाएदारों को नोटिस भेजकर बकाया कर का भुगतान करने की चेतावनी दी गई थी। इसके अलावा, निगम के टैक्स कलेक्टर और अधिकृत एजेंसियां भी इन बकाएदारों से संपर्क कर उन्हें कर जमा करने के लिए प्रेरित कर चुकी हैं। लेकिन 73 बकाएदारों ने अब तक कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया है। बकाएदारों की लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए, रांची नगर निगम ने 20 फरवरी को इन सभी 73 बकाएदारों को अंतिम नोटिस भेजने का निर्णय लिया है। निगम ने स्पष्ट किया है कि यदि 23 फरवरी तक बकाया कर का भुगतान नहीं किया जाता है, तो इन बकाएदारों की नागरिक सुविधाएं अस्थायी रूप से निलंबित कर दी जाएंगी। इनमें कचरा संग्रहण सेवा और जलापूर्ति जैसी महत्वपूर्ण म्युनिसिपल सेवाएं शामिल हैं। यह कार्रवाई झारखंड नगरपालिका (संशोधन) अधिनियम, 2021 की धारा 11 (14) (6) के तहत की जा रही है, जो नगर निगम को यह अधिकार प्रदान करती है कि वह बकाया कर का भुगतान न करने पर नागरिक सुविधाएं निलंबित कर सके। नगर निगम ने सभी करदाताओं से अपील की है कि वे इस अंतिम चेतावनी को गंभीरता से लें और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने बकाए करों का भुगतान करें, ताकि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बच सकें।

- नोटिस देने के बावजूद बकाया होल्डिंग टैक्स भरने में नहीं दिखा जा रहा इंटरेस्ट
- 23 फरवरी तक नहीं हुआ पेमेंट तो नागरिक सुविधाएं अस्थायी रूप से कर दी जाएंगी निलंबित

झारखंडवासियों के लिए की मंगल कामना

बाबूलाल मरांडी ने संगम में लगाई आस्था की डुबकी

PHOTON NEWS RANCHI : उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में दिव्य और भव्य महाकुंभ में श्रद्धालुओं की भीड़ लगातार आ रही है। बड़ी संख्या में श्रद्धालु संगम में स्नान कर रहे हैं। इसी बीच भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने बुधवार को प्रयागराज महाकुंभ में संगम तट पर आस्था और श्रद्धा की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में लोग जाति और धर्म से ऊपर उठकर पवित्र संगम में डुबकी लगा रहे हैं। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि महाकुंभ में सबसे ज्यादा देश भर से युवा पूरे उत्साह के साथ डुबकी लगाने पहुंच रहे हैं, जो सुखद है। इस मौके पर उन्होंने समस्त झारखंड वासियों के लिए मंगल कामना की।वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा, आज प्रयागराज के पवित्र महाकुंभ में त्रिवेणी संगम तट पर पुण्य स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मां गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम में डुबकी लगाकर अपार आध्यात्मिक शांति और ऊर्जा की अनुभूति हुई। महाकुंभ का यह दिव्य वातावरण, संत महात्माओं के दर्शन और श्रद्धालुओं की आस्था वास्तव में अद्भुत और अलौकिक है।

अफीम की खेती नष्ट करने के लिए मुख्य सचिव कल करेंगी समीक्षा बैठक

RANCHI : झारखंड में अफीम की खेती नष्ट करने के लिए मुख्य सचिव 21 फरवरी को प्रोजेक्ट भवन में एक समीक्षा बैठक करेंगी। इस बैठक में डीजीपी अनुराग गुप्ता, प्रधान वन मुख्य संरक्षक, सीआईडी के आईजी शामिल होंगे। वहीं चतरा, पलामू, चाईबासा, हजारीबाग, लातेहार, खूंटी, रांची और सरायकेला जिले के एसएसपी के साथ-साथ वन प्रमंडल पदाधिकारी भी शामिल होंगे। उल्लेखनीय है कि राज्य के अलग-अलग जिलों में अफीम की खेती को खत्म करने के लिए डीजीपी के निर्देश पर बड़े पैमाने पर अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान पुलिस ने हजारों एकड़ में लगी अफीम की खेती को नष्ट किया है। इसके अलावा, जमीन मालिकों और रैयतों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का भी आदेश दिया गया है। डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि अगर किसी पुलिस अधिकारी की अफीम की खेती में तस्करों के साथ संलिप्तता पायी गयी, तो उसे नौकरी से बर्खास्त कर दिया जायेगा। साथ ही वैसे पुलिसकर्मियों को सीधे जेल भेजा जाएगा।

सभी पुलिस कर्मियों के लिए ड्रेस कोड को लेकर जारी किया आदेश

डीजीपी अनुराग गुप्ता का कड़ा रुख : पुलिस वर्दी के साथ रंग-बिरंगे कपड़े पहनने पर लगाई रोक

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के पुलिस कर्मियों के लिए ड्रेस कोड के मामले में डीजीपी अनुराग गुप्ता ने सख्ती दिखाई है। सभी पुलिस अफसरों और कर्मियों के ड्रेस कोड को लेकर आदेश जारी किए हैं। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि कोई भी पुलिस अफसर और कर्मी वर्दी के साथ रंग-बिरंगे स्वेटर या जैकेट न पहनें, बल्कि वर्दी के साथ पुलिस सिर्फ और सिर्फ निर्धारित खाकी रंग का ऊनी स्वेटर और जैकेट ही पहनें। डीजीपी की ओर से जारी आदेश में यह बताया गया है कि पुलिस पदाधिकारी और कर्मी सर्दी के मौसम में वर्दी के साथ रंग-बिरंगे स्वेटर या जैकेट के बजाय सिर्फ निर्धारित खाकी रंग का ऊनी स्वेटर, जैकेट पहनेंगे। इसके साथ ही जैकेट के ऊपर उनके पद के अनुरूप बैच भी लगा होना चाहिए। डीजीपी ने आदेश दिया है कि सभी जिलों के एसपी, समादेष्टा, इकाइयों के प्रधान निर्धारित परिधान का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। आदेश नहीं मानने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई का आदेश डीजीपी ने दिया है।

सख्ती से आदेश का करना होगा पालन, उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

वर्दी पर नेम प्लेट होना अनिवार्य

डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि झारखंड पुलिस ड्रेस कोड को लेकर आदेश जारी किए गए हैं। पुलिसकर्मियों को वर्दी के साथ सिर्फ खाकी रंग के ड्रेस पहनने हैं। ड्यूटी के दौरान वर्दी पहनना और उसमें अपना नेम प्लेट लगाना भी अनिवार्य है। खासकर पब्लिक डीलिंग के समय। आम लोगों को यह जानना जरूरी है कि जो व्यक्ति उनके पास आया है, वह पुलिस के किस इकाई से है और उसका नाम क्या है। बता दें कि इससे पूर्व पुलिस अफसरों और कर्मियों के लिए वर्दी पर नेम प्लेट लगाना भी डीजीपी द्वारा अनिवार्य किया गया है।

सोशल मीडिया पर रंग-बिरंगे कपड़ों में दिखे पुलिसवाले

डीजीपी के आदेश में यह भी जिक्र है कि झारखंड के भ्रमण के दौरान और सोशल मीडिया पर प्रसारित तस्वीरों में देखा गया है कि पुलिसकर्मी वर्दी के साथ अलग-अलग रंग के स्वेटर, जैकेट और जूते पहन रहे हैं जो पूर्णतः अनुचित है। डीजीपी ने आदेश में लिखा है कि राज्य सरकार द्वारा पुलिस कर्मियों को वार्षिक वर्दी भत्ता दिया जा रहा है। इसके बावजूद पुलिसकर्मी निर्धारित परिधान का उपयोग नहीं कर रहे हैं।

'पहला कदम' दिव्यांग स्कूल के दल से मिलने के बाद बोले राज्यपाल संतोष गंगवार

दिव्यांगजनों के उत्थान में निभाएं सक्रिय भूमिका

PHOTON NEWS RANCHI : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से बुधवार को धनबाद स्थित 'पहला कदम' दिव्यांग स्कूल के छात्र और विद्यालय परिवार के सदस्य राजभवन में मिले। इस अवसर पर राज्यपाल ने विद्यालय के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि वे पहले ही इस संस्थान का भ्रमण कर चुके हैं और इसके कार्यों से प्रभावित हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार दिव्यांगों के सशक्तिकरण और समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से उन्हें दिव्यांग संबोधित किया गया, जो दिव्यांगजनों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। राज्यपाल ने युवाओं का आह्वान किया कि वे दिव्यांगजनों के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाएं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों में सहयोग करें। वहीं विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि यह संस्थान मात्र दो बच्चों के साथ शुरू हुआ था और आज यह दिव्यांग बच्चों को विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से स्वावलंबी बनाने का काम कर रहा है। विद्यालय के छात्र राष्ट्रीय और राज्य स्तर की विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। इस अवसर पर बच्चों ने झारखंड के लोकगीत पर नृत्य भी प्रस्तुत किया, जिसे सभी ने सराहना की।

दो बच्चे गायब, अपहरण की एफआईआर दर्ज

RANCHI : जगन्नाथपुर बड़झोपड़ी के रहने वाले भाई और बहन गायब हैं। परिजनों ने दोनों के अपहरण की प्राथमिकी जगन्नाथपुर थाने में दर्ज कराई है। पिता बितना कुमार ने पुलिस को बताया कि उनके चार वर्षीय पुत्र और छह वर्षीय पुत्री टोपी खरीदने के लिए दस फरवरी को जगन्नाथपुर चौक गई थी। देर शाम तक दोनों नहीं लौटे तो परिजनों ने खोजबीन शुरू की। मगर, दोनों का कुछ पता नहीं चला। इसके बाद वे थाना पहुंचे और मामला दर्ज कराया।

युवती से मोबाइल छीनकर फरार हुए अपराधी, एफआईआर दर्ज

PHOTON NEWS RANCHI : चुटिया ऑक्सफोर्ड स्कूल के समीप रहने वाली भारती कुमारी से बाइक सवार अपराधियों ने मोबाइल छीनकर फरार हो गए। भारती कुमारी ने चुटिया थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। भारती कुमारी ने पुलिस को बताया कि वह रोस्पा टावर से घर जा रही थी। एक स्कूल के पास बाइक सवार दो अपराधी पहुंचे और उनके हाथ से मोबाइल छीना और बहुबाजार की तरफ भाग निकले। घटना के बाद वह सीधे चुटिया थाने पहुंची और मामला दर्ज कराया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस की टीम उस इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरा से घटना का फुटेज निकाल रही है।

दो हिस्सों में बांटा गया रांची विद्युत एरिया बोर्ड

जेबीवीएनएल के क्षेत्र में सरकार ने किया बड़ा बदलाव

- बढ़ती आबादी और बिजली उपभोक्ताओं की संख्या को देखते हुए किया गया फैसला

PHOTON NEWS RANCHI : हेमंत सरकार ने आवश्यकता को देखते हुए झारखंड बिजली वितरण निगम लिमिटेड (जेबीवीएनएल) के क्षेत्र में बड़ा बदलाव किया है। बढ़ती आबादी और बिजली उपभोक्ताओं की संख्या को देखते हुए क्षेत्र को छोटा किया गया है। रांची विद्युत एरिया बोर्ड को दो हिस्सों में बांटा गया है। रांची से काट कर गुमला को अलग विद्युत आपूर्ति क्षेत्र बनाया गया है। वहीं, रांची में भी अब दो अधीक्षण अभियंता होंगे। इसे भी दो सर्किल में बांटा गया है।

रांची से काट कर गुमला को बनाया गया अलग विद्युत आपूर्ति क्षेत्र

काम की अधिकता को देखते हुए 64 नए पदों को किया गया सृजित

6 हो गए कार्यकारी निदेशकों के पद

काम की अधिकता को ध्यान में रखकर मुख्यालय से लेकर क्षेत्रीय स्तर पर नए पदों का सृजन किया गया है। इसमें कार्यकारी निदेशक के तीन नए पद सृजित किए गए हैं। अब कुल छह कार्यकारी निदेशक होंगे। महाप्रबंधक तकनीकी 16 की जगह 27 होंगे। महाप्रबंधक सीजीआरएफ के 11 नये पद सृजित किये गये हैं।

मॉनिटरिंग के काम में होगी आसानी

विद्युत आपूर्ति अंचल रांची-1 और रांची-2 में बांटा गया है। 64 नए पद भी सृजित किए गए हैं। हर काम के लिए अलग-अलग पदाधिकारी होंगे, ताकि ज्यादा से ज्यादा मॉनिटरिंग हो सके। इधर, हजारीबाग एरिया बोर्ड से अलग कर कोडरमा एरिया बोर्ड बनाया गया है। हजारीबाग में रामगढ़ सर्किल रहेगा। जबकि, कोडरमा में केवल कोडरमा सर्किल रहेगा। वहीं, साहिबगंज एरिया बोर्ड का नव सृजन किया गया है।

डीसी ने की कई विभागों के कार्यों की समीक्षा, लक्ष्य पूरा करने का दिया निर्देश

ड्यूटी में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरती गई तो की जाएगी कड़ी कार्रवाई

PHOTON NEWS RANCHI : बुधवार को डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की। यह बैठक समाहरणालय स्थित उपायुक्त सभागार में आयोजित की गई, जिसमें उपविकास आयुक्त दिनेश कुमार यादव, अपर समाहर्ता राम नारायण सिंह, सहायक समाहर्त्ता सह सहायक जिलाधिकारी आदित्य पांडेय, अपर जिला दंडाधिकारी विधि-व्यवस्था राजेश्वरनाथ आलोक और संबंधित विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे। इस दौरान जिले में पेयजल और स्वच्छता, राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार, झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग और नगर विकास विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की। राजस्व विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने खनन पट्टों पर मुद्रांक शुल्क और निबंधन शुल्क के भुगतान में विभागीय दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके अलावा जाली मुद्रांक के विक्रय पर रोक लगाने के लिए औचक सत्यापन की कार्रवाई करने का आदेश भी दिया।

समाचार सार

अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष आंदोलनकारी चिह्नित

JAMSHEDPUR : झारखंड राज्य अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष सरदार ज्योति सिंह मठारू बुधवार को रांची में बमार्माइंस गुरुद्वारा कमेटी की ओर से सम्मानित किए गए। सरदार सतबीर सिंह सोमु ने बताया कि सरदार ज्योति सिंह मठारू को झारखंड सरकार ने आंदोलनकारी के रूप में चिह्नित किया है, यह पूरे राज्य के सिखों के लिए गौरव का विषय है। झारखंड का सिख समाज मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार प्रकट करता है। अलग राज्य आंदोलन में भाग लेकर और जोखिम लेकर ज्योति सिंह मठारू ने सिखों को गौरवान्वित होने का मौका दिया है। इस मौके पर कमेटी के सरदार सुखपाल सिंह, हरभजन सिंह, दलविंदर सिंह आदि भी उपस्थित थे।

दाहीगोड़ा हनुमान मंदिर का मना वार्षिकोत्सव

GHATSILA : श्रीश्री हनुमान मंदिर, दाहीगोड़ा का 33वां वार्षिकोत्सव बुधवार से प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में हवन, रामायण पाठ, भजन-कीर्तन सहित विभिन्न अनुष्ठान किए जा रहे हैं। सुबह 6 बजे ईष्टदेव की पूजा, आरती, रामायण पूजन और कलश स्थापना के साथ कार्यक्रम की शुरूआत हुई। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पुजारी सच्चिदानंद पांडेय व प्रशांत पांडेय ने पूजन कराया। इसके बाद सुबह 10 बजे से अखंड रामायण पाठ प्रारंभ हुआ, जो गुरुवार तक जारी रहेगा। संध्या 6 बजे भक्तों ने आरती में भाग लिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन गुरुवार को सुबह 7 बजे पूजा-अर्चना और आरती के साथ रामायण पाठ का समापन होगा। इसके पश्चात सामूहिक हवन, आरती और प्रसाद वितरण होगा। संध्या 6 बजे की आरती के बाद शाम 7.30 बजे से भजन संध्या होगी।

मंत्री ने किया पंचायत ज्ञान केंद्र का उद्घाटन

GHATSILA : पूर्वी सिंहभूम जिला अंतर्गत घाटशिला प्रखंड के गोपालपुर पंचायत सचिवालय में बुधवार को पंचायत ज्ञान केंद्र का उद्घाटन शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने किया। अपने संबोधन में मंत्री ने कहा कि झारखंड सरकार पंचायत स्तर पर ज्ञान केंद्र की स्थापना कर लोगों को पढ़ने के लिए पुस्तक उपलब्ध कराई है। इसके साथ ही ऑनलाइन पढ़ाई के लिए दो कंप्यूटर भी दिए गए हैं। इससे केंद्र में ऑफलाइन व ऑनलाइन पढ़ाई की जा सकती है। अब तक घाटशिला प्रखंड के 14 पंचायत में ज्ञान केंद्र की शुरूआत हो गई है। इस मौके पर एसडीओ सुनील चंद्र, एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर, बीडीओ युनिका शर्मा, थाना प्रभारी मधुसूदन दे सहित झामुमो के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

धरमबहाल में वित्तीय वर्ष को लेकर हुई आम सभा

GHATSILA : घाटशिला अनुमंडल के धरमबहाल पंचायत सचिवालय में बुधवार को वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आम सभा हुई। इसमें पंचायत के लिए जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रस्ताव लिया गया। बैठक में प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी धरमू उरांव भी शामिल थे। इसमें वार्ड सदस्यों ने सड़क, नाली, लाइट, तालाब जीर्णोद्धार, चापाकल मरम्मत, नया चापाकल लगाने सहित लगभग 250 योजना की सूची मुखिया बनाव मुर्मू को सौंपी। मुखिया ने बताया कि आवंटन के अनुसार प्राथमिकता के आधार पर योजनाओं का चयन किया जाएगा। आमसभा में पंचायत समिति सदस्य उषा रानी टुडू, उपमुखिया मोना दास, वार्ड सदस्य सुनीता दलाई, ग्रामीण बृजेश सिंह, गोपाल शर्मा, अजय राज सहित अन्य उपस्थित थे।

सेरसा चक्रधरपुर फाइनल में पहुंचा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला क्रिकेट संघ के तत्वावधान में चल रही 32वीं बीएल नेवटिया टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में बुधवार को बड़ा उलटफेर हुआ। बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम खेले गए पहले सेमीफाइनल मैच में सेरसा चक्रधरपुर ने लारसन क्लब चाईबासा को नौ विकेट से पराजित कर फाइनल में स्थान पक्का कर लिया। अब फाइनल में इसका मुकाबला गुरुवार को एसआर रुंगटा ग्रुप व प्रताप क्रिकेट क्लब के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से रविवार 23 फरवरी को होगा।

भूमि विवाद के 3 मामलों का निष्पादन

GHATSILA : घाटशिला थाना परिसर में बुधवार को भूमि विवाद समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें घाटशिला थाना क्षेत्र अंतर्गत भूमि विवाद के 5 मामले रखे गए। 3 मामले का निष्पादन किया गया, जबकि 2 मामले में जमीन का सीमांकन करने के बाद निष्पादन करने की बात कही गई। कार्यक्रम में अंचलाधिकारी निशांत अंबर, थाना प्रभारी मधुसुदन दे, सीआई सुरेश राम, कर्मचारी किशन राय, राजकुमार प्रसाद, अमीन सुरेश रजक आदि भी शामिल थे।

पूर्व विधायक केदार दास को दी गई श्रद्धांजलि

JAMSHEDPUR : एटक, कोल्हान प्रमंडल ने बुधवार को मजदूर नेता व पूर्व विधायक केदार दास की पुण्यतिथि मनाई। साकची गोलचक्कर, में आयोजित स्मृति सभा की अध्यक्षता कोल्हान प्रमंडल के संरक्षक बीएन सिंह ने की। इस दौरान अंबुज ठाकुर के नेतृत्व में संगठन के सदस्यों ने झंडे और नारे के साथ सरकार बिल्डिंग के नीचे स्थित स्मारक स्थल पर श्रद्धांजलि दी। स्मृति सभा का संचालन एटक के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हीरा अरकने ने किया।

प्रयागराज से लौट रहे युवक की मौत

JAMSHEDPUR : मानगो स्थित हिल व्यू कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय सुशांत ओझा का बुधवार को महाकुंभ से लौटते समय सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। बताया जाता है कुंभ स्नान करके सुशांत अपने माता-पिता के साथ जमशेदपुर लौट रहे थे। सुबह में औरंगाबाद में खड़े ट्रेलर में धक्का लगने से मौके पर ही मौत हो गई। पूर्व भाजपा नेता विकास सिंह ने मामले की जानकारी पुलिस अधीक्षक कौशल किशोर को दी है। सुशांत की बहुत जल्द शादी होने वाली थी।

धतकीडीह में दिनदहाड़े एक युवक पर फायरिंग, खूब हुआ हंगामा

सिर और सीने में लगी हैं गोलियां, टीएमएच में किया गया भर्ती, हालत नाजुक

- धतकीडीह मेडिकल बस्ती में परिजनों व शुभचिंतकों ने जमकर किया बवाल

PHOTON NEWS JSR : बिष्टुपुर थाना क्षेत्र के धतकीडीह में बुधवार को एक युवक पर ताबड़तोड़ गोलियां मारी गई हैं। जिसे गोली मारी गई है, उसका नाम शिवम घोष है। बताते हैं कि घटना को अंजाम देने के बाद बदमाश आराम से फरार हो गए। आसपास मौजूद लोग फौरन शिवम को लेकर टीएमएच गए। यहां डॉक्टरों ने उसका इलाज शुरू कर दिया है। बस्ती वासियों ने घटना के बाद हंगामा कर दिया है। बताते हैं कि शिवम सत्तू लेने धतकीडीह गया था। तभी ऊषा इंटरप्राइजेज नामक दुकान के सामने एक सैलून के पास खड़ा था। तभी उसे गोली मार दी गई। पुलिस को घटना का सीसीटीवी फुटेज मिल गया है। गोली मारने वाले हमलावर स्कूटी पर आए थे। इनकी संख्या तीन बताई जा रही है। आसपास मौजूद लोगों ने हमलावरों को पहचान लिया है।

घटनास्थल पर जुटी भीड़ ● फोटोन न्यूज

चाची की हत्या के मामले में गया था जेल

शिवम घोष मुन्ना घोष का बेटा है। वह धतकीडीह मेडिकल बस्ती का रहने वाला है। शिवम घोष भी अपराधी है। वह अपनी चाची की हत्या के मामले में जेल जा चुका था। बताते हैं कि शिवम घोष पर गोली चलाने वाले बदमाश बाइक पर आए। हमलावरों की संख्या दो बताई जा रही है। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई है।

महीना भर पहले युवकों से हुआ था विवाद

बताते हैं कि जिन युवकों ने शिवम पर गोली चलाई है उनसे शिवक का महीना भर पहले किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। परिजनों को आशंका है कि इसी विवाद के बाद उस पर गोली चलाई गई है। युवक को एक गोली उसके सिर में लगी है। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। आईसीयू में उसका इलाज चल रहा है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। कुछ लोग बता रहे हैं कि शिवम की मौत हो गई है लेकिन पुलिस हंगामे के डर से इस बात का खुलासा नहीं कर रही है।

ट्रेलर ने कार को मारी टक्कर, चालक घायल

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के तमकपाल गांव के समीप एनएच-18 पर बुधवार को ट्रेलर ने कार को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घाटशिला थाना की हाईवे पेट्रोल वाहन की पुलिस ने घायल को अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया। वहां चिकित्सक डॉ. आरएन टुडू ने प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल जमशेदपुर रेफर कर दिया। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि घायल चालक नरेंद्र सिंह (26) जमशेदपुर के साकची गुरुद्वारा बस्ती का रहने वाला है। पुलिस ने ट्रेलर व कार को जब्त कर लिया है।

जुबिली पार्क के गेट कल से होंगे बंद

जेएन टाटा की जयंती को लेकर जोर-शोर से हो रही सज्जा

PHOTON NEWS JSR : टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा की जयंती को लेकर तैयारी तेज हो गई है। इसके लिए जुबिली पार्क की सजावट भी जोर-शोर से हो रही है। इसके लिए टाटा स्टील यूआईएसएल (पूर्व नाम जुस्को) ने तैयारी को अंतिम रूप देने के लिए 21 फरवरी से जुबिली पार्क में सभी तरह के आवागमन पर रोक लगाने की घोषणा की है। पार्क के गेट सामान्य वाहनों के लिए 7 मार्च तक बंद रखे जाएंगे। इस दौरान शहरवासी पूर्व की भांति अपने वाहन लेकर जुबिली पार्क में प्रवेश नहीं कर सकेंगे। पार्क के साकची व बिष्टुपुर, दोनों गेट बंद रहेंगे। ज्यादातर स्कूलों में परीक्षाएं खत्म हो गई हैं, इसलिए अभिभावकों को अधिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। लेकिन, जो लोग पार्क से होकर सोनारी से साकची और साकची से सोनारी आवागमन करते हैं, उन्हें थोड़ी बहुत परेशानी होगी। उन्हें अब कीनन स्टेडियम या मेरीन ड्राइव के रास्ते से आवागमन करना होगा। गौरतलब है कि टाटा स्टील के संस्थापक जमशेदजी नसरवानजी टाटा की जयंती 3 मार्च को धूमधाम से मनाई जाती है। इस मौके पर जुबिली पार्क में बेजोड़ लाइटिंग की जाती है। केक कटिंग होती है। पार्क स्थित जेएन टाटा की आदकमद मूर्ति पर माल्यार्पण किया जाता है। संस्थापक दिवस के इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए टाटा स्टील समेत टाटा समूह के बड़े अधिकारी मुंबई से आते हैं। जुबिली पार्क में पेड़ों पर भी लाइटिंग की जा रही है। पार्क के बीच से गुजरने वाली सड़क के दोनों तरफ करीब दो माह पूर्व बांस से बैरिकेडिंग कर दी गई है।

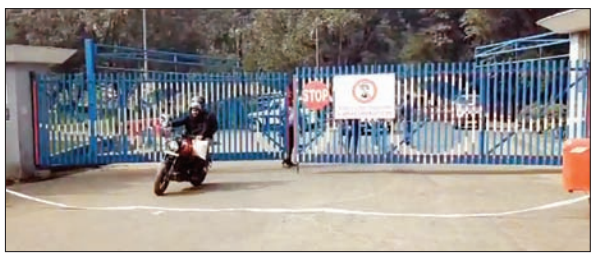

जुबिली पार्क के बंद गेट की फाइल फोटो ● फोटोन न्यूज

जैम एट स्ट्रीट में 23 को टिनप्लेट में मचेगा धमाल

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील यूआईएसएल व टाटा पावर, जोजोबेड़ा के सहयोग से जैम एट स्ट्रीट का आयोजन आगामी रविवार को टिनप्लेट में होगा। बहुप्रतीक्षित कार्यक्रम रविवार को सुबह 6.30 बजे से टिनप्लेट काली मंदिर गोलचक्कर से नीलडीह ट्रैफिक सिग्नल तक होगा। इस दौरान बैडमिंटन, जुम्बा वर्कआउट और कार्यक्रम में स्वादिष्ट स्वस्थ भोजन भी मिलेंगे। अलग-अलग रुचियों के अनुरूप कई तरह की गतिविधियां होगी। आप फि टनेस के शौकीन हैं, कला प्रेमी या एक ऐसा परिवार जो मौज-मस्ती के लिए बाहर जाना चाहता है, जैम एट स्ट्रीट में सभी के लिए कुछ न कुछ रहेगा। लाइव म्यूजिक से लेकर रोमांचक बास्केटबॉल और कराटे प्रदर्शन, साहसिक खेलों में भी भाग ले सकते हैं। इसमें पेंटिंग व टैटू मेकिंग का भी मौका मिलेगा। जैम एट स्ट्रीट में भागीदारी निशुल्क है।

जल की महत्ता समझें जागरूक बनें : सांसद

कार्यशाला को संबोधित करतीं सांसद जोबा मांझी ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : प्रदान संस्था के तत्वावधान में बुधवार को नगर परिषद कार्यालय स्थित विवाह भवन में जल संवाद नेटवर्क और गठबंधन विषय पर कार्यशाला हुई। इसमें मुख्य अतिथि सांसद जोबा मांझी ने कहा कि जीवन में जल की क्या अहमियत है, यह किसी को बताने की जरूरत नहीं है। जल के बिना जीवन अधूरा है। लेकिन प्रकृति के इस अनमोल वरदान के प्रति हम कितने गंभीर हैं, इस पर चिंतन होना चाहिए। सांसद ने कहा आए दिन गांव या शहर में जल की बबार्दी होते देखी जाती है। उन्होंने जल संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनने की अपील करते हुए कहा कि सुदूर इलाके के लोगों को शुद्ध जल नहीं मिल पाता है तो कहीं लोगों को पेयजल के लिए काफी संघर्ष करना पड़ता है। कहा कि सरकार के स्तर से भी प्रयास किए जा रहे हैं कि लोगों को शुद्ध जल मिल सके, लेकिन जल की बबार्दी रोकने की जिम्मेदारी हम सभी की है। उन्होंने पिछले दिनों जिले में डीएमएफटी शासी परिषद की बैठक में जल संकट से निपटने के लिए बनाई गई रणनीति साझा की।

दुकानों को तोड़ने के मामले में एनएचआरसी ने लिया संज्ञान

फाइल फोटो

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेलवे स्टेशन के बाहर स्थित रेलवे मार्केट कॉम्प्लेक्स की दुकानें 17 जनवरी को बुलडोजर से ध्वस्त कर दी गई थीं। इस मामले को मानवाधिकार कार्यकर्ता बसंत महतो ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से शिकायत की थी। इस पर आयोग ने संज्ञान लिया है और मामले की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। महतो ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया था कि दुकानदारों को बिना पुनर्वास या मुआवजा दिए उनकी दुकानों को तोड़ दिया गया, जिससे उनकी आजीविका खतरे में पड़ गई है।आयोग ने इस मामले को गंभीर मानते हुए रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और पश्चिमी सिंहभूम के जिलाधिकारी को निर्देश दिए हैं कि वे इस मामले की जांच करें और चार सप्ताह के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करें। इसकी कॉपी मुख्य सचिव, झारखंड सरकार को भी भेजी गई है। महतो ने इसे मानवाधिकारों का उल्लंघन बताते हुए पीड़ित दुकानदारों को न्याय दिलाने की मांग की थी। दुकानदारों का कहना है कि उन्हें कोई पूर्व सूचना या पुनर्वास की योजना नहीं दी गई, जिससे वे अचानक आर्थिक संकट में आ गए हैं। अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के हस्तक्षेप से उम्मीद की जा रही है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

रिटायर्ड रेलवे कर्मचारी ले सकेंगे कैशलेस ओपीडी सेवा का लाभ

JAMSHEDPUR : रेलवे बोर्ड ने रिटायर्ड इम्पलाइज लिबरलाइज्ड हेल्थ स्कीम के तहत 75 वर्ष के रिटायर कर्मचारियों को इम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस ओपीडी और जांच सुविधा 1 जनवरी 2023 से लागू की थी। पायलट प्रोजेक्ट के तहत यह स्कीम लागू हुई थी। रेलवे बोर्ड ने इस स्कीम में बदलाव करते हुए अब 70 वर्ष तक के रिटायर्ड रेलवे कर्मचारियों को रेलवे द्वारा इम्पैनल्ड अस्पतालों में कैशलेस ओपीडी और जांच सुविधा दी है। इस सेवा से रेलवे के हजारों रिटायर्ड कर्मचारियों को इलाज में सुविधा होगी। नया बदलाव 31 अक्टूबर 2027 तक लागू रहेगा। रेलवे बोर्ड के निदेशक (हेल्थ) पीएम मीणा के हस्ताक्षर से यह पत्र सभी जोनल मैनेजर को भेजा गया है।

बेटे को जलाकर मार दिया था नहीं मिला न्याय : पीड़िता

एसडीपीओ से अपनी बात रखतीं पीड़िता ● फोटोन न्यूज

GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के दाहीगोड़ा निवासी गौरी पातर नामक महिला ने बुधवार को गोपालपुर में शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन और एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर से मिलकर बेटे को जलाकर मार देने के आरोपी पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। पीड़िता ने बताया कि उसका बेटा हरिश कुमार पात्रो फ्लिपकार्ट कंपनी में डिलीवरी ब्वाय था। 22 अक्टूबर 2024 को सेंद्रल स्कूल सुरदा के एक क्वार्टर में वह जली हुई अवस्था में मिला था। इस घटना की जानकारी दिए बिना कुछ लोग उसे एमजीएम अस्पताल ले गए, जहां उसकी मौत हो गई। मुझे लगता है कि मेरे बेटे को जलाकर मारा गया है। मुसाबनी थाना में केस दर्ज कराया था, लेकिन न्याय नहीं मिला। इस मामले पर एसडीपीओ अजीत कुमार कुजूर ने कहा कि उन्होंने मुसाबनी डीएसपी संदीप भकत से बात की है। उन्होंने कहा है कि मामले की जांच अंतिम चरण में है। जांच के बाद आरोपी को जेल भेजा जाएगा।

ईस्ट प्लांट बस्ती में लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी

JAMSHEDPUR : बमार्माइंस स्थित ईस्ट प्लांट बस्ती में श्रीश्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। इसी क्रम में बुधवार को प्रेस वार्ता में आयोजकों ने बताया कि महायज्ञ का ध्वजारोहण 5 मार्च को सुबह 11 बजे किया जाएगा। महायज्ञ 29 मार्च को कलश यात्रा निकलेगी। 30 मार्च को पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, अरणी मंथन द्वारा अग्नि प्रज्वलित की जाएगी। 30 मार्च से 5 अप्रैल तक नित्य प्रातः सुबह 7 बजे हवन और दोपहर 1 बजे रुद्राभिषेक होगा। इसके साथ-साथ सुंदरकांड का पाठ दोपहर 3 बजे से प्रारंभ होगा, तत्पश्चात प्रकांड विद्वानों और संतों द्वारा प्रवचन किया जाएगा। इस यज्ञ में श्री त्रिदंडी स्वामी, संत सुंदरराज (यतिराज) जी महराज भी आएंगे। 5 अप्रैल को दोपहर 3 बजे से विशाल भंडारा होगा।

डीएसई ने बताया- 2022-23 में 220 रसोईघर शेड का किया गया था निर्माण, अभी 278 नए शेड बनाने का है लक्ष्य

स्कूली बच्चों की नियमित कराई जाए स्वास्थ्य जांच : उपायुक्त

PHOTON NEWS JSR : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त अनन्य मित्तल ने बुधवार को पीएम पोषण योजना में प्रगति की समीक्षा की। इसमें स्कूल व आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों के बीच पोषाहार वितरण, नियमित स्वास्थ्य जांच, रसोईघर की स्थिति आदि बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। स्कूली बच्चों व आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों के पोषण की स्थिति में सुधार लाने, कुपोषण को रोकने के लिए नियमित पौष्टिक आहार देने तथा बच्चों के पोषण स्तर की निगरानी करने का निर्देश दिया गया। इसके साथ ही स्थानीय स्तर पर उपलब्ध मौसमी साग-सब्जी, फल, अनाज आदि भी मेन्यू में शामिल करने की बात कही गई। उपायुक्त ने कहा कि बच्चों का स्वास्थ्य एवं पोषण महत्वपूर्ण विषय है, नियमित रूप से राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत समयसारिणी बनाते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित कराएं। उन्होंने शिक्षा एवं स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को समन्वय बनाने को कहा। इसके साथ ही स्वच्छ वातावरण में खाना बनाने को लेकर स्कूलों में रसोईघर की स्थिति की समीक्षा की गई। जिला शिक्षा अधीक्षक आशीष पांडेय ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2022-23 में 220 रसोईघर शेड का निर्माण किया गया है, 278 नए शेड का निर्माण करना है। उपायुक्त द्वारा डीएमएफटी फंड से रसोईघर शेड निर्माण के लिए प्रस्ताव बढ़ाने का निर्देश शिक्षा विभाग के पदाधिकारी को दिया गया। बैठक में भवनहीन आंगनबाड़ी केंद्रों, आंगनबाड़ी केंद्रों के विद्युतीकरण की स्थिति की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उपविकास आयुक्त अनिकेत सचान, एसडीएम धालभूम शताब्दी मजूमदार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी संध्या रानी, जिला शिक्षा पदाधिकारी मनोज कुमार, सभी बीईईओ, बीपीओ व शिक्षक संघ के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में बैठक करते डीसी अनन्य मित्तल ● फोटोन न्यूज

पोटका के जेई को किया गया शोकॉज सात पंचायतों में लगेंगे 10-10 चापाकल

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर जिला जल एवं स्वच्छता समिति की बैठक बुधवार को समाहरणालय सभागार में हुई। उपविकास आयुक्त सह उपाध्यक्ष अनिकेत सचान की अध्यक्षता में हुई बैठक में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक से अनुपस्थित रहने पर पोटका के जेई को शोकॉज किया गया। वहीं, जल जीवन मिशन की समीक्षा के क्रम में निमार्णाधीन बहु ग्रामीण जलापूर्ति योजना कनास, हुरलुंग, पलासबनी, छोटा गोविंदपुर, बेको एवं बागबेड़ा को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया गया। बुरुजबनी गुहियापाल व बेको में फॉरेस्ट विभाग से एनओसी लेने के संबंध में वन विभाग से सीधे संपर्क कर एनओसी प्राप्त करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जमशेदपुर प्रखंड के सात पंचायत में प्रति पंचायत 10 चापाकल के बोरिंग करने के संबंध में रेलवे से एनओसी प्राप्त करने हेतु सभी बीडीओ से समन्वय स्थापित करने, प्रति पंचायत 10 चापाकल के संबंध में कनीय अभियंता को मार्च से पहले बोरिंग एवं फिटिंग पूर्ण करने का निर्देश दिया गया। एसवीएस स्कीम में 5 एफएचटीसी पेंडिंग के कारण हर घर नल जल घोषित नहीं किया जा सका है, इस संबंध में डाटा कलेक्ट करने का निर्देश सभी जेई को दिया गया। आरएमएस से संबंधित सभी योजनाओं का डाटा झार-जल में दो दिनों के अंदर अपलोड करने, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की प्रगति की समीक्षा के क्रम में शौचालय स्वीकृति से संबंधित सभी आवेदनों को 7 दिनों के अंदर एसबीएम-जी के पोर्टल पर प्रविष्ट करने का निर्देश दिया गया। बैठक में सभी प्रखंडों में जितने भी गांव मॉडल गांव घोषित किए गए हैं, प्रखंड विकास पदाधिकारी की अध्यक्षता में गठित टीम के द्वारा सत्यापन करते हुए 10 दिनों के अंदर प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का निर्देश सभी कनीय अभियंता को दिया गया।

बाइक राइडिंग का रखते हैं शौंक तो बेस्ट हैं ये जगहें!

अगर आप भी काम करते-करते थक गए हैं और बाइंकिग का भी शौंक रखते हैं तो और किसी छोटे वेकेशन की प्लानिंग कर रहे हैं तो निकल जाएं इन शानदार सड़कों के सफर पर। जहां ऊंचे पहाड़, गहरे झरने खूबसूरत हरे-भरे जंगल आपका इंतजार कर रहे हैं। ऐसी जगह खास तौर पर उन लोगों के लिए अच्छी है जो कि बाइक राइडिंग के शौकीन हैं। यहां पर आप कुदरती नजारों, पहाड़ों, झरनों का भी मजा ले सकते हैं। आइए जानते है उन जगहों के बारे में....

1. लेह, लद्दाख

चारो तरफ पहाड़ों से घिरे इस रूट पर ड्राइविंग का अपना एक अलग ही मजा आता है। ऊंचे पहाड़ों के बीच से निकलता खारदूंगला रोड, जो दुनिया भर में अपनी ऊंचाई के लिए जाना जाता है पर घूमने का अलग ही मजा है। इसके अलावा यहां का मैग्नेरटिक रोड खासतौर से मशहूर है। यहां पर टूरिस्ट अप्रैल से अगस्त तक बाइक राइडिंग करने के लिए आते हैं।

2.स्पीति वैली, हिमाचल

लद्दाख से थोड़ी ही दूर हिमाचल की स्पीति वैली हैं। बाइक से स्पीती वैली तक पहुंचने के लिए काजा, टैबो, स्पीती और पीन वैली जैसी कई खूबसूरत जगहें देखने को मिलती हैं। यहां पर सड़कों के किनारे सेब, खूबानी के पेड़ और सतलुज नदी की खूबसूरती के साथ प्राचीन मंदिरों को भी देख सकते है।

3.वालपराई और वाझाचल फॉरेस्ट

बाइक राइडिंग के लिए यह सबसे बेस्ट रूट है। यहां राइडिंग के दौरान घने, हरे-भरे जंगल और कई सारे छोटे-छोटे वाटर फॉल्स का नजारा देखने को मिलता है।।

4.गोवा, मुंबई

इंडिया के बिजनेस कैपिटल मुंबई से गोवा तक बाइक से सफर करना भी काफी मजेदार है। अमेरिका के 101 हाइवे से काफी मिलती-जुलती इस सड़क को इंडिया में बेस्ट कोस्टल राइडिंग के लिए जाना जाता है।

5.वेस्टर्न, अरुणाचल प्रदेश

हिमालय की ऊंची चोटियों को राइडिंग के वक्त देखना बहुत ही अच्छा एक्सपीरिएंस होता है। हालांकि यहां सड़कों की कमी है जिसके चलते ऊंचे-नीचे पहाड़ी रास्तों से गुजरना होता है। सफर के दौरान बर्फ से ढ़की सड़कें, ट्राइबल कल्चर और उनकी अलग सी लाइफस्टाइल को कैमरे में आसानी से कैद किया जा सकता है।

6. जैसलमेर, जयपुर

दोनों तरफ रेगिस्तारन और बीच में हाईवे का सफर में आपको राजस्थानी कल्चर देखने के कई मौके मिलते हैं। इसके साथ ही बीच-बीच में जोधपुर, ओसियां, पोकरन जैसे स्टॉकपेज आते हैं जो आपकी सैर को और भी मजेदार बनाएंगे।

एलीफेंट बीच अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है। छुट्टियों में परिवार के साथ यदि आप भीड़भाड़ से अलग शांति और सूकुन वाली जगह की तलाश में है तो अंडमान-निकोबर बेस्ट जगह है। खूबसूरत कुदरती नज़ारों और साफ समुद्री तटों वाले अंडमान की शांति और सुंदरता हर किसी का मन मोह लेती है।

खूबसूरत कुदरती नज़ारों और बीचों की सैर करनी है तो जाएं अंडमान-निकोबार

साफ-सुंदर बीच

पानी से अटखेलियां करना पसंद है तो अंडमान के बीच आपको बुला रहे हैं। यहां के साफ पानी में आप स्कूबा डाइविंग, स्विमिंग, स्कीइंग, पैरास्लाइडिंग, बनान बोट राइड, अंडर वॉटर वॉकिंग आदि एडवेंचर गेम्स का मजा ले सकते हैं। स्कूब डाइविंग के दौरान समुद्र के नीचे रंग-बिरंगी मछलियों से मिलने का अनुभव यादगार बन जाएगा। यहां के बीच अपनी खूबसूरती और स्वच्छता के लिए मशहूर हैं। बीचों की सफेद और चमकीली रेत पर लेटकर जूस और कोल्ड ड्रिंक का मजा लें। क्योंकि अंडमान अपने बीचों के लिए ही मशहूर है तो कुछ खास बीचों की सैर करना न भूलें।

एलीफेंट बीच

यह अंडमान के मशहूर बीचों में से एक है। हैवेलॉक द्वीप पर स्थित इस बीच तक आप नाव से या फिर जंगल ट्रेक करके पहुंच सकते हैं। नीले पानी और चमकदार रेत वाले इस बीच पर आकर आपको बहुद सुकून मिलेगा। यह बीच शानदार कोरल रीफ और स्नॉर्कलिंग के लिए भी जाना जाता है।

राधानगर बीच

हैवलॉक द्वीप पर स्थित यह बीच भी बहुत मनोरम हैं यहां के दृश्य बेहद सुंदर हैं। अंग्रेजी मैगज़ीन टाइम द्वारा इसे भारत के सबसे अच्छे बीचों में से एर माना गया और पूरी दुनिया का यह सांतवा बेस्ट बीच है। फोटोशूट के लिए यह बीच एकदम परफेक्ट हैं तो यदि आप अंडमान जाएं तो इस बीच पर फोटो खिंचवाना न भूलें।

विजयनगर बीच

यह बीच भी अंडमान के बेस्ट बीचों में से एक है जो सैलानियों के बीच बहुत पॉप्युलर है। यहां का पानी बहुत साफ है और वातावरण स्वच्छ और सुंदर। यहां आप स्वीमिंगस बोटिंग, सर्फिंग और फोटोग्राफी का मज़ा ले सकते हैं। अंडमान के बीच फिलहाल अन्य जगहों के बीचों से साफ और सुंदर है, तो आप यदि कुदरत की गोद में सुकून भरे पल बिताना चाहते हैं तो अगली छुट्टी अंडमान में बिताएं।

काला पत्थर बीच

यह बीच भी बहुत सुंदर और शांत है। परिवार के साथ सुकून भरे तो पल बिताने वालों के लिए यह परफेक्ट जगह है। यहां की रेत चांदी की तरह चमकती है। इस बीच पर आप सनबाथ का मज़ा ले सकते हैं।

बेस्ट टाइम

572 छोटे-बड़े द्वीपों से मिलकर बना है अंडमान। यह देश के सबसे आकर्षक टूरिस्ट प्लेसेज में से एक है। सितंबर से लेकर मार्च तक का समय यहां जाने के लिए सबसे अच्छा है, क्योंकि तब आप यहां की कुदरती खूबसूरती के साथ ही सुहावने मौसम का पूरा मजा ले सकेंगे।

मलेशिया है बेहद ही खूबसूरत, बिताए गर्मियों की छुट्टियां

मलेशिया की राजधानी क्वालालम्पुर के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कदम रखते ही मुझे लगा कि मैं यूरोप, आस्ट्रेलिया या अमेरिका जैसे किसी विकसित देश की धरती पर खड़ी हूं। क्रोम और शीशे से बना यह हवाई अड्डा विश्व के सबसे आधुनिक हवाई अड्डों में एक है। चमकते हुए ग्रेनाइट के फर्श, नवीनतम तकनीक से लैस सभी सुविधाएं तथा डयूटीफ्री सामानों से भरी चमचमाती हुई दुकानें यहां आने वाले हर पर्यटक को सहज ही प्रभावित कर लेती हैं। मुझे लगा कि जब इतने ही दिनों में मलेशिया इतनी तरक्की कर सकता है तो हम क्यों नहीं? पर इस प्रश्न का जवाब सोचने से पहले ही मुझे पता लगा कि क्वालालम्पुर से पिनांग जाना है और वहां पहुंचने के लिए लगभग 40 मिनट की उड़ान फिर भरनी है। अभी भारतीय समय के अनुसार सुबह के पांच बजे थे, पर हवाई अड्डे की घड़ी सुबह साढ़े सात का समय दिखा रही थी यानी मलेशिया व भारत के समय में ढाई घंटे का अंतर था। मैंने स्थानीय समय के अनुसार अपनी घड़ी मिलाई और पिनांग जाने वाले विमान में बैठ गई।

सुपारी के पेड़ों वाला द्वीप

मलेशिया पर्यटन विभाग की ओर से गए हम आठ लोग थे जिनका स्वागत बहुत ही गर्मजोशी से पिनांग हवाई अड्डे पर टूर गाइड लेना व एडी ने किया। हवाई अड्डे से अपने होटल मुतियारा बीच रिसोर्ट तक जाते हुए लेना व एडी ने हमें पिनांग के बारे में तमाम जानकारियां दीं। पिनांग की खूबसूरती की एक झलक हमें रास्ते में ही मिल गई। हरी-भरी पहाड़ियों से घिरा पिनांग एक द्वीप है जिसका आकार एक तैरते हुए कछुए की तरह है। पिनांग की खूबसूरती से प्रभावित होकर ही ब्रिटिश रचनाकार सॉमरसेट मॉम ने लिखा था, यदि किसी ने पिनांग नहीं देखा, तो उसने संसार नहीं देखा। मुझे भी यहां आकर लगा कि मॉम ने कुछ गलत नहीं लिखा है। पूर्वी देशों के सबसे सुंदर शहरों में गिना जाता है पिनांग, जिसका नाम इस द्वीप पर बहुतायत से पाए जाने वाले सुपारी के पेड़ों के कारण पड़ा। मलय भाषा में पिनांग पान की सुपारी को कहते हैं। पूरब का मोती कहा जाने वाला यह द्वीप 1786 में सुदूर पूर्वी देशों में ब्रिटिश राज्य का पहला व्यापारिक केंद्र बना, पर आज यह पूरब और पश्चिम के मिलन का एक आकर्षक बिंदु है। चूंकि विश्व के लगभग सभी देशों से पर्यटक यहां वर्ष भर आते रहते हैं, अतः यहां की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख स्त्रोत पर्यटन है। पर्यटन संबंधी सुविधाएं यहां बहुत विकसित हैं और कई अंतरराष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों का विकास भी काफी अच्छा है।

असर चीनी संस्कृति का

कई वर्षो तक ब्रिटिश शासन के अधीन रहने के कारण यहां की पुरानी इमारतों में ब्रिटिश स्थापत्य की झलक दिखती है। साथ ही चीनी संस्कृति का प्रभाव आज भी यहां के लोगों पर देखा जाता है। लेना व एडी ने चीनियों द्वारा बनाए गए कुआन यिन तेंग, वाट चैया मांगकालाराम तथा अन्य बौद्ध मंदिरों को दिखाते हुए बताया कि पिनांग की राजधानी जॉज टाउन में चीनियों द्वारा बनाए गए ऐसे कई बौद्ध मंदिर हैं, जहां एक विशेष जाति के चीनी लोग विभिन्न त्योहार मनाने के लिए आज भी इकट्ठे होते हैं। इन मंदिरों पर बनी अत्यंत महीन चीनी पेंटिंग व लकड़ी की नक्काशी से सजे पैनल इस देश के कलाकारों की प्रतिभा का परिचय देते हैं। थाईलैंड की स्थापत्य कला से प्रभावित वाट चैया मांगकालाराम मंदिर में भगवान बुद्ध की लेटने की मुद्रा में विश्व की तीसरी सबसे बड़ी प्रतिमा है।

एक अनुभव अनोखा सा

मीलों तक फैले रेतीले मैदान व नारियल के पेड़ों की कतारों से सजे पिनांग के समुद्र तट विदेशी पर्यटकों को वर्षो से आकर्षित करते आ रहे हैं। दो दिन की पिनांग यात्रा के दौरान लेना व एडी हमें यहां के लगभग सभी दर्शनीय स्थलों पर ले गए, हमने स्थानीय भोजन का स्वाद लिया और बटरवर्थ तथा पिनांग के द्वीप के बीच चलने वाली फेरी में बैठकर द्वीप के चारों ओर फैले नीले पानी की सैर की। इस फेरी में लगभग 100 से अधिक गाड़ियां लोड की जा सकती हैं और 20-25 मिनट में समुद्र के जरिये अपनी गाड़ी में बैठे-बैठे आप पिनांग द्वीप तक आ-जा सकते हैं। यह मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। चीन, ब्रिटेन, थाईलैंड, बर्मा आदि देशों से प्रभावित पिनांग के इतिहास की जानकारी लेते और यहां के शौकीन व बहुत ही मिलनसार लोगों की यादें दिल में लेकर हम पिनांग ब्रिज से होते हुए क्वालालम्पुर की ओर चल दिए। यह ब्रिज पिनांग द्वीप व मलेशिया प्रायद्वीप को जोड़ने वाला विश्व का तीसरा सबसे लंबा ब्रिज है। यहां इस ब्रिज से जाते हुए पिनांग द्वीप की आखिरी झलक हमें मिल रही थी।

ऐतिहासिक इमारतों के शहर में

क्वालालम्पुर जाते हुए हम मलेशिया के एक और राज्य पेराक से गुजरे जिसका मलय भाषा में अर्थ है चांदी। इस राज्य का यह नाम यहां पाई जाने वाली टिन की खानों के कारण पड़ा जिसका पेराक के इतिहास और अर्थव्यवस्था पर काफी गहरा प्रभाव रहा। पेराक की राजधानी ईपोह भी साफ सुथरे पार्क, चैड़ी सड़कों व आकर्षक ऐतिहासिक इमारतों के कारण दर्शनीय है। क्वाला कांगसार पेराक का शाही शहर है और यहां की प्राचीन खूबसूरत इमारतों में उबूदिहाह मसजिद व इस्कंदारियाह महल खास हैं। उबूदियाह मसजिद का निर्माण पेराक के 28वें सुलतान इदरीस मुर्शिदुल अदजाम शाह प्रथम के जमाने में शुरू हुआ पर इसके पूरा होने में काफी अड़चनें आई। प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान हाथियों द्वारा यहां के इटैलियन मार्बल के फर्शो को तोड़ दिया गया और इसका उद्घाटन 1917 में हो सका। लगभग 100 वर्ष से भी अधिक पुराना रबर का पेड़ भी क्वाला कांगसार में दर्शनीय है। इसके अलावा पेराक की लाइमस्टोन गुफाएं और उनमें बौद्ध चित्रकला व बुद्ध की विशाल प्रतिमाएं भी देखने लायक हैं। लेटे हुए भगवान बुद्ध की 24 मीटर लंबी प्रतिमा के दर्शन करने हों, जो मलेशिया में सबसे लंबी प्रतिभा है, तो थाई बौद्ध मंदिर मेकप्रसित जाएं। यह ईपोह से तीन किलोमीटर उत्तर की ओर है। परिवार सहित आने वाले पर्यटकों के लिए आधुनिक राइड व झूलों से लैस बुकिट मेराह थीम पार्क भी यहां है, जो 600 हेक्टेयर में फैले लेक टाउन रिसोर्ट का एक हिस्सा है। पेराक टांग, सैम पोह टांग, शाही मसजिद, जैपनीज गार्डन, दारुल रिदजुआन संग्रहालय, ताम्बुन, सुंगकाई हिरण फार्म, क्वाला वोह जंगल पार्क, लता इस्कंदर वाटर फॉल आदि भी परोक के मुख्य दर्शनीय स्थलों में से हैं।

रोशनी के बाग में

क्वालालम्पुर देखने की उत्सुकता ने हमें चैथे दिन मलेशिया की राजधानी पहुंचा दिया। गार्डन सिटी ऑफ लाइट्स कहे जाने वाले अपने शहर को यहां के लोग प्यार से केएल कहते हैं। 88 मंजिलों वाले विश्व के सबसे ऊंचे फ्री स्टैंडिंग टॉवर्स पेट्रोनाज ट्विन टॉवर्स क्वालालम्पुर में प्रवेश करते ही दिखने लगते हैं। इस्लाम के पांच स्तंभों से प्रेरित यह इमारत मलेशिया की पहचान है। रात को ये टॉवर्स इतने खूबसूरत दिखते हैं कि इनकी ओर से आंखें हटाने की इच्छा नहीं होती। क्वालालम्पुर सिटी सेंटर के बीचोंबीच निर्मित पेट्रोनाज टॉवर्स मलय व आधुनिक आर्किटेक्चर का बेमिसाल नमूना है। इसके भीतर पेट्रोनाज फिलहारमोनिक हॉल है तथा पेट्रोनाज परफॉर्मिंग आर्ट्स ग्रुप भी। क्वालालम्पुर में हमने विश्व की चैथी सबसे लंबी (421 मीटर) तथा एशिया की सबसे ऊंची मीनार क्वालालम्पुर भी देखी, जिसके भीतर जाकर ऑब्जर्वेटरी डेक से आप पूरे क्वालालम्पुर तथा क्लैंग वैली का नजारा देख सकते हैं। यहां के रिवॉल्विंग रेस्टोरेंट में कई तरह के स्वादिष्ट भोजन का मजा लेते हुए आप क्वालालम्पुर की एक-एक इमारत, पार्क, संग्रहालय व घर आदि दूरबीन से देख सकते हैं। क्वालालम्पुर टॉवर दूरसंचार नेटवर्क, रेडियो व टीवी स्टेशन की टांसमिशन टॉवर भी है।

प्रगति यात्रा के सहारे चुनावी नैया पार उतारने की कोशिश में नीतीश

उमेश चतुर्वेदी

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है।

बिहार में विधानसभा चुनावों की उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। छह महीने बाद राज्य में चुनाव होने हैं। ऐसे में पक्ष और विपक्ष-दोनों ने चुनावी समर के लिए कमर कस लिया है। इन तैयारियों के बीच एक बात तय है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन यानी एनडीए एक बार फिर नीतीश कुमार की ही अगुआई में चुनावी मैदान में उतरने जा रहा है। पिछले साल नीतीश और लालू के मिलने की खबरिया कानाफूसी हो रही थी, उन्हीं दिनों पहले अमित शाह और बाद बीजेपी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, दोनों नीतीश के ही चेहरे पर चुनाव लड़ने का ऐलान करने में देर नहीं लगाई। वहीं विपक्षी खेमे की कमान बीमारी के बावजूद लालू यादव ने अपने हाथ में ले ली है।

जनता दल से अलग होकर जब से नीतीश कुमार ने अपनी अलग राह चुनी है, बिहार में ज्यादातर जंग लालू बनाम नीतीश ही रही है। सियासी इतिहास गवाह है कि जब भी लालू बनाम नीतीश की जंग होती है, लालू का जंगलराज के भूत का डर बिहार के लोगों को सताने लगता है। इस जंग में लालू की बनिस्बत नीतीश का चमकदार और सुलझा हुआ सामने आ जाता है और सियासी बाजी नीतीश की अगुआई वाले गठबंधन के ही हाथ लगती रही है। एनडीए अगर बिहार की सत्ता से अतीत में कभी दूर हुआ भी है तो उसकी वजह खुद नीतीश का उसका साथ छोड़ना रहा है। नीतीश कुमार की अगुआई में 2005 में बिहार की सत्ता पर एनडीए के काबिज होने के बाद बिहार की अराजक छवि में तेजी से बदलाव हुआ। शासन की गाड़ी पटरी पर लगातार आती गई। नीतीश के पहले बिहार में बिजली के दर्शन कभी-कभी होते थे, लेकिन बाद में हालात बदले। बिहार की सड़कें देश और दुनिया में अपनी बदहाली के लिए जानी जाती थीं, लेकिन नीतीश ने उन्हें भी बदला। लड़कियों को स्कूल जाने के लिए साइकिलों की सौगात मिली। कभी माफिया, अपहरण और वसूली के लिए बदनाम बिहार की छवि बदलने लगी। इसके बाद नीतीश कुमार की भी नई छवि बनी, उन्हें नया नाम भी मिला, सुशासन कुमार। पंद्रह साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में नीतीश की पार्टी की सीटें घटीं। हाल के दिनों में उनके कुछ बयानों पर सवाल

भी उठे, इसके बावजूद बिहार की राजनीति का सबसे चमकदार चेहरा अब भी नीतीश कुमार ही हैं। शायद यही वजह है कि एनडीए एक बार नीतीश कुमार के ही चेहरे के साथ मैदान में उतरने जा रहा है। एनडीए और जनता दल यू को लगता है कि इस जंग में इस बार सियासी कामयाबी दिलाने में मददगार नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ही हो सकती है। इसलिए सत्ताधारी खेमे की ओर से एक तरफ जहां विकास को मुद्दा बनाने की तैयारी है, वहीं विकास के सिलसिले में नए आयाम जोड़ने को लेकर तेजी से काम हो रहा है। इसी के तहत नीतीश सरकार सड़क और पुल निर्माण जैसे विकास कार्यों को जमीन पर उतारने की तैयारी तेज कर दी है।

एनडीए के साथ ही बिहार के सियासी जानकारों का मानना है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की यह यात्रा बिहार के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। क्योंकि नीतीश सरकार की नीतियों की वजह से पहले से ही समूचे राज्य में बुनियादी सुविधाओं में तेजी से सुधार हो रहा है। अपनी सरकार की उपलब्धियों के साथ ही लोगों की राय जानने के लिए कुछ दिनों पहले से नीतीश कुमार ने राज्य में प्रगति यात्रा की। इस यात्रा के दौरान नीतीश ने राज्य के तमाम जिलों में लोगों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए सुनवाई की जगह पर ही अधिकारियों को सीधे निर्देश दिए। इस यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री ने बिहार के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं भी कीं। विशेष रूप से सड़क निर्माण, बाईपास और उच्चस्तरीय रेलवे ओवर ब्रिज की योजनाओं पर जोर दिया गया, ताकि राज्य में आवागमन की सुगमता बढ़े और यात्रा समय में कमी आए।

प्रगति यात्रा के ही दौरान नीतीश कुमार ने 20, 000 करोड़ रुपये की 188 योजनाओं की घोषणा की, जिनमें 121 योजनाओं को मंत्रिपरिषद की मंजूरी मिल चुकी है और उन्हें जमीनी हकीकत बनाने को लेकर तेजी से काम शुरू हो चुका है। इनमें से कई योजनाएं ग्रामीण सड़कों को बेहतर बनाने, उनका पुनर्निर्माण करने और उनकी हालत पहले की तुलना में और बेहतर बनाने को लेकर हैं। इस दौरान समस्तीपुर और मधेपुरा जिलों में महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दी जा चुकी है। साथ ही, सीवान, छपरा, गोपालगंज और मुजफ्फरपुर जिलों में सड़क चौड़ीकरण, बाईपास और पुल निर्माण कार्यों के लिए भी भारी धनराशि स्वीकृत की गई है। सत्ताधारी खेमे का दावा है कि नीतीश कुमार की दूरदर्शी सोच और कड़ी मेहनत की वजह से बिहार का तकरीबन हर गांव पक्की और चौड़ी सड़कों से जोड़ा जा रहा है। बहुत सारी सड़कें तैयार भी हो चुकी हैं। जिनकी मदद से बिहार के किसी भी कोने से पहले की तुलना में राजधानी पटना पहुंचना कहीं ज्यादा आसान हुआ है। इसकी वजह से लोगों के समय और ईंधन की बचत हो रही है। नीतीश की अगुआई में 2010 में मिली दूसरी जीत में बेहतर सड़कों की बड़ी भूमिका रही। शायद यही वजह है कि नीतीश कुमार ने सड़कों और बुनियादी सुविधाओं के लिए खजाना खोल दिया है।

नीतीश के लिए चुनौती शराबबंदी बनी हुई है। सरकारी तंत्र के भ्रष्टाचार की वजह से शराब की तस्करी बढ़ी है। हालांकि शराबबंदी से महिलाएं खुश हैं। नीतीश को इस चुनौती से पार पाना होगा। वैसे प्रशांत किशोर जैसे उनके पुराने साथी विपक्षी खेमे की ओर से इसे बड़ा मुद्दा बना रहे हैं। फिर भी कह सकते हैं कि बिहार की आर्थिक प्रगति की ओर बढ़ा नीतीश सरकार का पहिया अब भी प्रमुख मुद्दा है। उम्मीद की जा रही है कि चुनावों की घोषणा होने तक नीतीश और बीजेपी इसे अपनी उपलब्धि के तौर पर प्रचारित और विस्तारित करते रहेंगे। यह सच है कि जातिवाद से ग्रस्त बिहार की राजनीति पर विकास की राजनीति भारी पड़ती रही है। शायद यही वजह है कि नीतीश सरकार विकास पर जोर दे रही है और इसे ही अपना सियासी हथियार बनाने की तैयारी में है।

संपादकीय

बेवजह के विवाद

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामले में नयी याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने कहा नये अंतरिम आवेदन को केवल तभी अनुमति दी जा सकती है, जब कोई नया बिन्दु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में न उठाया गया हो। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लोग नई याचिकाएं दायर करते रहते हैं और दावा करते हैं, उन्होंने नये आधार उठाए हैं। पीठ ने स्पष्ट कहा कि पहले तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनी गई लंबित याचिकाओं पर दो न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई नहीं कर सकती। शीर्ष अदालत ने दिसम्बर 2024 के अपने आदेश में विभिन्न हिन्दू पक्षों द्वारा दायर लगभग अट्ठारह मुकदमों में कार्यवाही को प्रभावी तौर पर रोक दिया था, जिसमें वाराणसी की ज्ञानवापी, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद व संभल की शाही जामा मस्जिद समेत दस मस्जिदों के मूल धार्मिक चरित्र का पता लगाने को सव्रेक्षण की माग की गई थी। 1991 में अयोध्या में विवादित बाबरी विध्वंस के बाद देश में पूजास्थल कानून लागू किया गया था, जिसके तहत आजादी से पूर्व मौजूद किसी भी धर्म के पूजास्थल को दूसरे धर्म के पूजास्थल में नहीं बदला जा सकता। जिन लोगों ने 1991 के इस अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी, उनका आरोप है यह अधिनियम हिन्दुओं के साथ ही जैनियों, बौद्धों, सिखों को अपने पूजास्थलों को पुनः प्राप्त के लिए अदालतों में जाने से रोकता है। जिन पर कट्टरपंथी बर्बर आक्रमणकारियों द्वारा आक्रमण या अतिक्रमण किया गया था। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक जनहित याचिकाओं का अंबार है। इस पर जबरन विवाद उछालने, चर्चा में आने या राजनीतिक दलों द्वारा बहुसंख्यकों को प्रभावित करने के उद्देश्य से लगातार इन विवादास्पद धार्मिक स्थलों के खिलाफ याचिकाएं दायर की जा रही हैं। इन पर आक्रामक बयानबाजियां की जाती हैं और उन्मादी धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास होता रहता है। जनहित याचिकाओं की आड़ में न्यायालय का वक्त जाया करने और भारी धनराशि का अपव्यय करने वाली मानसिकता पर सख्ती जरूरी है। सांप्रदायिक सौहार्द व सद्भावना बनाये रखने के लिहाज से अदालतें संतुलित निर्णय लेने को स्वतंत्र हैं। अदालतों द्वारा ही धार्मिक स्थलों को संरक्षित करने व विवादों को बिला-वजह तूल देने की प्रवृत्ति को थामा जा सकता है। ताकि देश में शांति रहे व विश्व पटल पर छवि धवल बनी रह सके।

सामाजिक ताना-बाना बिखेर रहे नंगापन और रील्स के परिवेश

डॉ. सत्यवान सौरभ

पूरा देश नग्नता के लिए फिल्मों को दोष देता है परंतु आज सोशल मीडिया (सामाजिक पटल) पर इतनी भयंकर नग्नता है कि हमारी जो भारतीय फिल्में को भी शर्म आ जाए। आज कोई भी सोशल प्लेटफार्म अछूता नहीं है फूहड़पन और नग्नता से। सोशल मीडिया के अंधे दौर में कुछ लाइक और व्यू पाने के लिए हमारे समाज की नारियों को कैसे लक्षित किया जा रहा है और उन्हें नग्नता परोसना पड़ रहा है और वह लाइक और व्यू के आसमान में उड़ने के लिए नग्नता परोस स्वयं के मान सम्मान स्वाभिमान का सौदा आसानी से कर रही है। कुछ चप्पल छाप यूट्यूबर्स लोग केवल व्यू पाने के लिए हमारी आस्था पर इस तरह के अश्लीलता वाले थम्बनेल लगाते हैं। किससे क्या कहें? जीवन का चरमसुख अब फॉलोअर्स पाने और कमेंट आने पर निर्भर हो गया है। फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म पर नग्न अवस्था में तस्वीरें शेयर कर आज लड़कियाँ लाइक कमेंट पाकर खुद को अनुगृहित करती दिखाई देती है, मानो जीवन की सबसे अहम और जरूरी ऊंचाई को उन्होंने पा लिया हो। इस नग्नता को हम आधुनिकता के इस दौर में न्यू फैशन कहते हैं। सोशल मीडिया पर फैशन की उबाल आई तो सोशल नेटवर्क पर युवा पीढ़ी ने खुद को खूबसूरत युवतियों से पीछे पाया, फिर क्या युवकों ने खुद की नग्नता का नंगा नाच शुरू किया और कहा, मैं पीछे कैसे? युवा अपने यौवन को दिखाते घूम रहे हैं मैं किसी से कम नहीं। ऐसे बिगड़ैल यूट्यूबर के इंटरव्यूज होना और भी अचरज की बात है। पहले के जमाने में बड़े बुजुर्ग इस तरह की हरकतों पर नकेल कसते थे। खैर जमाना आधुनिक है इस लिए समाज इसे स्वीकारता और आनंदित होता है। पर ये बहुत ही गम्भीरता से सोचने का विषय है-हमारे घरों के छोटे-छोटे बच्चे किस दिशा में जा रहे हैं। माता-पिता क्यों जानबूझ कर अनदेखा कर रहें हैं? क्यों नहीं अपने बच्चों को टाईम और संस्कार देना चाहते हैं? क्यों अपने हाथो अपने बच्चो को दलदल में धकेल रहें हैं। आजकल के माता-पिता बहुत ज्यादा मार्डन है और उन्हें नंगापन, बॉयफ्रेंड और मार्डन परिवेश बेहद आकर्षित करती है। ये आने वाली पीढ़ी और समाज के लिए घातक सिद्ध होगा। टीनएजर लड़कियों की मनःस्थिति को अपने खास मकसद के मुताबिक ढाला जा रहा है। अब तो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस आभासी नग्नता के अड्डे बने हुए हैं। वल्गर रील्स और वीडियोस तो अब हर घर के टीनेजरस बना ही रहे हैं। अब तो ऐसा महसूस होने लगा है कि वैश्यावृति के अड्डे भी नये विकल्पों के साथ हवस परस्त मर्दो के लिए उपलब्ध हो गए हैं। सोशल मीडिया पर आजकल जो ये फॉलोवर बढ़ाने के लिए जो नग्नता परोसी जा रही है। क्या उसमें परोसने वाले ही दोषी हैं? क्या उसको लाइक और शेयर करने वाले दोषी नहीं हैं? मेरे हिसाब से तो वह ज्यादा दोषी हैं। अगर हम ऐसी पोस्ट या वीडियो को लाइक शेयर करना ही बंद कर दें तो क्या ये बंद नहीं हो सकता? आज सामाजिक विकार अपने सफर के सफलतम पड़ाव में है। रोकथाम की कोई गुंजाइश नहीं है। अब तो प्रलय ही इसकी गति को रोक सकती है। सोशल मीडिया में रील्स पर नग्न और अश्लील नृत्य की नौटंकी करने वाली बेटियों से निवेदन है कि चंद कागज के टुकड़ों के लिए अपने परिवार और धर्म की इज्जत तार-तार ना करो। पैसे आपको आज नृत्य के लिए नहीं अपितु नग्नता परोसने के लिए दिए जा रहे है ताकि पूरे समाज को एक दिन रसातल में धकेल कर नीचा दिखाया जा सके।

हमारी संस्कृति ही नहीं बचेगी तो-तो हमारे राष्ट्र का और आने वाली पीढ़ियों का दुर्गुणों से विनाश होने से कोई बचा नहीं सकता है। अभी समझे कि संस्कृति क्या है और इसे बचाना क्यों जरूरी है। यह हमारे राष्ट्र का स्वाभिमान है। हमें चाहिए अश्लीलता और नग्नता मुक्त समाज अपनी नष्ट हो रहे सभ्यता और संस्कृति की रक्षा करें। बॉलीवुड की अश्लीलता, नग्नता और गाली गलौज से भरी फिल्मों और वेब सीरीज का बहिष्कार करें। अश्लील गाना एवं अश्लील फिल्मों का बहिष्कार करें। सोशल मीडिया में ट्वीटर, फेसबुक आदि ऐसे प्लेटफार्म हैं जिसके माध्यम से लोग अपने विचार, अभिव्यक्ति के साथ किसी महत्त्वपूर्ण जानकारी का प्रेषण करते हैं। किन्तु वर्तमान में इन प्लेटफार्मो में अश्लील, आपत्तिजनक व नग्नता पूर्ण मैसेज व विज्ञापन की भरभार होने के साथ जुए जैसे खेलों को खेलने के लिए प्रोत्साहित कर सामाजिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है। हमारे नौनिहाल, बहन बेटी भी इन प्लेटफार्मो का बहुतायत उपयोग करते है। इस प्रदूषण पर अंकुश लगवाने के लिए सभी को सोचना होगा और खुद पहल करनी होगी। आज चेतना चाहिए नहीं तो कल रास्तों में होगा नंगा नाच। आप देश का भविष्य हो, कठपुतली मत बनो। स्वच्छंदता के नाम पर फूहड़ता सोशल मीडिया के इस दौर में अपने चरम पर है। हमारी संस्कृति में स्त्री को धन की संज्ञा से नवाजा गया वह भी बहुमूल्य न कि टके बराबर। इसलिए राजदरबारो में होने वाले मुजरे भी चारदीवारो के अंदर ही होते थे। सत्य यह है कि अश्लीलता को किसी भी दृष्टिकोण से सही नहीं ठहराया जा सकता। ये कम उम्र के बच्चों को यौन अपराधों की तरफ ले जाने वाली एक नशे की दुकान है और इसका उत्पादन आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म स्त्री समुदाय के साथ मिलकर कर रहा है। मस्तिष्क विज्ञान के अनुसार 4 तरह के नशों में एक नशा अश्लीलता से भी है।

आचार्य कौटिल्य ने चाणक्य सूत्र में वासना' को सबसे बड़ा नशा और बीमारी बताया है। यदि यह नग्नता आधुनिकता का प्रतीक है तो फिर पूरा नग्न होकर स्त्रियाँ पूर्ण आधुनिकता का परिचय क्यों नहीं देती? गली-गली और हर मोहल्ले में जिस तरह शराब की दुकान खोल देने पर बच्चों पर इसका बुरा प्रभाव पड़ता है उसी तरह अश्लीलता समाज में यौन अपराधों को जन्म देती है। इसको किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता है। विचार करिए और चर्चा करिए या फिर मौन धारण कर लीजिए।

चिंतन-मनन

इसलिए सबसे छोटा है कलियुग

शास्त्रों में सृष्टि के आरंभ से प्रलय काल तक की अवधि को चार युगों में बांटा गया है। वर्तमान में हम जिस युग में जी रहे हैं उसे कलयुग कहा गया है। इससे पहले तीन युग बीत चुके हैं सतयुग, त्रेता और द्वापर। भगवान श्री राम का जन्म त्रेतायुग में हुआ था और द्वापर में भगवान श्री कृष्ण का। कलियुग के अंत में भगवान कलकि अवतार लेंगे और संसार में फैले पाप और अन्याय के साम्राज्य का अंत करके पुन? धर्म की स्थापना करेंगे। भगवान ने चारों युगों में सबसे कम उम्र कलियुग को प्रदान किया है। शास्त्रों में सतयुग की अवधि 17 लाख 28 हजार वर्ष बतायी गयी है और त्रेता की अवधि 12 लाख 28 हजार। द्वापर युग की अवधि 8 लाख 64 हजार है जो त्रेता से लगभग 4 लाख वर्ष कम है। कलियुग की अवधि द्वापर से ठीक आधी, यानी 4 लाख 32 हजार है। सतयुग से कलयुग तक सभी युगों की अवधि छोटी होती गयी है। इसका कारण यह है कि, भगवान बताना चाहते हैं, जो जितना पापी होगा उसकी उम्र उतनी कम होगी। भविष्य पुराण सहित कई शास्त्रों एवं पुराणों में बताया गया है कि कलियुग में पाप की पराकाष्ठा होगी। मनुष्य का व्यवहार सृष्टि के नियम के विरूद्ध होता जाएगा। हिंसा में मनुष्य पशुओं को भी पीछे छोड़ देगा। पशु तो सिर्फ अपनी भूख मिटाने के लिए दूसरे पशु को मारते हैं मनुष्य अकारण ही दूसरे मनुष्य को मारेगा। सच्चे संत भिखारी कहलाएंगे और अपमानित होंगे। कथावाचक और झूठे संत ऊंचे आसन पर विराजमान होंगे। तुलसीदास जी ने भी कलियुग के इस रूप का वर्णन किया है। त्रेतायुग में रावण ने सीता का हरण किया लेकिन उनकी मर्जी के बिना उन्हें अपनाना पाप समझा। इस युग में छोटा भाई बड़े भाई के प्रति आज्ञाकारी था। बड़ा भाई अपने स्वार्थ के लिए छोटे भाई के साथ छल नहीं करता था। इसका उदाहरण राम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न ये चार भाई हैं। त्रेता से जब द्वापर में आते हैं तब पाप बढ़ता दिखता है। द्वापर युग में देवर अपनी भाभी को बीच सभा में नग्न करने की कोशिश करता है जिसका उदाहरण द्रौपदी चीर हरण की घटना है। राजा अपनी शक्ति के मद में अबला स्त्री को हवस का शिकार बनाना चाहता है। इसका उदाहरण जयद्रथ द्वारा द्रौपदी हरण और दुर्योधन द्वारा भीलों की कन्या का हरण करने की घटना है। भाई अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए पूरे परिवार को युद्ध की आग में झोंक देता है इसका उदाहरण महाभारत युद्ध है। लेकिन कलियुग में आये दिन भाई-भाई, बाप-बेटे में स्वार्थ की पूर्ति के लिए लड़ाई होती है। लोगों की काम-वासना इतनी बढ़ गयी है कि आये दिन स्त्रियों का हरण होता है और उन्हें अपमानित किया जाता है। पाप आचरण से भरा हुआ कलियुग अगर अधिक दिनों का होगा तो सृष्टि में हाहाकार मच जाएगा। यही कारण है कि भगवान ने कलियुग को सबसे कम उम्र दिया।

आस्था : गंगा घाट पर गोदावरी का संगम

नितिन प्रधान

देश दुनिया में अभी प्रयागराज में संगम तट पर चल रहे महाकुंभ को लेकर भारतीय संस्कृति की चर्चा हो रही है। तीन नदियों के संगम में करोड़ों सनातनी आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। यह क्रम जारी है।

26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन तक यह सिलसिला देखने को मिलेगा। इसी बीच काशी में गंगा तट पर काशी तमिल संगमम 3.0 चल रहा है। अपने तीसरे संस्करण में यह 24 फरवरी तक सनातनियों के लिए आत्मीय संबंध को नया आयाम देगा। काशी के पवित्र घाटों पर आयोजित काशी तमिल संगमम 3.0 वास्तव में गंगा और गोदावरी के मिलन जैसा अनुभव कराता है। गंगा घाटों पर जब तमिलनाडु और दक्षिण भारत के श्रद्धालु पहुंचते हैं तो यह केवल यात्रा नहीं, बल्कि संस्कृतियों के अभूतपूर्व संगम का उत्सव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 इस भावनात्मक और सांस्कृतिक एकता का सजीव उदाहरण है, जहां दक्षिण और उत्तर भारत की परंपराएं एक-दूसरे में समाहित होती नजर आती हैं।

भारत की दो प्राचीन और समृद्ध सभ्यताओं का आत्मीय संगम है। गंगा के किनारे लोग एक-दूसरे को ह्यवणक्कम काशीह्न कहकर संबोधित करते हैं, तो यह अनूठा और भावनात्मक अनुभव बन जाता है। काशी तमिल संगमम 3.0 न केवल उत्तर और दक्षिण भारत के बीच संस्कृति सेतु का कार्य कर रहा है बल्कि यह ह्यएक भारत, श्रेष्ठ भारतह्न की अवधारणा को भी साकार कर रहा है। यह संगमम 3.0 भारतीय परंपराओं, संस्कृतियों और जीवन मूल्यों का उत्सव है, जो विविधताओं के बीच राष्ट्रवाद की भावना को और प्रबल करता है। यह उत्तर और दक्षिण भारत के बीच सांस्कृतिक सेतु के रूप में कार्य कर रहा है। जब तमिलनाडु से यात्री वाराणसी रेलवे स्टेशन पर उतरते हैं, तो उनका स्वागत ह्यहर हर महादेवह्न के जयघोष से किया जाता है।

ढोल-नगाड़ों की थाप, स्वस्तिवाचन और पुष्पवृष्टा से हर यात्री स्वयं को विशिष्ट अनुभव करता है। कांचीपुरम, जिसे संक्षेप में कांची कहा जाता है, तमिलनाडु का महत्त्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक केंद्र है। यह क्षेत्र हिन्दू धर्म के प्राचीन तीर्थ स्थलों में से है, यहां कई ऐतिहासिक मंदिर स्थित हैं। कांची पलार नदी के किनारे बसी है, न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है बल्कि अपनी रेशमी साड़ियों के लिए भी प्रसिद्ध है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, ब्रह्मा ने यहां देवी के दर्शन हेतु तपस्या की थी। कांची को मोक्षदायिनी सप्त पुरियों में स्थान प्राप्त है, जिनमें अयोध्या, मथुरा, द्वारका, हरिद्वार, काशी, उज्जैन और कांची शामिल हैं। यह नगरी हरिहरात्मक पुरी के रूप में प्रसिद्ध है, जहां शिवकांची और विष्णुकांची नामक दो भागों में विभिन्न मंदिर स्थित हैं। तमिलनाडु के लोग के लिए काशी केवल तीर्थ नहीं, बल्कि आध्यात्मिक आकर्षण का केंद्र है। भगवान विनाथ, मां गंगा और देवी विशालाक्षी सदियों से तमिल भक्तों को अपनी ओर आकर्षित करती रही हैं। आदि शंकराचार्य के काशी आगमन और उनके द्वारा अद्वैत वेदांत के प्रचार के बाद, तमिल संतों का काशी से लगाव और गहरा हो गया।

काशी केवल शहर नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र है। बाबा विनाथ, काल भैरव, मां अन्नपूर्णा, देवी विशालाक्षी, आंध्र के मल्लिकार्जुन और तेलंगाना के भगवान राजराजेर जैसे तीर्थस्थल भारत की सांस्कृतिक पहचान को परिपूर्ण बनाते हैं। इस पवित्र नगरी ने अनेक संतों और महात्माओं को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की है, जिसका प्रभाव आज भी तमिल समाज में देखा जा सकता है। काशी का तेलुगु संस्कृति से भी गहरा नाता है। आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालु काशी आते हैं। तेलुगु संतों और आचार्यों ने भी इस नगरी को विशेष रूप से गौरवान्वित किया है। तेलुगु संत तेलंगस्वामी, जिनका जन्म विजयनगरम में हुआ था, को स्वामी विवेकानंद के गुरु रामकृष्ण परमहंस ने काशी का ह्यजीवंत शिवह्न कहा था। इसके अलावा, जिद्दू कृष्णमूर्ति और अन्य महान संतों को आज भी श्रद्धा के साथ याद किया जाता है।

काशी और तेलुगु संस्कृति का संबंध साहित्य और आध्यात्मिक परंपराओं में भी स्पष्ट रूप से झलकता है। आंध्र प्रदेश के वेमुलावाड़ा तीर्थ को ह्यदक्षिण का काशीह्न कहा जाता है, यहां की मंदिर परंपराओं में ह्यकाशी दारमह्न (विशेष काला सूत्र) का प्रचलन आज भी है। इसी प्रकार, तेलुगु साहित्य में ह्यकाशीखंडमह्न जैसे ग्रंथ काशी की महिमा का बखान करते हैं। समय के साथ काशी में भी व्यापक बदलाव हुए हैं। बाबा विनाथ धाम का पुनरु द्धार, गंगा घाटों का नवीनीकरण और बेहतर परिवहन सुविधाओं ने काशी यात्रा को और सुगम बना दिया है। पहले जहां दशामेध घाट तक पहुंचने में घंटों लगते थे, वहीं अब हाईवे और नई परिवहन व्यवस्थाओं से यह समय काफी कम हो गया है। गंगा में सीएनजी चालित नावें चलाई जा रही हैं। बनारसी खानपान लस्सी, ठंडाई, चाट, लिट्टी-चोखा और बनारसी पान जैसे पारंपरिक स्वाद काशी यात्रा को और यादगार बना देते हैं। वाराणसी के लकड़ी के खिलौने आंध्र प्रदेश के एटिकोपाका खिलौनों की तरह ही प्रसिद्ध हैं, जो भारतीय हस्तशिल्प की समृद्ध परंपरा को दशार्ते हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

In the absence of SAARC

ONLY weeks ago, Delhi and many other parts of northern India emerged from a season of choking smog. Likewise in Lahore, where the provincial government had to declare a health emergency, shut down schools and colleges, and order residents to stay at home. In the two Punjabs, Indian and Pakistani, an arid winter is making farmers nervous about the rabi crop. Jammu & Kashmir hasn't had enough snowfall this year, which is bad news for its rivers. The Chenab has bottomed out already. Pakistan-occupied Kashmir (PoK) is undergoing a similarly dry winter. The impact is felt all the way across in the Himalayas in Nepal, dependent for snow and rain on the same western disturbances that bring winter precipitation to northern India and Pakistan.

Across the entire region, climate change has affected livelihoods and is endangering lives. Typically, it is the poor that bear the brunt of extreme weather events. When global warming raises sea levels, threatening to engulf Mumbai, Karachi, Kolkata and Dhaka in frequent flooding, extreme rainfall, cyclones and salinisation, it is the poorest in these large cities who will be the worst affected. The warming is also depleting marine resources, causing conflicts among fishers across borders, for example, between those from Tamil Nadu and Sri Lanka's Jaffna.

In the face of these challenges, civil society groups and media representatives from South Asia gathered earlier this month to discuss the possibilities of regional cooperation for climate action. It is possible to imagine that as the biggest economy in the region, a rising world power and an aspiring leader of the Global South, India would have hosted the conference, in line with its Neighbourhood First policy. But that boat has sailed. The conference, which brought together about a hundred people, was held in Islamabad at the Jinnah Convention Centre, all spruced up after a recent facelift for the SCO Heads of Government meeting that Pakistan hosted last October.

It was not the embattled government of Prime Minister Shehbaz Sharif that organised this ambitious conference. The event was put together and helmed by the leading Pakistani media group Dawn. Seamlessly choreographed, the two-day conference, 'Breathe Pakistan — International Climate Change Conference', packed in 14 sessions, had the backing of several sponsors led by the provincial government of Punjab, the United Nations and the World Bank. Call it Track 2.5 or 3.5 or even 4. The visas, especially for invitees from India, would not have been possible without the official green light. I attended the event as a speaker in a session on the media's role in climate action. Sonam Wangchuk, the famous Ladakh-based activist, and Harjeet Singh, the head of a climate resilience NGO, were among the others from India. Sunita Narain of the Centre for Science and Environment participated via Zoom.

The conference was being held against the rise of climate change-denying leaders in the US, and in other parts of the world — copycat 'Trumpism', as Harjeet described the new American age during a session on 'Decarbonisation of South Asia'. The other elephant in the room was the absence of official engagement between the two biggest nations in the region, India and Pakistan. But that seemed to be the point: the climate emergency is too real, too here and now, to wait for conflict resolution, or for Trumpism to fade.In an ideal world, climate change should have been right up the street of SAARC — a one-time dream of regional cooperation that struggled with bilateral hostilities from the start and is now comatose and brain-dead. If India has been striving to set up regional cooperation without Pakistan (also known in Delhi circles as 'SAARC-minus one'), think of the conference as a sort of riposte, albeit a civil society-driven one, that action against climate change cannot be envisioned in 'minus one' terms. Pakistan has been ravaged in recent years by floods of epic proportions, glacial melt, the degradation of the Indus basin ecosystem, winds from the west carrying dust, and smog of the same kind — and from similar sources — that paralyses life in north India for three months every year.

Rebuilding Punjab from the new low of deportation flights

The next generation yearns for a path forward and needs a clear thought and vision for the future.

Punjab's slide has reached its nadir. The exodus of its youth through clandestine routes and the eventual cruel deportation of some of them from the US to the holy city of Amritsar lately are the new lows. Once the number one state of the country across indices, even up to 2003, it has fallen drastically over the past two decades. One may sound like a prophet of doom, but the reality truly bites. Mindboggling as it may seem, even during the era of militancy, the state's agrarian economy sustained itself remarkably.Historically, the people of the state have been happy, progressive and extremely hardworking. The youth took to the armed forces, administrative services, entrepreneurship and innovative farming like fish to water. And yet, this industrious state and its enterprising people are now at a loss and looking for avenues of escape.Punjab's industrial prowess and its avenues of trade and business, took multiple hits during the Partition of 1947, and further in the Indo-Pak wars, and still more during the over a decade of militancy. The state's debt exceeds Rs 3,50,000 crore and it ranks at the bottom of the 18-state Fiscal Health Index 2025.But the slide is not just economic. There is also a severe political trust deficit, across party lines. The Akali Dal is decimated and its leadership lately shamed by the Sikh clergy itself. The Akali Dal under Prakash Singh Badal has had the longest reign of nearly 19 years, including the period of slide from 2007-2017, even though it was in partnership with the powerful national ally, the BJP, for much of this period.The present-day ruling party of the state, the AAP, has done precious little to improve the lot of its people or its economy although it is halfway through its term of office.Since Independence, the Punjabis have been pivoting between the Congress and the Akalis and finally mandated the AAP for political control after lacklustre terms of the other two favoured parties. However, in the last two decades, every promise of prosperity by each party has been but a chimera for the people of Punjab.Terming the problems of Punjab today as existential may not be an overstatement. For too long, the youth have watched their leaders head for the national capital and return thumping their chests, parroting perceived victories, easily befogged and befooled by the powers-that-be, only to find their Punjab further diminished.Also, its bargaining chips, political or otherwise, are few, and most have been pawned away for the personal greed of politicians. In the numbers game of politics, our once numero uno state is today befuddled, landlocked, politically unimportant and hopelessly in debt.The next generation, thus, yearns for a path forward and needs a clear thought and vision for the future. Look around you, they tell their elders: name one leader who can guide you through the morass and pull Punjab out of the quicksand!They look at their remarkable legacy, the Khalsa sarkaar of Maharaja Ranjit Singh, when Punjab's boundaries extended across the entire Indus Valley up to Tibet and Ladakh, all the way to Khyber, and down to Delhi. And yet, they find that the state has not had a single stalwart who could match the vision and

dynamism of Partap Singh Kairon, who, in his term (1957-1964), ushered in not only the Green Revolution but also invited industry leaders. He even had Le Corbusier build the new capital city of the state, Chandigarh.

It was after his assassination in 1965 that the Punjab state was reorganised on a linguistic basis, a possibility that Kairon had resisted tooth and nail. With this new development, this proud state, which had lost over 2,00,000 square km of its territory to Pakistan due to the line drawn by Radcliffe partitioning the subcontinent, lost another 58.8 per cent of itself to a three-state solution brought about by the Akali Punjabi Suba movement.

The Great Land of Punjab which comprised a massive 3,60,000 sq km pre-Independence, has been squeezed to just 50362 sq km. Indeed, a Punjab diminished by stature and by size!This remarkable downside of the land of the Khalsa has a contrarian upside as well. The faith moved on, so it seemed, across the globe.

Historically, the Sikhs were never backseat drivers and, thus, led from the front in the wars raged against the British (the Anglo-Sikh wars) and for the British later. Post the fall of the Khalsa Raj, evidence of Sikhs battling it out in Malta, China, Tibet, Japan, Somalia, Iraq, Mesopotamia, Sudan and elsewhere during the two World Wars is extensive. And, they dug roots in these territories.In the contemporary times, they have expanded their universe manifold into the global village. It is this fact that makes the latest deportations of youth even more unpalatable.The frustration of the young Punjabi flows from the downright illogic of Punjab's reality. It grows the staples, wheat and rice, in mindboggling tonnage, yet processes minuscule amounts into foodstuff. It has the iconic Golden Temple that attracts the highest number of visitors — 40 million per annum -— but no MICE (Meetings, Incentives, Conferences and Exhibitions) tourism and no plans for synergetic journeys across the state.It has a border that opens out the subcontinent to the entire Asian plate and beyond, and no trade. It has nurtured entrepreneurship, but its businessmen have funnelled their major investments elsewhere. It has been the food basket for the nation, yet its farmers are in penury.Only a holistic overhaul can excite the youth again — perhaps, a short-term strategy to counter the fall, a mid-term policy to steady the boat and a long-term approach striding new technologies.

Diversifying the economy, enabling a surge in exports, reforming education, straddling environmental degradation; doubling down on such low-hanging fruits as tourism, entrepreneurship, and services; bringing young women centre stage; creating a calendar of events for tourism and business; rethinking the agrarian basket and adding value — all this requires a master plan and a systemic change in its execution methodology.

Perhaps the bugle, rather the "nagada", of renaissance has already been sounded by Diljit Dosanjh in his clarion call: "Oh, Punjabi aa gaye oye" (the Punjabis have arrived). As an icon of the youth, he may just have lit a beacon of hope in them.It is about time the Punjabis stepped out of hibernation and took a pride of place in the nation and elsewhere, one that is rightfully theirs, on a high in life and not hanging low in nadir.

Beyond deportation

Will Vaishnaw take blame for stampede

The horrific New Delhi station stampede, which claimed 18 lives, was not an accident—it was a failure of planning, foresight and accountability. As thousands of pilgrims flocked to board trains for the Maha Kumbh Mela in Prayagraj, the authorities failed to anticipate and manage the massive rush, leading to tragic consequences. Former Railway Minister Pawan Kumar Bansal was blunt in his assessment: the ultimate responsibility lies with the Railway Minister. The government's inability to put proper crowd control measures in place despite knowing the surge in travellers is a glaring oversight. The Maha Kumbh is not a surprise event; its scale and impact on railway traffic are well-documented. Why, then, was a tragedy of this magnitude allowed to unfold?

In the wake of the disaster, the government swiftly announced Rs 10 lakh compensation for each victim's family and Rs 2.5 lakh for the seriously injured, as per Indian Railways' guidelines. However, reports of wads of cash being handed over at the station raise ethical concerns. The sheer optics of authorities distributing notes in violation of 2023 compensation guidelines that allow cash distribution of up to Rs 50,000 only add insult to injury. Instead of fixing systemic issues, is the government attempting damage control with cash payouts?

Not surprisingly, the demand for Railway Minister Ashwini Vaishnaw's resignation has gained traction, with his history of deflecting blame for railway mishaps underlined. The government's initial dismissal of the stampede as a 'rumour' further exposes its reluctance to acknowledge failures. Historically, ministers like Lal Bahadur Shastri and Nitish Kumar stepped down, taking moral responsibility for railway disasters. Will Vaishnaw do the same? Beyond resignations, systemic reforms are necessary. The Railways must overhaul its crowd management protocols, particularly during religious and festival rushes.

Banks bend for rich corporates, break farmers

Why should banking laws be different for different categories of bank customers? Do banks ever treat those who take housing, car, tractor or motorbike loans with the same kind of kid gloves

The inequality is grotesque. Responding to an RTI plea, the Reserve Bank of India has informed that since April 1, 2014, the banks have written off a staggering Rs 16.61 lakh crore of bad loans of corporate India. On the other hand, speaking in Parliament the other day, Hanuman Beniwal, an MP from Rajasthan, said the outstanding farm loans in the country now exceed Rs 32 lakh crore.

More than 18.74 crore farmers are saddled with outstanding loans.In fact, the total outstanding farm loans are 20 times higher than the outlay for the annual agricultural budget, Beniwal said, and asked the Finance Minister why no mention was made of any farm loan waiver scheme for farmers.On the contrary, of the total write-off of Rs 16.61-lakh crore toxic loans of India Inc in the past 11 years (with only 16 per cent recovery), Indian banks appear not to have any second thought before writing-off Rs 10.6 lakh crore of the unpaid loans of India Inc in the past five years. Reports say that 50 per cent of the bad loans being struck belonged to large companies.

But when it comes to farmers, a bank in Shimoga, Karnataka, had showed the utmost urgency by summoning a small farmer who had to walk 15 km in the absence of a regular bus service to clear an outstanding balance of just Rs 3.46.In the financial year 2023-24 alone, banks have written off Rs 1.7-lakh crore. A year earlier, in 2022-23, banks wrote off Rs 2.08-lakh crore. But when it comes to waiving farm loans, the Centre has done it only twice: in 1990 and 2008. Some state governments have done it separately, but it is not a burden on the banks as the states make the payments to the bank for the amount waived.While the unpaid bank loans are written off with sagacity, as if the write-off adds to nation-building, it is so painful to see a video clip of a woman self-help group (SHG) member being dragged to a waiting police van for her inability to pay back Rs 35,000.It appears as if it's only poor farmers and

rural workforce that are responsible for upsetting the national balance sheet with their petty defaults, while the rich defaulters get an easy walkover. The rich defaulters include over 16,000 willful defaulters with an unpaid amount of Rs 3.45-lakh crore in bank loans, and who even the RBI acknowledges had the money but did not want to pay back. Certainly, these are the wealth creators, and the nation must applaud them.

Now take a look at this farmer from Pilibanga in Rajasthan. He took a loan of Rs 2.70 lakh from a finance company and had paid back Rs 2.57-lakh (including Rs 57,000 support received from the state during the pandemic). But unable to pay back the remaining amount, he comes home one day to find his house locked. Later, the lock was broken by outraged villagers.

This unsavoury event must be viewed in the context of a 92 per cent 'haircut' that banks and lenders undertook when Adhunik Metaliks, a leading manufacturer of alloy and steel in the eastern region, settled for Rs 410 crore against their outstanding dues of Rs 5,370 cr after its resolution plan was approved by the Kolkata branch of the National Company Law Tribunal (NCLT), in July 2018.Obviously, with such a huge 'haircut', the promoters of the company said they are willing to complete all activities and start working towards reviving the flagship company. No wonder, once hailed as a transformative resolution mechanism — the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC) — has come under the flap and the banks are no longer enthused to use it for recoveries. Reports say recoveries for banks and other lenders are coming down.

The bigger question, however, remains. If the house of a Rajasthan farmer can be locked for a non-recovery of a pending amount of Rs 20,000, why couldn't the NCLT lock the premises (and put the owners, like farmers, behind bars) of firms like Adhunik Metaliks instead of giving it cakewalk by simply waiving 92 per cent of the pending dues?And, if such a massive 'haircut' is required for a big company, why shouldn't farmers get the benefit of a similar approach and, that too, in a relatively smaller way? After all, their individual outstanding loans are hardly a fraction of the corporate bad debts.

Moreover, why should banking laws be different for different categories of bank customers? Do banks ever treat those who take housing, car, tractor or motorbike loans with the same kind of kid gloves? How long can the banks go on justifying the need for owning the bad debts of the companies and, that too, in the name of economic growth?

When I see agonising videos on social media of farmers — those running tractors to re-plough their standing cauliflower and cabbage crops in Punjab and Haryana; and, more recently, the crash in tomato prices for farmers in Chhattisgarh and Madhya Pradesh — I am reminded of the Operation Greens scheme launched in the 2018-19 Budget with an outlay of Rs 500 crore to stabilise the prices of tomato, onion and potato.

LIC suffers Rs 84,000 crore dent in portfolio amid stock market crash

New Delhi. The ongoing correction in the equity market has weighed heavily on state-owned life insurer, Life Insurance Corporation of India (LIC), which has seen the total value of stocks held by it dip around Rs 84,000 crore in the past one-and-half months. As of the December 2024 quarter, the value of LIC's holdings in listed companies stood at Rs 14.72 trillion. At current prices (February 18, 2025), the value of these holdings stands at Rs 13.87 trillion, translating into a mark-to-market hit of Rs 84,247 crore or 5.7 per cent.The study is based on 330 companies where LIC holds over 1 percentage point (ppt) stake in the December 2024 quarter. These companies accounted for 66 per cent of total market capitalisation (market-cap) of all BSE listed companies. A large portion of the fall is attributed to the over 10 per cent correction in ITC (Rs 11,863 crore), Larsen & Toubro (Rs 6,713 crore) and State Bank of India (Rs 5,647 crore) shares, thus far in CY25. These stocks have accounted for 29 per cent of the total LIC's value erosion.In total 26 companies, LIC have seen market value erosion of Rs 1,000 crore. The insurer's market value in Tata Consultancy Services (TCS), Jio Financial Services, HCL Technologies, JSW Energy, Adani Ports and Special Economic Zone, HDFC Bank and IDBI Bank has declined in the range of Rs 2,000 crore to Rs 4,000 crore.NBFCs: Top value destroyers

Among sectors, financials including banks, non-banking financial companies (NBFCs) and insurance companies, the top value destroyers, accounted for 22 per cent (Rs 18,385 crore) of total value erosion in LIC's portfolio during the period under review. Information technology (Rs 8,981 crore), infrastructure (Rs 8,313 crore), power generation (Rs 7,193 crore) and pharmaceuticals (Rs 4,591 crore) are other sectors, in which LIC lost over Rs 4,000 crore in value during the period.

ALSO READ: DIIs close India Inc ownership gap with foreign portfolio investors However, Bajaj Finance,

Maruti Suzuki India, Kotak Mahindra Bank, Bharti Airtel, Bajaj Finserv, JSW Steel and SBI Cards have buck the trend, by adding between Rs 1,000 crore to Rs 3,000 crore in LIC's coffers. Reliance Industries (RIL) and Tata Consumer Products added Rs 840 crore each.

No respite soon

Analysts rule out an early respite in LIC's fortunes as they expect the markets to remain volatile amid intermittent bouts of recovery, which could get sold into. Those at HSBC, for instance, expect India's valuation multiple to remain under pressure until earnings stabilize. The December 2024 quarter (Q3-FY25) results, they said, were below estimates, even amid the backdrop of lowered expectations. They expect growth to remain tepid for at least two quarters before the lower base or potential policy impact kicks in and see downside risk to consensus's 15 per cent growth expectations in CY25. "The fall has created a good opportunity for companies with a strong or improving growth narrative. Recent results affirm improving growth prospects for software companies and the sector also benefits from the weak rupee. A less restrictive monetary policy will be good for lenders struggling for capital. We also like consumer companies that benefit from the recovery in rural demand or are tapping into the overseas market," said Herald van der Linde, head of equity strategy for Asia Pacific at HSBC. ALSO READ: Equity MFs rake in Rs 39,688 cr in January despite market volatility The allure of US assets has intensified in the last few months.

Tata Motors shares get boost after CLSA upgrade. Check target price

New Delhi. Shares of Tata Motors are set for a boost after brokerage firm CLSA upgraded its rating. The foreign brokerage now sees the stock as a 'high conviction outperform,' up from just 'outperform' before. It has kept the target price at Rs 930 per share, suggesting a 36% upside from the previous close of Rs 682.50.

At around 11:04 am, shares of Tata Motors were trading 0.34% higher at Rs 683.90 on the Bombay Stock Exchange (BSE). It was up over 1% in early trade.CLSA said the Tata Motors stock has dropped nearly 40% in six months due to weak demand for JLR in key markets, a slowdown in domestic commercial vehicles and passenger vehicles for FY26, and worries about US import tariffs on European cars, which could hurt JLR sales in America.It noted that JLR is trading at just 1.2 times its estimated FY27 EV/EBITDA, much lower than the usual 2.5 times multiple. This includes an expected 4% CAGR in JLR's volume for FY25-27 and an average EBIT margin of 8.8% for FY26-27.

Right now, JLR's implied per-share value is just Rs 200 compared to CLSA's Rs 450 target in its sum-of-the-parts valuation. That gives some room for protection against weak demand and the impact of US tariffs, the brokerage said.

Tata Motors reported a 22% drop in profit to Rs 5,451 crore for Q3, hit by a slowdown in JLR and weaker demand in markets like China.Revenue grew 3% YoY to Rs 1.13 lakh crore. While JLR's EBIT margin improved 9%, analysts pointed out that much of it came from lower depreciation, while margins in the CV and PV segments in India got a boost from PLI incentives.It may be noted that Emkay Global is also bullish, setting a Rs 950 target, while MOFSL has a more cautious view, keeping a 'neutral' rating with a Rs 755 target, citing margin pressure at JLR and weak demand in India.

Hexaware Technologies shares debut at 5% premium over IPO price

New Delhi. Hexaware Technologies made a weak stock market debut on Wednesday, listing at Rs 745.50 on the National Stock Exchange (NSE), marking a 5.30% premium to its issue price of Rs 708 per share. On the BSE, the stock opened at Rs 731, reflecting a 3.25% premium.The listing was largely in line with expectations, as the grey market premium (GMP) had disappeared ahead of the debut, indicating weak demand.The Navi Mumbai-based IT solutions provider had offered shares in a price range of Rs 674-708 per share, raising Rs 8,750 crore through an offer-for-sale (OFS) of 12.35 crore shares by its promoters and existing shareholders. Investors could bid for a minimum of 21 shares and in multiples thereafter.The IPO saw lukewarm demand, with an overall subscription of 2.66 times. The qualified institutional buyers (QIB) segment drove the issue, subscribing 9.09 times their allotted portion.

However, non-institutional investors (NIIs) showed little interest, with their portion subscribed at just 20%. Retail investors and employees subscribed 11% and 32%, respectively.Founded in 1992, Hexaware Technologies provides global digital and technology services, integrating artificial intelligence to enhance customer experiences and business processes.The company leverages AI to drive innovation and efficiency in an increasingly digital landscape.

Brokerage firms were largely positive on Hexaware's long-term prospects, but the tepid listing reflects broader market sentiment and muted bidding during the IPO.The issue was managed by Kotak Mahindra Capital, JP Morgan India, HSBC Securities & Capital Markets, Citigroup Global Markets India, and IIFL Securities, with Kfin Technologies as the registrar.

BSNL turnaround in third quarter because of accounting changes

NEW DELHI. State-owned BSNL's turnaround story is more an accounting changes than operational improvement.The company reported Rs 271 crore profits in the third quarter, first time in 17 years. In the previous quarter, the company had posted a loss of Rs 1,267 crore.

According to detailed financial results released on Tuesday, the depreciation and amortisation cost of the company dropped 44% in the third quarter of the current financial year to Rs 814 crore against Rs 1,443 crore in the previous year.Depreciation and amortisation costs are shown as expenses in the profit and loss statement of a company.

The reason for the sharp fall is that the company during the third quarter changed the method of amortisation of spectrum fees from Straight Line Method (SLM) to the Unit Based Amortization Method (UBAM) with effect from the beginning of the current financial year (2024-25). This change of method has resulted in a decline in value of the amortisation cost.Additionally, the employee cost also came down by Rs 276 crore, or 13.7%, to Rs 1,735 crore in the quarter ended December 31, 2024, compared to Rs 2,011 crore in the same quarter of the previous year.According to the auditor's report, the obligation of the company for employee retirement benefits is short-funded by Rs 414 crore towards gratuity and by Rs 122 crore towards leave encashment.The telecom service provider also cut down its net loss for the nine-month period ending 31 December 2024. The company's net loss decreased from Rs 4,522 crore in the same period of the previous year to Rs 2,527 crore, representing a reduction of Rs 1,995 crore or 44.1%.The company has reported a 9.3% year-on-year growth in revenue in the October-December quarter.However, 20 circles have turned EBITDA positive in the third quarter of the current financial year; when compared to 12 Circles last December Quarter. Bharat Sanchar Nigam Limited (BSNL) will prioritise the rapid expansion of its 4G and 5G networks to enhance service quality and increase network reach, providing customers with faster and more reliable connectivity.

Reliance is India's most valuable company. Check top 10 firms in Hurun India 500

NEW DELHI. Reliance Industries (RIL) is still at the top as India's most valuable company for the fourth year straight, according to the latest Burgundy Private and Hurun India 500 list. Mukesh Ambani's company is ahead of Tata Consultancy Services (TCS) and HDFC Bank.

The 2024 Burgundy Private Hurun India 500 report values Reliance at Rs 17.5 lakh crore. TCS comes in second at Rs 16.1 lakh crore, and HDFC Bank takes third place with Rs 14.2 lakh crore.Reliance's value jumped 12% in a year, while TCS shot up 30% and HDFC Bank climbed 26%. Motilal Oswal Financial Services was the biggest gainer on the list, rocketing 297% in value over a year. Inox Wind and Zepto also saw their values nearly triple.Bharti Airtel made its way into the top five for the first time, jumping two spots as its value surged 75% to Rs 9.74 lakh crore. Meanwhile, the National Stock Exchange (NSE) broke into the top 10, now valued at Rs 4.7 lakh crore.

Among unlisted companies, NSE, Serum Institute of India, Zoho, Zerodha, Megha Engineering, Parle Products, Intas Pharma, Dream11, Razorpay, and Amalgamations topped the list.

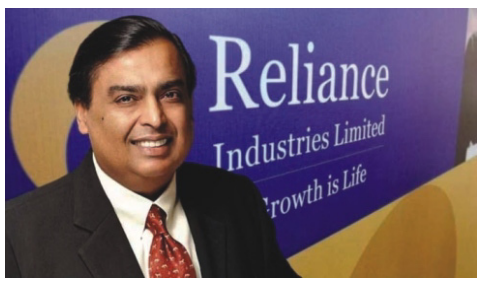

The total value of the 2024 Burgundy Private Hurun India 500 companies stands at Rs 324 lakh crore (about $3.8 trillion). This is more than India's GDP and even the combined economies of the UAE, Indonesia, and Spain.The top 10 companies alone have a combined value bigger than Saudi Arabia's GDP. These companies have done better than the stock market too, with the BSE Sensex rising 27% and the Nifty 50 climbing 30%, while the average growth for these firms was 40%.KEY POINTERS FROM REPORT

Adani Ports & SEZ, part of billionaire Gautam Adani's empire, was worth Rs 2,73,530 crore as of December 13. The whole Adani Group (9 listed firms) had a total value of Rs 13.40 lakh crore. Meanwhile, Ambani's Reliance was valued at Rs 19.71 lakh crore.

Tata Sns, which has 15 companies under its umbrella, was the highest valued industrial group at Rs 32.27 lakh crore, making up 10% of the entire Hurun 500 list.Motilal Oswal was the fastest-growing company this year, soaring 297% in value. Inox Wind and Zepto also saw massive gains.

Quality Power IPO: Check allotment status, latest GMP and listing date

NEW DELHI. The allotment of shares for Quality Power IPO will be finalised on Wednesday. The IPO received a muted response from investors but was fully subscribed by the end of the bidding process.

Quality Power IPO opened for subscription on February 14, 2025, aiming to raise Rs 858.70 crore. The public issue consisted of a fresh issue of 53 lakh shares worth Rs 225 crore and an offer for sale (OFS) of 1.49 crore shares worth Rs 633.70 crore.The IPO was subscribed 1.29 times overall. The retail category saw a subscription of 1.82 times, while Qualified Institutional Buyers (QIBs) subscribed 1.03 times. Non-Institutional Investors (NIIs) showed a subscription of 1.45 times.Investors who applied for the Quality Power IPO can check their allotment status through the BSE website or the registrar's website (Link Intime India Private Ltd).

HOW TO CHECK ALLOTMENT STATUS

Investors who have bid for the IPO can check their allotment through the websites of Bombay Stock Exchange (BSE) and Link Intime India Private Ltd, the registrar for the issue.If you've applied for the Quality Power IPO, you can check your allotment status online in a few simple steps:

STEPS TO CHECK ALLOTMENT THROUGH THE BSE WEBSITE

Go to the BSE website by clicking here.
Click on 'Equity'.Choose 'Quality Power Limited' from the list.Put in your application number and PAN card ID.Confirm that you're not a robot and submit.

STEPS TO CHECK ALLOTMENT THROUGH LINK INTIME LIMITED

Visit the Link Intime India Private Ltd website.
Select 'Quality Power Limited'.
Choose the Application Number/Demat Account/PAN option and enter the details.
Enter the Captcha.
Click on the 'SUBMIT' option.

LATEST GMP FOR QUALITY POWER IPO

The Grey Market Premium (GMP) for Quality Power IPO has seen a significant decline. Earlier, it was around Rs 135, but it has now dropped to Rs 0, as of February 19, 2025, 07:58 AM.

With the price band set between Rs 401 to Rs 425 per share, the estimated listing price remains at Rs 425, meaning there is no expected gain or loss based on GMP.The minimum lot size for an application is 26 shares, requiring a minimum investment of Rs 10,426 for retail investors. Before the IPO opened for public subscription, the company raised Rs 386.41 crore from anchor investors.

Mittal offloads Rs 8,500 cr worth of shares in Airtel

NEW DELHI: Sunil Bharti Mittal-backed Indian Continent Investment Limited (ICIL) offloaded Rs 8,500 crore worth of shares in Bharti Airtel on Tuesday.As per a statement by the company, ICIL sold 5.11 crore shares of Bharti Airtel through a block deal. Bharti Telecom, one of the largest promoters of Bharti Airtel, acquired 1.20 crore of those shares worth Rs 2,000 crore. As per information available on exchanges, foreign investors bought shares worth Rs 5,581 crore, while domestic investors acquired shares worth Rs 754 crore.

GQG Partners through its different funds acquired around Rs 4,000 crore worth of shares, the largest among the FIIs. Vanguard International Value Fund acquired shares worth Rs 282 crore and White-Oak India Equity Fund bought Rs 134 crore shares.

Prior to the transaction, ICIL held 3.31% in Airtel. "Indian Continent Investment Limited (ICIL), a promoter-group entity of Bharti Airtel, has today sold 0.84% shareholding (5.11 crore shares) in Airtel via a market transaction, for an aggregate amount of Rs 8,485.11

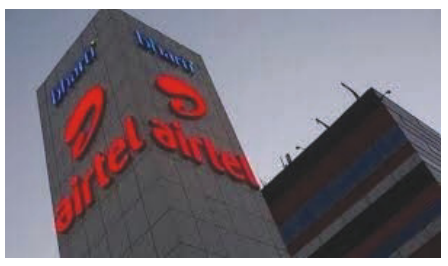

crore," Airtel said on Tuesday in an exchange filing. It said Bharti Telecom anchored the trade by acquiring 1.20 crore shares (24% of ICIL's sale of today), helping overall book to be allocated to key marquee long only names, both global and domestic.This transaction marks the second significant stake purchased by Bharti Telecom in recent months. In November 2024, the company had acquired 1.2% stake in Bharti Airtel from ICIL. With this latest transaction, Bharti Telecom's stake in Airtel has increased to about 40.47%. The company said this reaffirmed its commitment to strengthening its position as the principal vehicle to hold a controlling stake in Airtel, while maintaining a prudent leverage profile."With this, Bharti Telecom holds 40.47% of Airtel, reinforcing its intent of strengthening its position as principal vehicle to hold controlling stake in Airtel, remaining focused on gradually raising its stake while maintaining a leverage profile as it does so," said the company.

ICIL is owned by Mittal, founder and chairman of Bharti Airtel, and his family. The company serves as an investment arm of Mittal family, holding major stakes in various companies, including Airtel. Share prices of Airtel closed at Rs 1,669.50, down Rs 6.05 or 0.36% from its previous closing price.

Small SIP, big returns: Check how Rs 250 a month can grow to Rs 17 lakh

- SBI Mutual Fund's new JanNivesh SIP is making investing more accessible, letting anyone start with as little as Rs 250 a month.

NEW DELHI. A cup of coffee or a Netflix subscription costs more than Rs 250 a month, but have you ever thought about what that small amount could do if invested wisely?Many people hesitate to invest because they think it requires large sums of money or carries too much risk. That's why systematic investment plans (SIPs) have become a popular choice. They simplify investing and reduce risk by allowing small, consistent contributions.

SBI JANNIVESH SIP

SBI Mutual Fund's new JanNivesh SIP is making investing more accessible, letting anyone start with as little as Rs 250 a month.Investors can choose to invest daily, weekly or monthly and need a minimum of 60 instalments.A small investment of just Rs 250 per month can grow into a considerable amount over time. If an investor earns an expected return of 15% per year, a monthly SIP of Rs 250 for 30 years can generate a corpus of Rs 17.30 lakh.

If the investment period is extended to 45 years, the total amount could rise to Rs 1.63 crore. However, these figures do not take inflation into account, which may impact the actual purchasing power of the corpus.At a lower expected return of 10% per year, a Rs 250 monthly SIP for 30 years will result in a corpus of Rs 5.65 lakh. This highlights how consistent investing over time can help individuals build a strong financial foundation.

KEY FEATURES

Low-cost investment: Investors can start with as little as Rs 250 per month, making it an affordable option. The SIP offers daily, weekly, and monthly investment plans.Easy digital access: The JanNivesh SIP will be available on SBI YONO and popular fintech platforms like Paytm, Groww, and Zerodha, making it simple for investors to manage their portfolios.

Affordable and sustainable: The initiative is designed to be cost-effective, ensuring steady growth for small investors.

Challa Sreenivasulu Setty, Chairman, State Bank of India, said, "Through the JanNivesh SIP on our YONO app, we aim to empower more customers with innovative investment opportunities besides promoting financial inclusion."

Nand Kishore, MD & CEO of SBI Mutual Fund, said, "JanNivesh SIP is a pivotal step towards democratising wealth creation and promoting financial inclusion in India. By lowering entry barriers and leveraging digital platforms, we aim to attract first-time investors, small savers, and those in the unorganized sector, with SIP starting at just Rs. 250."

Swati Maliwai asks Arvind Kejriwal to appoint Dalit Leader of Opposition in Delhi

In her letter to Arvind Kejriwal, Swati Maliwal said that choosing a Dalit MLA as the Leader of Opposition in the Delhi Assembly would be a "key step towards adhering to our core principles" and just a political move.

- Swati Maliwal writes letter to AAP chief Arvind Kejriwal
- She recalls unfulfilled promise of Dalit Deputy Chief Minister in Punjab
- Letter comes ahead of BJP's announcement of next Delhi Chief Minister

New Delhi. Aam Aadmi Party (AAP) Rajya Sabha MP Swati Maliwal on Wednesday asked party chief Arvind Kejriwal to appoint a Dalit Leader of the Opposition in the Delhi Assembly to "pay true tribute" to BR Ambedkar.

Taking to X, Maliwal posted a letter she wrote to Kejriwal today and said, "Three years ago, Kejriwal ji had promised in Punjab that he would make a Dalit Deputy Chief Minister, but that promise has not been fulfilled till date."

"I hope this time he will pay true tribute to respected Babasaheb Ambedkar ji by making a Dalit MLA from Delhi the LOP," she added. In conclusion, the AAP MP said that choosing a Dalit MLA as the Leader of Opposition would be a "key step towards adhering to our core principles" and just a political move.

Maliwal's letter comes as the BJP is expected to announce the new Delhi Chief Minister today, more than a week after it stormed to power in the capital city after a hiatus of 27 years.

The oath taking ceremony will take place at noon on Thursday in the city's Ramlila Maidan. The invitation has also been extended to Kejriwal and former Chief Minister Atishi.

The name of the next Chief Minister will be announced following a meeting of the BJP's Parliamentary Board, the party's highest decision-making body.

In the high-stakes February 5 Delhi Assembly polls, the AAP faced a crushing defeat by winning only 22 out of the 70 seats, thus ending the party's 10-year regime in the national capital. The BJP won 48 seats.

Centre asks social media platforms to remove app enabling caller ID fraud

CLI, also known as caller ID spoofing, is a fraudulent technique in which a caller alters their phone number to appear as someone else. Many apps are used by scammers to carry out this deception, often to trick people into sharing personal or financial information.

New Delhi. In a bid to curb cyber fraud, the Centre has sent an advisory to social media platforms, including Facebook, Instagram and X among others, directing them to remove applications that enable users to manipulate their caller Ids.

Essentially, a move against Calling Line Identification (CLI), the Ministry of Communications, in its advisory, said that such offences where a person obtains "subscriber identity modules or other telecommunication identification through fraud" is in violation of the Telecommunications Act as it is punishable by up to three years in prison or a fine extending up to Rs 50 lakh or both.

CLI, also known as caller ID spoofing, is a fraudulent technique in which a caller alters their phone number to appear as someone else. Many apps are used by scammers to carry out this deception, often to trick people into sharing personal or financial information.

The government further pointed out a recent instance where a social media influencer had told people about how to change their CLI so that it appeared as a different number to the receiver, necessitating the need to issue the advisory.

"Any application that allows to tamper telecom identifier (like CLI, IP address, IMEI etc) is abetting users in committing an offence by contravening provisions of Telecommunications Act, 2023 and therefore Social media platforms and Application hosting platforms are required to remove such content/applications that allows or promotes tamper of telecom identifier in contravention to the provisions of the Telecommunications Act, 2023," the ministry said in an official statement.

Issuing the advisory, the government has asked all social media platforms and application hosting platforms to comply and send a compliance report to the Department of Telecommunications by February 28.

Army man donates son's organs after he dies in accident, saves 6 patients

New Delhi. Havildar Naresh Kumar, a serving Non-Commissioner Officer of the 10th Battalion the MAHAR Regiment, donated his son's organs after the 18-year-old died in a road accident. Kumar's act of courage helped save the lives of six critically ill patients.

On February 16, just a week after Arshdeep Singh died on February 8, Kumar consented to donate his son's liver, kidney, pancreas and cornea. The liver and kidney were transported via a green corridor to the Army Hospital Research and Referral in New Delhi and the pancreas was donated to a patient battling life-threatening type 1 diabetes with chronic kidney disease. Meanwhile, the corneas were preserved to restore sight to those in need.

This life-saving effort was made possible through the expertise of Command Hospital, Chandimandir, renowned for organ retrieval.

Central armed forces to take over Bhakra-Nangal Dam security from April

New Delhi. In a major security upgrade, the Central Industrial Security Force (CISF) will replace the police forces of Punjab and Himachal Pradesh at Bhakra and Nangal dams. Sources confirmed that at least 300 CISF personnel will be deployed to guard both dams, which are 35 kilometres apart. While Bhakra Dam is currently under Punjab Police protection, Nangal Dam is secured by Himachal Pradesh Police. This will be the fourth project in the state taken over by the CISF.

The Bhakra-Nangal Dam, a concrete gravity dam on the Satluj River, is a key hydroelectric and irrigation project forming the Gobind Sagar reservoir.

The decision to deploy the CISF comes after security assessments by central agencies, which recommended that a single specialised force would be better suited to protect such critical infrastructure.

Sources said that the Ministry of Home Affairs (MHA) has given the green signal, with CISF deployment expected from April onwards. The move follows concerns over various threat perceptions and security protocols, leading the Bhakra Beas Management Board (BBMB) to hand over security to the CISF. Last year, the force also took over the protection of the Beas-Sutlej Link from Himachal Pradesh Police.

Intelligence agencies have flagged security threats to the Bhakra Dam over the years, particularly regarding the risk of sabotage. While experts believe the dam structure itself is highly resilient, any attack on peripheral infrastructure, powerhouses, or transmission systems could have serious consequences.

Former Punjab DGP Shashikant welcomed the decision, stressing the strategic importance of the dams. "Local police were guarding both vital installations. If there was a security threat and something untoward happened, the water flow could be affected, spreading across regions and even toward Pakistan. This move is a step in the right direction," he said.

PM Modi Pays Homage To Chhatrapati Shivaji On His Birth Anniversary

PM Modi Pays Homage To Chhatrapati Shivaji On His Birth AnniversaryChhatrapati Shivaji Maharaj Jayanti: PM Modi said Chhatrapati Shivaji inspires in building a strong, self-reliant and prosperous India.

New Delhi. Prime Minister Narendra Modi paid homage to Maratha empire founder Chhatrapati Shivaji on his birth anniversary on Wednesday.

PM Modi said on X, "His valour and visionary leadership laid the foundation for Swarajya, inspiring generations to uphold the values of courage and justice. He inspires us in building a strong, self-reliant and prosperous India." Born in 1630 in Maharashtra, Shivaji combined military genius and political dexterity to challenge the Muslim sultans in the south and Mughals in the north to expand his kingdom, which went on to become India's most powerful empire before the British defeated it.

Ensure Full Implementation Of New Criminal Laws In J&K By April: Amit Shah

New Delhi. Union Home Minister Amit Shah chaired a review meeting on the implementation of three new criminal laws in Jammu and Kashmir, in the presence of Lieutenant Governor Manoj Sinha and Chief Minister Omar Abdullah, in New Delhi on Tuesday.

The meeting reviewed the implementation and present status of various new provisions related to police, prisons, courts, prosecution, and forensics in Jammu and Kashmir.

The meeting was attended by the Union Home Secretary, Chief Secretary and Director General of Police of Jammu and Kashmir, the Director General of the Bureau of Police Research and Development (BPRD), the Director General of the National Crime Records Bureau (NCRB), and other senior officials from the Ministry of Home Affairs (MHA) and the UT administration.

During the discussion in the meeting, Home Minister Shah asked the UT administration to ensure full implementation of the three new criminal laws, made under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, in Jammu and Kashmir by April 2025. He said that optimum use of technology should be made to ensure speedy justice under the three new criminal laws.

The Home Minister said that for the full implementation of the new laws, it is imperative to change the attitude of the police personnel and the administration and create awareness about the new laws among the citizens.

He stated that with a decline in terror activities and improvement in security scenarios in Jammu and Kashmir, the police should now prioritise safeguarding the rights of its citizens. HM Shah added that there is an urgent need to use the provision of Trial in Absentia in the union territory.

The Home Minister stressed the need to fix the responsibility of police officers to expedite the process of filing chargesheets. He said that every police station in Jammu and Kashmir should put the maximum use of the National Automated Fingerprint Identification System (NAFIS) into practice.

He said that 100 per cent training of investigating officers regarding the provisions of the new laws should be ensured, at the earliest. HM Shah said that decisions on provisions related to terrorism and organised crime should be taken only after thorough scrutiny at the level of the Superintendent of Police. He added that strict monitoring is required to ensure that these provisions under the new laws are not misused.

Real Estate Firm Raymond Ltd Reports Cyber Security Incident

New Delhi. Real estate firm Raymond Ltd on Wednesday reported a cyber security incident at the company that impacted some of its IT assets.

In a regulatory filing, Raymond Ltd informed that "a cyber security incident has occurred at the company and it has impacted some of the IT assets which have been isolated." The incident has not impacted our core systems and operations, it added. "None of our customer operations and store operations have been affected and the same are up and running normally," the company said.

Raymond assured that the technical team of the company along with a specialized team of cybersecurity experts and the management responded promptly and initiated necessary precautions and protocols to mitigate the impact of this incident.

"The company is investigating the matter and appropriate containment and remediation actions are being taken in a controlled manner to address the incident," the filing said.

With the inception in 1925, Raymond Group has been a pioneer and leader in fabric manufacturing and then forayed in other sectors such as engineering business and real estate. After demerging its lifestyle business into a separate listed entity in the year 2024, Raymond Ltd now has two core businesses of real estate and engineering.

BJP yet to announce Delhi Chief Minister, today's oath invite already out

Eleven days after the BJP secured a stunning win in Delhi after 27 years by defeating AAP, the party is set to end the suspense over the new Chief Minister today when it announces the name of the person in the legislative party meet.

New Delhi. The BJP, which defeated AAP and won in Delhi after 27 years, will end days of suspense as it will announce the new Delhi Chief Minister today even as the party has sent out oath invites for Thursday's swearing-in ceremony at the iconic Ramlila Maidan.

Eleven days after the BJP's victory, the saffron party will hold a legislative party meeting at the party's Delhi unit office to decide the new Chief Minister. Once the newly-elected MLAs from Delhi announce the Chief Minister, he or she will meet Lt Governor VK Saxena at his residence and stake claim to power.

The BJP's Parliamentary Board, the party's highest decision-making body, will meet at noon to decide the observers for the legislative party meeting of the newly-elected MLAs.

Prime Minister Narendra Modi's recent visits to France and the US had led to the delay in the announcement of the new

Delhi Chief Minister. He is expected to attend the key meeting at the party's headquarters.

Among the names doing the rounds are Parvesh Verma, who defeated three-time MLA and AAP chief Arvind Kejriwal from New Delhi, former Leader of Opposition Vijender Gupta, Rekha Gupta, Ashish Sood, Satish Upadhyay and Jitender Mahajan.

In the February 5 Assembly polls, the BJP ended the 10 year-rule of AAP in Delhi by winning 48 of the 70 seats.

Earlier, the BJP held a meeting at the party's Delhi unit office to discuss the oath taking ceremony preparations. Senior leaders like Tarun Chugh, Delhi BJP chief Virendra Sachdeva, Delhi BJP secretaries, all seven BJP MPs from the national capital were present at the meeting.

PREPARATIONS FOR OATH TAKING CEREMONY NEARLY DONE

Preparations for the swearing-in ceremony in Delhi are almost complete at the Ramlila Maidan. Three big stages have been built and PM Modi, Union Home Minister Amit Shah and Lt Governor VK Saxena will sit on the main stage.

Religious leaders will have a place to sit on the second stage. The current MPs and elected MLAs of Delhi will sit on the third stage. Film stars have been given space below the stage.

The swearing-in ceremony will begin at 11:15 am and will end at 12:25 pm. The Chief Minister will take the oath at 12:05 pm. As per protocol, invitations have been sent to AAP chief Arvind Kejriwal and caretaker Chief Minister Atishi to attend the event.

NEWS BOX

US Food Authority Chief Resigns Amid Trump's Mass Firings: Report

Washington, United States.A senior US Food and Drug Administration official who recently oversaw the agency's banning of a coloring linked to cancer has resigned to protest "indiscriminate" firings by President Donald Trump's government, reports said Tuesday.Jim Jones, who joined the FDA in 2023, wrote in a letter seen by Bloomberg News that the layoffs of 89 staffers in the food division which he heads will severely hinder efforts to implement Health Secretary Robert F Kennedy Jr's agenda of improving Americans' diets.

"I was looking forward to working to pursue the department's agenda of improving the health of Americans by reducing diet-related chronic disease and risks from chemicals in food," he said, but the new administration's "disdain for the very people" needed to make these goals a reality meant it was "fruitless for me to continue in this role."The resignation was first reported by industry publication Food Fix.

Jones's departure comes amid widespread federal job cuts involving thousands of people, as Elon Musk's so-called Department of Government Efficiency spearheads an aggressive downsizing initiative, particularly targeting employees still within their probationary period, which lasts at least a year.

Last week, AFP reported that nearly half of an elite team of epidemiologists at the Centers for Disease Control and Prevention (CDC), known as the "disease detectives," were also dismissed. Experts warn that such cuts could endanger public health, especially as concerns grow over the potential for a broader bird flu outbreak in humans.

Jones, who previously served in the Environmental Protection Agency, last month oversaw a ban on Red Dye No 3, a coloring long known to cause cancer in animals but still widely used in thousands of US food products. Health Secretary Kennedy has positioned food industry reform as a cornerstone of his "Make America Healthy Again" initiative, advocating against harmful chemicals and non-nutritive additives while pushing for stricter labeling laws to combat the nation's obesity epidemic.

13-Year-Old Domestic Help In Pakistan Allegedly Tortured And Killed For Stealing Chocolates

World. A couple in Pakistan has been arrested for allegedly killing a 13-year-old domestic help for stealing chocolates. According to the BBC, the girl, who goes only by Iqra, succumbed to severe injuries in hospital last week. A preliminary police investigation said she had been subjected to brutal torture before death. An autopsy is being conducted to assess the full extent of her injuries. The girl's employers, Rashid Shafiq and his wife Sana, along with a Quran teacher who worked for the family have been arrested. The teacher had reportedly brought the girl to the hospital and left after telling hospital staff that her father had died and her mother was not around.

Iqra's death has triggered a wave of outrage on social media, with the hashtag #JusticeforIqra gaining tens of thousands of views. The incident has also reignited discussions on child labour and the abuse of domestic workers in the country, the BBC reported. Notably, laws pertaining to child labour vary across the country, however, in Pakistan's Punjab, children under the age of 15 cannot be employed as domestic workers. “My heart cries tears of blood. How many... are subjected to violence in their homes every day for a trivial job of a few thousand?" activist Shehr Bano wrote on X. "How long will the poor continue to lower their daughters into graves in this way?" she added.

Some users pointed out that her murder was allegedly triggered by something so minor. "She died over chocolate?" one user wrote on X. "This is not just a crime, it's a reflection of (a) system that enables (the) rich to treat (the) poor as disposable," said another.

Speaking to the BBC, Iqra's father, Sana Ullah, said that his daughter began working as a maid at the age of 8. He said that he had sent her to work because he was in debt. After working for a few employees, the 13-year-old went to work for the couple two years ago, who have eight children of their own. Iqra was earning around $28 per month.

Pope Francis Has Pneumonia In Both Lungs, His Condition Remains 'Complex'

Vatican City. Pope Francis, who was admitted to hospital last week, has developed pneumonia in both of his lungs, the Vatican said Tuesday, adding that the 88-year-old was in "good spirits"."The laboratory tests, chest X-ray, and the Holy Father's clinical condition continue to present a complex picture", the Vatican said in a statement.Francis was admitted to Rome's Gemelli hospital last Friday for bronchitis, but the Vatican on Monday said it was changing his treatment following tests.It said Tuesday that a "polymicrobial infection" which has come on top of "bronchiectasis and asthmatic bronchitis, and which required the use of cortisone antibiotic therapy, makes therapeutic treatment more complex"."The follow-up chest CT scan which the Holy Father underwent this afternoon... demonstrated the onset of bilateral pneumonia, which required additional drug therapy," it said.The pontiff had part of his right lung cut away when he was 21, after developing pleurisy that almost killed him.The Vatican had already cancelled a papal audience on Saturday and said he would not attend a mass on Sunday, although it has yet to announce plans for his weekly Angelus prayer, held on Sunday.Nevertheless, Pope Francis is in good spirits," it added.The pope spent his fifth day in hospital alternating rest with prayer and reading texts, the Vatican said.Francis, the head of the Catholic Church since 2013, was admitted to hospital after struggling for several days to read his texts in public.

Panama holds nearly 300 US deportees from India, other nations as officials work on their return

PANAMA CITY. Panama is detaining in a hotel nearly 300 people from various countries deported under US President Donald Trump, not allowing them to leave while waiting for international authorities to organize a return to their countries.

More than 40% of the migrants, authorities say, won't voluntarily return to their homeland. Migrants in the hotel rooms held messages to the windows reading "Help" and "We are not save (sic) in our country."The migrants hailed from 10 mostly Asian countries, including Iran, India, Nepal, Sri Lanka, Pakistan, Afghanistan, China and others.The US has difficulty deporting directly to some of those countries so Panama is being used as a stopover. Costa Rica was expected to receive a similar flight of third-country deportees on Wednesday.Panama's Security Minister Frank Abrego said Tuesday the migrants are receiving medical attention and food as part of a migration agreement between Panama and the US.The Panamanian government has now agreed to serve as a "bridge" or transit country for deportees, while the US bears all the costs of the operation. The agreement was announced earlier this month after US Secretary of State Marco Rubio's visit.Panamanian President José Raúl Mulino, who faces political pressure over Trump's threats of retaking control of the Panama Canal, announced the arrival of the first of the deportation flights last Thursday.The confinement and legal limbo the deportees face has raised alarm in the Central American country, especially as images spread of migrants peaking through the windows of their rooms on high floors

of the hotel and displaying the notes pleading for help.Abrego denied the foreigners are being detained even though they cannot leave the rooms of their hotel, which is being guarded by police.Abrego said that 171 of the 299 deportees have agreed to return voluntarily to their respective countries with help from the International Organization for Migration and the UN Refugee Agency.UN agencies are talking with the other 128 migrants in an effort to find a destination for them in third countries. Abrego said that one deported Irish citizen has already returned to her country.Those who do not agree to return to their countries will be temporarily held in a facility in the remote Darien province through which hundreds of thousands of migrants have crossed on their journey north in recent years, Abrego said.The Panamanian Ombudsman's Office was scheduled to provide more details on the deportees' situation later Tuesday.

Ukraine isn’t invited to its own peace talks. History is full of such examples and the results are devastating

World. Ukraine has not been invited to a key meeting between American and Russian officials in Saudi Arabia this week to decide what peace in the country might look like.Ukrainian President Volodymyr Zelensky said Ukraine will “never accept” any decisions in talks without its participation to end Russia’s three-year war in the country.A decision to negotiate the sovereignty of Ukrainians without them -- as well as US President Donald Trump’s blatantly extortionate attempt to claim half of Ukraine’s rare mineral wealth as the price for ongoing US support -- reveals a lot about how Trump sees Ukraine and Europe.

But this is not the first time large powers have colluded to negotiate new borders or spheres of influence without the input of the people who live there. Such high-handed power politics rarely ends well for those affected, as these seven historical examples show.

1. The Scramble for Africa

In the winter of 1884–85, German leader Otto von Bismarck invited the powers of Europe to Berlin for a conference to

formalise the division of the entire African continent among them. Not a single African was present at the conference that would come to be known as “The Scramble for Africa.”

Among other things, the conference led to the creation of the Congo Free State under Belgian control, the site of colonial atrocities that killed millions.

Germany also established the colony of German South West Africa (present-day Namibia), where the first genocide of the 20th century was later perpetrated against its colonised peoples.

2. The Tripartite Convention

It wasn’t just Africa that was divided up this way. In 1899, Germany and the United States held a conference and forced an agreement on the Samoans to split their islands between the two powers.This was despite the Samoans expressing a desire for either self-rule or a confederation of Pacific states with Hawai'i. As “compensation” for missing out in Samoa, Britain received uncontested primacy over Tonga.

German Samoa came under the rule of New Zealand after the first world war and remained a territory until 1962. American Samoa (in addition to several other Pacific islands) remain US territories to this day.

Europe's Most Active Volcano Is Attracting Thousands Of Tourists. Know Why

World. Mount Etna, Europe's most active volcano, is attracting thousands of tourists eager to witness the spectacular lava flows cutting through the snow-capped mountain. The sudden influx of visitors, however, has caused trouble for rescue workers attempting to reach those in need of assistance. This, because the sightseers are blocking the streets.Salvo Cocina, the regional civil protection head for Sicily, has described the booming tourism around the volcano as "wild" and "extremely dangerous."People are climbing the Sicilian slopes to get a better view. According to Mr Cocina, eight individuals attempting to reach the peak without a guide were lost for several hours on Monday before rescuers found them. It was also reported that a 48-year-old man fractured his foot after slipping on ice.

Mr Cocina has issued a warning, saying tourists were obstructing rescue vehicles by parking in narrow streets.The continuous presence of rescue personnel, including 4x4 ambulances and other off-road vehicles, is crucial for both the authorised guides leading

tourists up the mountain and those working on the volcano, he noted. "Blocking them has created a dangerous situation for everyone," he said.Carlo Caputo, the mayor of nearby Belpasso, warned that although Mount Etna appears visually stunning, it poses serious risks. Lava can rapidly evaporate snow, triggering violent explosions of rock and debris due to the released thermal energy.Boris Behncke, a volcanologist with the Etna Observatory who lives on the mountain's flank, told CNN on Tuesday that the lava had descended to about 1,950 meters in elevation, destroying trees near a service rod.

The eruption, which began on February 11, peaked on February 17. It has since reached the Galvarina area of Adrano at an altitude of 2,000 meters, impacting local infrastructure and trees near the service road.

Etna can erupt multiple times in a year or even a month, spewing lava and ash high into the air. In 2021, it erupted so frequently that it grew nearly 100 feet (30 metres) in height.

Elon Musk Claims Biden Left Sunita Williams In Space For "Political Reasons

Washington DC.US President Donald Trump and his advisor Elon Musk have claimed that NASA astronauts Sunita Williams and Butch Wilmore were "abandoned" at International Space Station (ISS) for "political reasons" and that the previous Biden administration was "going to leave them in space." The remarks were made when Trump and Musk sat down for their first joint interview with Fox News's Sean Hannity.When Hannity asked the President and his advisor about the "two astronauts that I think were abandoned", Musk said, "At the President's request, we - or instruction, we are accelerating the return of the astronauts, which was postponed, kind of, to a ridiculous degree."

"They got left in space," Trump chimed in. Musk seconded the President's claim and said, " Yes, they were left up there for political reasons, which is not good."When asked about Space X's mission to bring back Sunita Williams and Butch Wilmore, Musk said, "Well, we don't want to be complacent, but we have brought astronauts back from the space station many times before, and always with success."

When asked about the timeline of the mission, Musk said, "I think it's about - about four weeks to bring them back."

"You now have the go-ahead," Trump said. "Yes. Well, thanks to you," replied Musk.Trump then claimed that Musk's company didn't have the go-ahead with

the Biden administration. "He (Biden) was going to leave him in space. I think he was going to leave them in space," the Republican added. The Missionutch Wilmore and Sunita Williams launched to the ISS aboard Boeing's Starliner spacecraft in June 2024. The flight, which was intended to last only 10 days, experienced a rocky journey. After arriving at the space station, NASA and Boeing worked for weeks to better understand the problems in the spacecraft but it was ultimately decided that it was too risky to return the Startliner with the crew.

Following this, in August 2024, the space agency announced that it had asked SpaceX to bring Williams and Wilmore home aboard the SpaceX Crew-9 capsule. SpaceX, the private company founded by billionaire Musk, has been flying regular missions every six months to allow the rotation of ISS crews.However, on January 20 Musk said Trump had asked him to facilitate the return of the two Boeing Starliner astronauts Sunita Williams and Butch Wilmore, who have been on the space station since June 2024, as soon as possible.The SpaceX CEO claimed that it was "terrible" that the pair were left "stranded" at the International Space Station (ISS) by former President Joe Biden's administration for so long, even though NASA had already roped in SpaceX months ago to return both astronauts as part of its Crew-9 mission.

Malaysia is betting on data centres to boost its economy. But experts warn they come at a price

JOHOR BAHRU. Winson Lau has always had contingency plans. But he wasn't prepared for data centres.Lau relies on water and electricity to operate his thriving export business in Malaysia's Johor province, where he raises a kaleidoscope of tropical fish in rows of aquariums, including albino fish with red spots that can fetch up to $10,000 from collectors. His contingency plans in the event of an outage involve an intricate system of purifying wastewater through friendly bacteria and an alarm system to quickly switch to backup power.But these measures can't compete with the gigantic, power-guzzling and thirsty data centres being built in Johor. The province is on track to have at least 1.6 gigawatts of data centres at any given moment from nearly nothing in 2019, making it the fastest-growing data centre market in Southeast Asia, according to a report published in April.

Data centres are large, windowless buildings filled with racks of computers that need lots of electricity. To prevent overheating, they rely on energy-intensive air conditioning systems using pumped water. Increasingly used by tech companies for running artificial intelligence systems, the power demand from future facilities in Malaysia may rise to over 5 gigawatts by 2035, according to researchers at Malaysia's Kenanga Investment Bank. This is more than half of Malaysia's entire renewable capacity in 2023.

Over 95% of the energy available to Malaysia in 2022 was from fossil fuels, according to the International Energy Agency. The country is now the fifth-largest exporter of liquefied natural gas globally.And with planned renewable projects, Prime Minister Anwar Ibrahim said in September that the country was "confident of a surplus of energy" to fuel large projects and keep exporting. But Lau doesn't fancy the chances of his homegrown business competing against the foreign-funded behemoths for energy.

Even without data centres, Malaysia is susceptible to power interruptions because

of storms, including one that lasted 30 minutes last year and killed 300,000 fish, costing Lau over $1 million. He worries that data centres would result in longer outages.To survive, Lau is moving to Thailand and already scouting potential locations for a new fish farm. "Big data centre is coming, and there is shortage of power," he said. "It'll be crazy.”

Costs versus benefits

Malaysia is betting that potential economic growth from data centres justifies the risk. Once touted as an Asian tiger on the cusp of becoming rich, its industries shrunk in the late 1990s after the Asian financial crisis. It has since languished in the middle-income trap. Data centres, the government hopes, will modernise its economy and indirectly create thousands of high-paying jobs.

But experts worry that Malaysia, and others like Vietnam, Indonesia and India vying for billion-dollar investments from tech giants, may be overstating data centres' transformative capabilities that also come at a price: Data centres gobble up land, water and electricity while creating far fewer jobs than they promise. Most data centres provide 30 to 50 permanent jobs, while the larger ones create 200 jobs at most, according to a report by the American nonprofit Good Jobs First.

Add to this the rapid increase in power and water use, and some experts like Sofia Scasserra, who researches digital economies at the Amsterdam-based think tank Transnational Institute, said that tech companies exploiting resources in poorer countries while extracting data from their populations to get rich is akin to "digital colonialism.

NEWS BOX

Arshdeep Singh over Harshit Rana to replace Jasprit Bumrah: Ricky Ponting

New Delhi Former Australia captain Ricky Ponting believes that India seamer Arshdeep Singh is the best choice to replace the injured Jasprit Bumrah in the playing XI for the upcoming Champions Trophy. While India named Harshit Rana as Bumrah's replacement in the squad, Ponting feels Arshdeep is better suited to lead the attack in Bumrah's absence.Bumrah's injury left a significant gap in India's bowling unit, raising concerns about who will step up to anchor the attack in a tournament where India will be aiming to end their long wait for an ODI silverware. Despite initially being named in India's 15-man squad, Bumrah was ruled out of the tournament due to a back injury sustained during the Sydney Test of the Border-Gavaskar Trophy.India handed Harshit Rana his ODI debut in the recent series against England, but he struggled with the new ball. Although he improved in his second spells, Ponting, speaking on The ICC Review, expressed concerns over Harshit's lack of control in the early overs and backed

Arshdeep as a better fit for the role."I would go with the left-armer and I'd go with Arshdeep (to replace Bumrah)...We know how good he's been in T20 cricket and if you think about the skill set, he probably provides a similar skill set to what Bumrah does with new ball and death overs and that's what India will miss," Ponting said."That's taking nothing away from Harshit Rana because I think he has got a lot of talent and we know what he can do with the new ball, but I don't think his death skills are as good as what Arshdeep Singh's are...And just that left-arm variation, someone that can bowl left-arm with a new ball and move the new ball. We know how important they are and crucial they can be, especially in big tournaments when you've got a lot of right-handers at the top. I would personally lean that way if I was India," he added.Harshit has shown promise across all formats, becoming one of the few bowlers to claim three-wicket hauls on his Test, ODI, and T20I debuts. He picked up 3/48 on his Test debut against Australia in Perth, followed by 3/33 against England in his first T20I in Pune, and 3/53 in his maiden ODI against England in Nagpur.

Pakistani net bowler, viral after toe-crushers to Rohit Sharma, lives his dream

New Delhi. Fast bowler Awais Ahmad fulfilled his dream when he bowled to Rohit Sharma and Virat Kohli during India's nets session in Dubai ahead of the Champions Trophy. Hailing from Khyber Pakhtunkhwa, Pakistan, Ahmad impressed both Rohit and Virat, swinging the ball both ways. A video recently went viral in which Rohit praised the pacer for his skill.

Champions Trophy Full Coverage

Rohit also mentioned that Ahmad specifically targeted his boots with yorkers. Ahmad revealed that he learned the art of bowling yorkers from Pakistani fast bowler Shaheen Shah Afridi, who has troubled Rohit with this delivery in high-stakes matches. Ahmad was also part of the Lahore Qalandars in the 2021

Pakistan Super League (PSL), though he didn't get the opportunity to play.When I was bowling, Virat was on strike, and later, he had a brief chat with Rohit. Rohit asked Virat which way I was swinging the ball. I heard Virat Bhai say that I was swinging the ball both ways. After that, he batted perfectly and didn't make any mistakes in his stroke play," Ahmad said in an interview with Sports Today."After the net session, Rohit appreciated me. I tried to deceive Rohit Bhai with yorkers, similar to how Shaheen Shah Afridi bowls to him. Later, Rohit said that I aimed for his foot, and that gave me confidence."Both happy and nervous'

On February 23, India will be up against Pakistan in the marquee clash at the Dubai International Cricket Stadium. Ahmed said that he was privileged to have got the chance of bowling players of the calibre of Rohit and Virat."He was definitely practising with the thought that India would face Pakistan later. People dream of meeting Rohit Sharma and Virat Kohli, and I'm lucky that I got to bowl to them."I didn't feel nervous while bowling today, but when I received the message from Mohit (Raghav) bhai yesterday that I would be bowling to the Indian team, I was both happy and nervous at the same time," Ahmed added. Mohit Raghav was the one who arranged the net bowlers.

New Zealand still has squad depth for Champions Trophy despite injuries: Shane Bond

- Shane Bond backed New Zealand's depth despite injury concerns
- Black Caps rely on all-rounders for balance in Champions Trophy
- Confidence high after Tri-Series win against Pakistan in Karachi

New Delhi Former New Zealand cricketer Shane Bond believes that despite a series of injury setbacks, the Black Caps still possess strong squad depth heading into the Champions Trophy. Bond emphasized that the number of all-rounders in the squad provides balance and flexibility, making New Zealand a competitive force in the tournament.New Zealand has suffered multiple injury blows, including the losses of Ben Sears and experienced pacer Lockie Ferguson, both of whom have been ruled out of the tournament. Their replacements, Jacob Duffy and Kyle Jamieson, have been drafted in to bolster the squad. However, Bond, while speaking to ESPN Cricinfo, explained that despite these disruptions, New Zealand remains a well-rounded team capable of fielding a strong playing XI. He particularly highlighted how the presence of several all-rounders enhances the squad's depth, allowing for a more balanced batting lineup."It's transitioning, but really there's still a lot of depth and experience within that New Zealand team. If you look at who they've lost, they've lost probably (Trent) Boult and (Tim) Southee, and obviously a few others. (Lockie) Ferguson now through injury. But it's a very experienced lineup. It's a lineup that has got experience in subcontinent conditions, they've been successful over the last period of time. It's a very good one day side and New Zealand will take a lot of confidence into this tournament given the recent success in the Tri-series," Bond said.

"I think having four spin-bowling all-rounders, and three of them being genuine batsmen means Mitch Santner will coming at eight. You could even potentially have a Nathan Smith at nine or a Matt henry at nine. So New Zealand's depth of batting, there's lif

and right handers throughout the order and there's power hitting. So after the wickets turn, New Zealand have got their depth with (Rachin) Ravindra, who they'll come back in a spin bowler and experience through that batting lineup. Someone like Will Young's likely to miss out, Mark Chapman, who's been very successful in Pakistan. I think New Zealand will take a great deal of confidence in the squad that they've got and the recent Tri-Series will really help their confidence, which is sort of very different to the T20 World Cup. This time they come very well-prepared and with the confidence of some wins behind them," he added.The Black Caps are set to play the high-stakes Champions Trophy opener against co-hosts Pakistan on February 19 in Karachi. Their recent Tri-Series victory over Pakistan at the same venue gives them a psychological edge heading into the tournament. However, concerns remain over injuries, with star all-rounder Rachin Ravindra also in doubt for the opener. Ravindra suffered a serious facial injury during the Tri-Series and is still undergoing recovery. New Zealand head coach Gary Stead recently stated that the 25-year-old is making gradual progress, but his absence would be a significant setback for the team.Despite these challenges, Bond remains optimistic about New Zealand's chances in the Champions Trophy. He believes that their recent successes, combined with the squad's versatility, will help them remain competitive. The team will also be motivated to improve their ICC tournament record, having suffered heartbreak in the 2019 ODI World Cup final and an early exit in the 2023 edition at the hands of India.With a mix of experience, confidence, and a solid core of all-rounders, New Zealand will look to overcome their injury woes and make a strong statement in the Champions Trophy.

Fully fit Novak Djokovic handed shock Qatar Open exit by Matteo Berrettini

- Novak Djokovic's struggles in 2025 continued as he suffered a shocking Round of 32 defeat to Matteo Berrettini at the Qatar Open. The Italian dominated after a tiebreak first set to claim a 7-6 (4), 6-2 win.

New Delhi. Serbian tennis star Novak Djokovic's struggles in 2025 continued as he suffered a shocking defeat to Matteo Berrettini in the Round of 32 at the Qatar Open on February 18. Despite a hard-fought first set that ended in a tiebreaker, Berrettini dominated the second set to secure a 7-6 (4), 6-2 victory over the World No.7.Djokovic had been expected to make a strong comeback in Qatar after his hamstring injury forced him to retire hurt in the Australian Open semi-final against Alexander Zverev. Given that he had never lost to Berrettini in their previous four career meetings, the Serbian was heavily

favoured to win. However, the Italian displayed an aggressive game plan, outplaying Djokovic in key moments. After the match, Djokovic admitted that he was physically fine and played without pain from his recent injury. However, he expressed disappointment in his performance, acknowledging that he had not been able to execute his game plan effectively."I haven't had any pain or discomfort during the match, none of that. Today, I was simply outplayed by a better player, that's all," Djokovic said."I know I wasn't at the desired level, maybe I'm still not moving the way I want to, but what I want to make clear is that I played without any pain, so there's no excuse. Matteo was a better player than me; I think he played a masterful match, to be honest. Tactically, he was great, and he served very well throughout the match. I believe it was a well-deserved victory on his part," he added.For Berrettini, the victory was particularly sweet, as it avenged his defeat to Djokovic in the 2021 Wimbledon final. The win marked the Italian's 10th career victory against a top-10 opponent and reinforced his ability to compete at the highest level.

Berrettini will now face Tallon Griekspoor in the second round as he looks to build on this momentum. Meanwhile, Djokovic's early exit raises further questions about his form and fitness as he looks to bounce back from a challenging start to the season.

Is the Champions Trophy still relevant in the age of T20 cricket dominance

New Delhi. The return of the Champions Trophy could be a defining moment in the history of one-day international (ODI) cricket. After speculation that it would be scrapped despite a successful 2017 edition featuring a blockbuster India vs Pakistan final, the tournament remained in limbo for nearly eight years. The International Cricket Council (ICC) has now revived arguably the most competitive ODI tournament, announcing two editions—2025 and 2029—in a bid to revitalise the format.

It is tough being an ODI. It has neither retained the charm and loyalty of purists, as Test cricket has, nor has it generated the financial returns for cricket boards that the fast-paced, three-hour-long Twenty20 internationals (T20Is) bring. The decline in bilateral ODIs

serves as a stark reminder that the format needs rescuing.

Champions Trophy 2025: Full coverage

It was no surprise that former ICC chief Jagmohan Dalmiya, one of cricket's finest administrators, introduced the Champions Trophy in 1998 (then known as the ICC KnockOuts) to generate revenue for the game. The initiative proved successful—the inaugural edition earned USD 20 million, according to ESPNcricinfo.However, since the success of the first T20 World Cup, ODI cricket has taken a significant hit. Between 1990 and 2006, when ODIs were the financial backbone of the sport, a total of 1,871 ODIs were played. During the same period, only 12 T20Is took place.The landscape changed dramatically after the inaugural T20 World Cup in 2007, which was a massive success, particularly with India winning the title. Since then, despite an increasingly packed cricket calendar:

2,373 ODIs have been played.

3,080 T20Is have been played.

Among Test-playing nations, 2,040 ODIs and 1,320 T20Is have taken place.

The trend is even more striking when looking at the teams participating in the upcoming Champions Trophy:Since the end of the 2023 ODI World Cup, these eight teams have played 229 T20Is but only 101 ODIs.

Benfica hold off Monaco to reach Champions League last 16

LISBON. Benfica snatched a nailbiting 3-3 draw against Monaco on Tuesday to reach the Champions League last 16 with a 4-3 aggregate victory in the play-off round.

Monaco twice led on the night and came close to forcing extra-time but Orkun Kokcu's 84th minute equaliser helped Benfica scrape through in Lisbon, with Barcelona or Liverpool awaiting in the next round.Kerem Akturkoglu put the hosts ahead against the run of play, with Takumi Minamino levelling for Monaco after 32 minutes.Eliesse Ben Seghir fired the visitors ahead but Vangelis Pavlidis struck from the spot to keep the score tied on the night.French youngster George Ilenikhena netted in the 81st minute for Monaco but Kokcu prodded home to send Benfica through."It was a tough night, we knew Monaco would put pressure on us from the start and we felt it, we didn't play

our best game," Kokcu told SportTV."Still, we're happy to have progressed to the last 16, I'm happy to have contributed to the result."Monaco hammered Nantes 7-1 on Saturday in the French top flight, sharpening their pencils ahead of their crucial exam at the Estadio da Luz.Both sides were without key players through injuy and suspension, with Benfica missing Angel Di Maria among others, while Monaco started with just one recognised midfielder.Wingers Maghnes Akliouche and Ben Seghir played more centrally than usual and both shone in Lisbon, despite ending up on the losing side.

Benfica goalkeeper Anatoliy Trubin made a good save to deny Monaco's Krepin Diatta early on, as the Ligue 1 side looked to get back on level terms in the tie and had the better of the first half.However it was the hosts who took the lead after superb work by Benfica striker Pavlidis.The Greek attacker, who netted a hat-trick against Barcelona in the group stage, turned provider on this occasion and, after darting into the area, crossed to the back post for Akturkoglu to turn home.

Champions Trophy 2025 FAQs: Your complete guide to the returning mini World Cup

- Champions Trophy 2025 FAQs: In these 13 FAQs, we have covered everything you need to know about the ICC Champions Trophy 2025, from the schedule and venues to team line-ups and live streaming details. This comprehensive guide ensures you stay informed about all key aspects of the tournament.

New Delhi. The ICC Champions Trophy is making its long-awaited return to the cricket calendar after eight years. At a time when the future of one-day international (ODI) cricket appears uncertain, the marquee tournamentfondly known as the mini World Cup, is back in the spotlight. Pakistan, the defending champions, will host the eight-team competition from 19 February to 9 March, while India's matches will take place in Dubai after the former champions declined to travel across the border, citing security concerns.The ninth edition of the Champions Trophy forms part of the ICC's efforts to reinvigorate ODI cricket at a time when the format faces growing challenges from the proliferation of T20 leagues and players' increasing preference for the shorter format. A battle among the top eight teams in a tournament widely regarded as more competitive than the men's ODI World Cup could provide the much-needed boost to prove to broadcasters that fifty-over cricket remains a commercially viable and exciting spectacle. | Champions Trophy: Full Coverage |For Pakistan, the return of the Champions Trophy is a moment of immense significance in cricketing history. It marks the first time since 1996 that a major ICC event will be held in the country, as well as the first ICC tournament on Pakistani soil in

nearly a decade. For years, Pakistan was exiled from hosting top-tier international cricket following the 2009 attack on the Sri Lankan team bus. However, in recent years, the country has made great strides in assuring visiting teams of its security arrangements, successfully hosting several high-profile bilateral series. The 21-day tournament is expected to further solidify Pakistan's reputation as a safe and capable host, potentially paving the way for more major events and marquee bilateral series in the future.From a cricketing perspective, there is no shortage of excitement. While some big names will be absent due to availability and injury concerns, the wealth of talent on display is set to make this one of the most thrilling editions of the Champions Trophy yet. Much will depend on how well teams are supported in Pakistan, which is set to host at least 10 of the 15 matches.

Here's a complete guide to Champions Trophy 2025 as we answer some of your questions about the tournament.1. When and where is the ICC Champions Trophy 2025 taking place?The tournament is scheduled from February 19 to March 9, 2025, with matches held in Pakistan and Dubai.2. How many editions of the ICC Champions Trophy have been played?This is the eighth edition of the tournament. It was introduced in 1998 as ICC Knockout as part of former ICC chief Jagmohan Dalmiya's efforts to bring in more money to the board coffers. Read more about the tournament's history here.

Shraddha Kapoor

Rajkummar Rao 'Not The Biggest Stars', Says Karan Johar As He Praises Stree 2 Success

Stree 2 became one of the biggest blockbusters of all time when it hit theatres in August 2024. Starring Rajkummar Rao, Shraddha Kapoor, Abhishek Banerjee, Aparshakti Khurrana and Pankaj Tripathi in the lead, the film earned over Rs 800 crore and became the seventh-highest-grossing Bollywood film of all time. Recently, Karan Johar also praised Stree 2. He mentioned that the Amar Kaushik directorial is inspiring because it performed well at the box office despite not having the "biggest stars" in it."I am happy when I see Stree 2 performing so well at the box office. I am so empowered, so inspired that a film that does not boast of a huge star cast with 6 superstars in it. Not like the biggest star of the country is in it. But it is all about the conviction of the producer and the director. More power to Dinesh Vijan and Amar Kaushik. Everyone is fantastic- Rajkummar Rao, Abhishek Banerjee, Aparshakti Khurrana. Shraddha Kapoor, outstanding. Lekin the real bravado is those two!" Karan told Komal Nahta recently, as quoted by Hindustan Times.

"I always say this is not the age just of the director or the star, it is the age of the producer. The way a project gets made, positioned, platformed and released. Even the strategies used

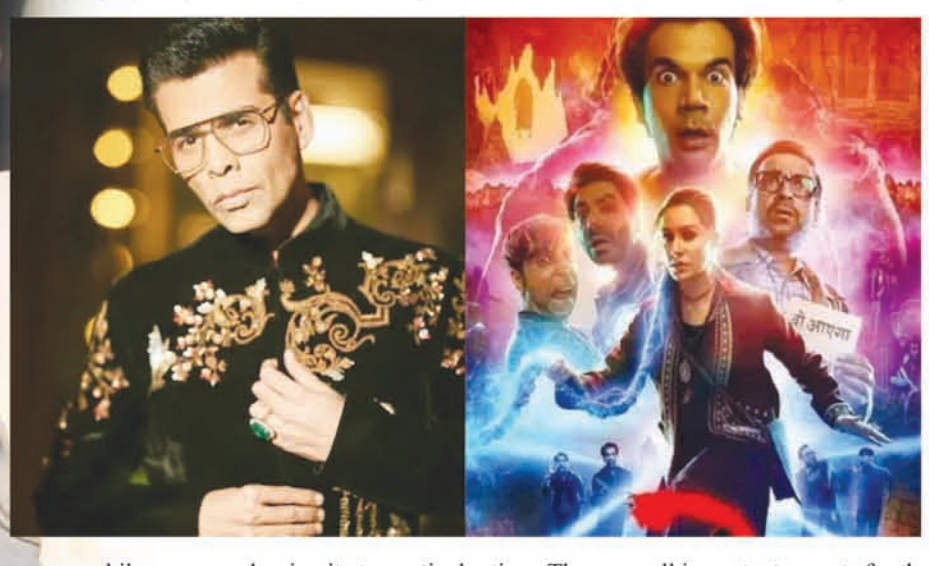

while you are releasing it at a particular time. These are all important aspects for the success of a film. It is the age of the studio and that of the producer," the filmmaker added.

This is not the first time that KJo has praised the success of Stree 2. In August last year too, the filmmaker took to his Instagram handle and penned down a long note congratulating the team.

"The JUGGERNAUT MEGA BLOCKBUSTER SUCCESS of STREE2 is not just a celebration for @maddockfilms but must be viewed as a celebration of Hindi cinema and Indian mainstream cinema… in the past few years Hindi cinema has been under scrutiny for combatting box office challenges… the post pandemic audience has been evolving and many times difficult to assess … But the mega success of STREE 2 has not only validated the strength of a solid storytelling and rooted content but also affirmed that humongous conviction, bravado and focus on concept, story and a deep rooted connect with an audience will pay rich dividends at the ticket window!" he wrote.The original Stree film was released in 2018. It was also widely loved by the audience.

Urfi Javed's

Rs 6.5-Lakh Lehenga Costs More Than Our Entire Wardrobe (And Rent)

Urfi Javed is a fashionista we all wish we had on speed dial! The social media influencer and actress is known for her unique fashion sense and quirky outfits. However, this time, she did a photoshoot in a bridal wear looking like a million bucks (or at least Rs 6.5 lakh), and here we are, trying to convince ourselves that our five-year-old jeans are still 'good as new.' Seriously, if we ever owned a lehenga this expensive, we'd be wearing it everywhere – weddings, birthdays, metro rides, and even while making Maggi at 2 am!Designed by Rimple & Harpreet, this pomegranate pink masterpiece is so regal that even our entire extended family's wedding outfits combined wouldn't match up. It features motifs inspired by archival brocade fragments and Mughal inlay work, paired with a crystal-encrusted blouse. Needless to say, Urfi pulls it off effortlessly, while we still struggle to fold a saree properly without looking like a burrito, right?

In the official website of the designer, this outfit is listed at Rs 6,45,000! This lehenga has more zeros in its price tag than our bank balance. Urfi Javed wears the jewellery from Rah Jewels complete with maangtika, nose ring, earrings and a heavy necklace.Meanwhile, social media is having a meltdown over her "sanskaari" transformation. Some are calling it heavenly, while others are just shook.As for us? Well, we'll just go back to window-shopping designer lehengas online, adding them to our cart, and closing the tab right before checkout. Classic!

Rozlyn Khan Spotted Outside Andheri Court With Lawyer After Filing Defamation Case Against Ankita Lokhande

Actress Rozlyn Khan has taken legal action against Ankita Lokhande, filing a defamation lawsuit following a public dispute between the two. Rozlyn had earlier made the news official by sharing court documents related to the case. The drama between the two actors has now taken a legal turn, with both sides set to face off in court.Khan's legal action comes after Ankita's recent remarks, where she called her allegations "cheap". In an Instagram post, Rozlyn had clapped back at the Pavitra Rishta actress after the latter criticised her for accusing Hina Khan of using cancer for publicity.Today, Rozlyn was spotted at the Andheri Court with her lawyer where she gave an update to the paparazzi about the ongoing legal dispute.

Rozlyn had earlier written about Ankita Lokhande, "A woman who could use the death of his ex for a big boss is preaching to me about cheapness!! Not a big surprise… aa gai sasti publicity lene!!" Khan added, "Guys, I posted a video a few days ago mentioning how these TV actresses are using their fan pages to reshare my videos, harassing and trolling me, and @lokhandeankita has come forward publicly, assaulting my character. Hina's cancer is cancer… my cancer just for time pass?? I was exposing one woman, and another one came in for free, but let's ignore her… simply ignore. Now, she's going to give me lectures on cancer when she herself needs advice to sustain her own marriage."

Rozlyn has often bashed Hina Khan over her statements on her breast cancer journey. The actress is recovering from Stage 3 breast cancer and was undergoing treatment at the Kokilaben hospital. However, Hina received support from Ankita Lokhande who bashed Rozlyn.

Arjun Kapoor, Bhumi Pednekar Had A Guest With Them For Mere Husband Ki Biwi Promotions. Any Guesses?

Arjun Kapoor and Bhumi Pednekar were out and about in the city for the promotions of their upcoming film Mere Husband Ki Biwi on Instagram. Rakul Preet Singh, who also plays a lead role in the film, skipped the endeavour. Packed due to a busy schedule, she is currently in Chandigarh shooting for her upcoming film De De Pyaar De 2. Now, a video emerged online showcases both Arjun and Bhumi posing for the paparazzi during a promotional day out.Joined by the director of their upcoming film, Mudassar Aziz, the talented stars also had a cut out of their co-star, Rakul Preet Singh in the clip. In an adorable gesture, they all posed with the cutout. Following the posing session, Arjun is seen handing over the cutout to the team as he also made a hilarious remark saying, "Rakul madam ab jayengi wapis chandigarh, unki shooting hai (Rakul Madam will go back to Chandigarh now. She is shooting there)."

For their promotional day out, Arjun Kapoor and Bhumi Pednekar embraced fashion-forward choices. While Bhumi draped herself in a multicoloured plaid saree paired with a green contemporary blouse, Arjun looked handsome in an all-black outfit, wearing a black shirt that he kept unbuttoned to showcase the matching vest that he wore inside and pants.

While Arjun Kapoor and Bhumi Pednekar were deep in promotions for the film, Rakul Preet Singh shared a heartfelt video for the talented duo on her Instagram stories. In the clip, she is heard saying, "Hi Arjun, hi Bhumi! I'm missing you guys so much, and I can see all the fun you're having during promotions. I'm so FOMO that I want to be there! Keep missing me—I'll see you soon!" Her text attached to the clip read, "Arjun Kapoor, Bhumi Pednekar there in spirit with you. Mere Husband Ki Biwi, 21st Feb."

Mere Husband Ki Biwi is a romantic comedy film depicting a modern love story filled with unexpected twists. The plot follows Ankur (played by Arjun), who finds himself in a chaotic dilemma due to his connection with his wife and girlfriend. The film is directed by Mudassar Aziz and produced by Jackky Bhagnani and Vashu Bhagnani under the banner of Pooja Entertainment. The film will be released in theatres on February 21.